Dt 21 12/67 ... New Delhi
Shastri ...

पूज्य श्री 1008 गुरु जी महाराज

के चरणों में ... भंवर जी ...

मैंने खत ... राम ...

लिखा था मगर अभी तक

कोई जवाब नहीं आया

और नहीं कोई तारीख

मेरे जाने की लिखवा

है आज जीवन पाकर

आप का हुकम हो किये

जायगा जवाब पत्र का

... आपका सेवक

... [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

(पुनश्च)

श्रीमान् आचार्यवर्य की सेवा में

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप हमको (चातक को जलद इव) निराश नहीं करेंगे। आप अपने जीवन ध्येय, ब्रह्मानंद इत्यादि लोकसंग्रह में यदि यहां आने से बाधा प्रतीत करें तो भी सकारण सूचित करें। हमको तो आपको मिलने से आपके ही ध्येय सिद्धि संभावित क्या अवश्यंभावी ही प्रतीत होती है। यदि आप अपने अज्ञातवास को ही सुरक्षित रखने में निमग्न हों तो अत्यन्त अनुकूल तथा परिपूर्ण विधिना समर्थ सुव्यवस्था सहज रूप से ही की जायगी। केवल आप के निर्देश की प्रतीक्षा है एक वार अवश्य अनुग्रह पूर्वक लिखें जैसा भी संभव हो हो जायगा। कार के द्वारा किसी भी स्टेशन से आपको गुप्त रूप से लाकर एकान्त में सब प्रकार की सुविधा पूर्वक अपनी योजना आदि का विचार विमर्श का पर्यन्त रण आदि हो सकेगा। अधिक लिखना व्यर्थ है।

दर्शन देना उससे पूर्व पत्र द्वारा हमें सूचित करना चामुण्डा में एक वर्ष से बड़े विद्वान् त्यागी सत्पुरुष विवेकानन्दानुयायी भी आपसे मिलने की प्रबल उत्कण्ठा रखते हैं स्थान के उद्धार और कांगड़ा से प्रकाशन की प्रबल उत्कण्ठा उनके हृदय में बड़े साहस के साथ है एक पत्र के प्रकाशन की उद्य सामग्री एवं प्राचीन अर्वाचीन पुस्तक संग्रह तथा विद्यालय योगाश्रम प्रभृति अखिल भारतीय योजना का विचार उनका है। जन कल्याण राष्ट्रोद्धार कार्य में में आपसे उनका संयोग भी नितान्त आवश्यक है यदि तात्कालिक मिलन कठिन हो तो पत्र द्वारा भी संयोग भारी कार्य करेगा। अधिक लिखना प्राकृतिक नहीं है। पं. चरणदास समलोटीवाला शास्त्री. बी.ए. बी.टी. की परीक्षा हं पास कर चुका है नगरोटा स्कूल में ही है

मैं हूं आपका अतीतानुकंपा पात्र

अवस्थी बदरीदत्त शर्मा चामुण्डा निवासी

पं. गोविन्दजी मिश्र की सेवा में

प्रणाम।

यदि अमृतवाग्भवाचार्य (पं आनन्दस्वरूपजी) महाराज आपके यहां हों तो अथवा और कहीं हों तो यह पत्र उनतक पहुंचाने की चेष्टा करें और मुझे पत्र लिखें यदि इसका कोई उत्तर नहीं पाऊंगा तो यह समझ कर कि मेरा पत्र आपको नहीं मिला है मैं इस ही पते पर आपकी सेवा में जवाबी कार्ड लिखूंगा। मेरा पता पं. बदरीदत्त शर्मा अवस्थी ज्योतिष कार्यालय श्री चामुण्डा पो. डाढ

[illegible] नगरोटा [illegible] जि. कांगड़ा (पंजाब)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ

श्री चामुण्डा
पोथीघर
16-9-61

श्रद्धेय पूज्यपाद आचार्यवर्य जी की पावन
सेवा में साष्टांग असंख्य प्रणाम।

मैं कई वर्ष हुए हैं एक कुटिया अपना स्थान बनाकर श्री चामुण्डा जी में ही रहता हूं। कदाचित आने जाने वाले महात्मा लोगों से (जो कुछ विद्वान हों) आपकी चर्चा अतीत कालीन कुछ स्मृतियां भी वर्णन करता हूं एक उत्तम पुरुष भ्रमण करते इधर आये उन्होंने आपकी चर्चा में आपका पता मुझे लिखवाया था। वे तो अतिर्दिष्ट ही चले गये थे परन्तु मैंने आपको पत्र लिखने का साहस कर लिया है। यदि आपको कुछ भी हमारा स्मरण हो तो एक बार श्री चामुण्डा जी में दर्शन देकर कृतार्थ करें केवल मात्र आप का दर्शन का अभिलाष अवशिष्ट है। हमारे पुराने सहयोगी अस्त हो चुके हैं यथा "पं. पद्मनाभ, चंद्रमणि, नित्यानन्द प्रभृति अनेक" हम भी अस्ताभिमुख हैं यदि आपके पवित्र चरण कांगड़ा भूभाग पर पड़ें तो इस प्रदेश का फिर कल्याण संभव है।

आपके सहयोग की घड़ियां स्मरण होते ही सताती रहती हैं कि कर्तव्य विमूढ़ होकर आपके अज्ञातवास से बड़ा कष्ट है। हम पर एक बार दया की दृष्टि करना और

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address:-

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

सेवा में

F/54
कालका जी
17. 8. 62

श्री अनन्त श्री विभूषित श्री श्री महाराजों के चरण कमलों में इस जन का प्रणाम निवेदन हो। बहुत समय हुआ था जबकि आपने हमारे यहाँ पधारने की कृपा करी थी तब से उस समय के दर्शनों का सौभाग्य न प्राप्त कर सकी। सो प्रार्थना है कि शीघ्र ही देहली पधारने की कृपा करें ताकि हम लोग भी दर्शन लाभ कर सकें। मेरी बड़ी हार्दिक अभिलाषा है कि आप दो एक दिन मेरे यहाँ ठहर कर कृतार्थ करें। मगर यह सौभाग्य भी आपही के अनुग्रह से प्राप्त होसकेगा। मगर फिर भी आपकी इच्छा पूर्ति की आशा रखती हूँ।

निवेदन है कि जो कुण्डली श्री गोविन्द जी की विवाह की वहाँ से कोई भी उत्तर प्राप्त न होसका। ऐसा प्रतीत होता है कि वे लोग कुछ शायद टालना चाहते हैं। क्योंकि अभी तक कोई भी निश्चयात्मक उत्तर नहीं मिल सका। सो आप ही इस ओर ध्यान देकर चिन्ता निवारण कीजिये। यही प्रार्थना है। शेष आपकी दया है। सब बच्चों की ओर से प्रणाम निवेदन है।

निवेदिका
प्रकाशवती

F 154 कालका जी

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 नए पैसे INDIA

Balaji nath
Professor
college

सेवा में
श्री [illegible]
c/o पंडित बलजिन्नाथ जी शास्त्री
एम॰ ए॰ एम॰ ओ॰ एल॰
प्रोफेसर अनन्तनाग कालेज
अनन्त नाग (काश्मीर)

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

From :—
प्रभावती
F/54 [illegible]
नई देहली 14

17/8/62

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

यहाँ काट कर खोलिये To open cut here

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

जयतु जगन्मंगलं हरेर्नाम ॥

c/o B.S. Prakasa Rao
Tele-phone Exchange
Tadepalligudem
West godavary Dt.
A.P

श्री महामहिम श्री आचार्यजी के कृपापात्र
श्रीयुत वि.डि. बकशी जी को सकुटुंब नारायणस्मरण
प्रकाशराव जी के नाम से लिखा पत्र मुझे पढ़कर के सुनाये थे, श्री आचार्यजी को मेरा ओं नमोनारायण, कह दीजियेगा।

यहाँ पर मेरा शरीर में होमियो दवा का विशेष लाभ पहुंचा हुआ है फिर भी डाक्टर जी ने ६ महीने संकीर्तन आदि का मना किये। श्री महामहिम आचार्यजी के आत्म विलास से हमें बहुत लाभ पहुंचा है, मेरा जीवन में उनके साथ रहकर थोड़ा समय उनका सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ था, मैं उसको भगवान की बड़ी भारी दया समझ रहा हूँ। दिल्ली में जो महाराज श्री आचार्य जी के प्रेमी है जो आपके पास आते हैं उनको भी मेरा नमोनारायण

श्री आचार्य जी दिल्ली आ जायें तो मेरे नाम को पत्र जरूर लिखियेगा।

स्वामी अवधूतेन्द्र सरस्वती.
3.3.69
ताडेपल्लिगूडेम

जयतु जगन्मंगलं हरेर्नाम ।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

सोलन
२५ फाल्गुण २०१०.

ॐ

श्रीमन् परम पूज्य आचार्य जी दास नन्दकिशोर का चरण वन्दना वाचें। तदनंतर निवेदन है कि कई वर्ष से आपने कोई भी कृपा पत्र नहीं भेजा - न जाने क्या कारण है। आप मुझे कभी न कभी पत्र अवश्य भेज दिया करें - ताकि कुछ न कुछ प्रीति तो मिल सका करे। लगभग १-२ वर्ष पूर्व मालूम हुआ था कि आप ज्वालामुखी आयेंगे परन्तु आये नहीं। १३ वर्ष पूर्व आपने कृपा करके दर्शन दिये थे - उस समय मैं आपसे विशेष लाभ न उठा सका। यात्रा करने में कष्ट होता ही है इसलिये मैं [illegible]शेष आग्रह पूर्वक ज्वालामुखी आने के लिये न कहूंगा। आप से [illegible] जो कुछ भी स्नेह है वह स्वस्वार्थ के कारण ही है और स्वार्थी मनुष्य दूसरे के सुख दुःख की चिन्ता नहीं करता है - इसीलिये आप जैसा उचित समझें करें। मुझे तो दुःख यही होता है कि जीवन के लगभग ३८ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं जिस प्रीति के लिये १३-१४ वर्ष से अधूरा प्रयत्न कर रहा हूं मैं अपने प्रमाद से उसे आज तक भी प्राप्त न कर सका हूं और जीवन कभी भी समाप्त हो सकता है - मैंने एक बार आपसे कहा था कि त्रिगुणात्मिका प्रकृति ही बलवती होती है आपने कहा था कि पुरुष प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकता है - इसमें क्या सत्य है यह अभी तक भी नहीं समझ सका हूं। मुझसे न तो कोई साधन या उपासना हो सके भी नहीं करने की इच्छा होती है जो कुछ [illegible] [illegible] करता हूं [illegible]: न वह छूटेगी

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

मेरी इच्छा थी कि शेष ~~ब्रह्मचर्य~~ जीवन पूर्ण ब्रह्मचर्य पूर्वक बिताऊं परन्तु ऐसा भी न कर सका हूं केवल ~~शारीरिक~~ मन पर नियन्त्रण होने से ही ऐसा हो सकता है। अपनी त्रुटियां देखकर मैं स्वयं लज्जित होता हूं। और यदि मुझमें न्यूनतायें न होतीं तब शायद मुझे आपकी कृपा की आवश्यकता भी न होती - रोगी के लिये ही औषधि की आवश्यकता पड़ती है। पागलों की भांति व्यर्थ की बातें लिखकर यही आपसे एक प्रार्थना करता हूं कि आप मुझ दीन पर कृपा करके ऐसा आशीर्वाद दें कि जिससे मुझे शान्ति प्राप्त हो जाये - ~~दूसरे जन्म में या मृत्यु के~~ पश्चात् मिलने वाली शान्ति से मुझे कोई लाभ नहीं है। आ[illegible] भी मेरे दोषों पर विचार न करके मुझसे स्नेह किया [illegible] वैसा ही बनाये रखें। मैंने यदि जीवन में एक बार भी कुछ सच्चे हृदय से आपसे कृपा भिक्षा मांगी हो तो वह अवश्य मुझे मिलनी चाहिये।

यह कृपा आपकी शरण में - आया हूं - जैसा उचित हो करें - याचक को लज्जा कहां। अन्त में एक बार फिर कह देता हूं कि आपसे स्नेह करने वालों में सम्भवतः मैं ही अधिक स्वार्थी और निकम्मा सा हूं। मेरा पत्र लिखना आदि स्वार्थ के कारण ही है इसलिये मुझे भी ऐसा तो बना दें कि मैं भी आपसे सच्चा स्नेह कर सकूं - यदि आप हर समय मेरी मानसिक स्थिति को जानते भी रहें तो उससे मुझे क्या लाभ।

आपका:—

[illegible] निवासी।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्रीः सेहरात:

माघकृ० अष्टमी भौम.

श्रीमत्सु श्री १०८ चरणकमलेषु प्रणति पुष्पाञ्जलयः

तत्रभवतां आदेशानुसारं निम्नलिखितानि लिख-
यो मया विलोकिताः, श्रीमतामपि स्वीकृति
जिज्ञासमानोऽस्म्यहम्। कदा कदा तिथिः श्री
चरणैः धन्या करिष्यते? कानकुल प्र दे २१.१
किं चापेक्षितं वस्तुजातम्? सर्वमपि निश्चि-
त्य बोधनीयोऽयं जनः।

माघ शुक्ल २ - ३ तिथी
फा. कृ. २ - ३ - ६ - १२ तिथयः
फा. शु. ६ तिथिः

अस्मिन्वर्षे उपर्युक्तानि पञ्च व
विलोकिताः तत्रापि श्रीचरणाः
प्रमाणम्, परिवर्तयितुं श्रीचरणाः
प्रभवः।

पत्रप्रदानेनानुग्राह्योऽयं जनः।

वशंवदो [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ श्रीः ॥ सेहरा
दि० २२.१०.६२

श्रीमत्तत्रभवन्तः श्री १०८ आचार्यचरणाः।

श्रीचरणेषु भूयांसः प्रणतिकुसुमोपहाराः।

आयुष्मन्मदनलाल द्वारा श्रीमतां सन्देशः प्राप्तः, यदा श्रीमतां पत्रं चैत्रमासे ज्वालानगरतः समायातमभूत् तदानीमहं सामान्यनगरसमीपस्थ मवीं नामक ग्रामे सप्ताह पारायणं पठतोऽभवम्, आगत्य श्रीमतां पत्रमवलोक्य पश्चात्तापोऽभूत् श्रीमतां राजपुरायाऽऽगमनतिथिर्निर्गताऽभूत्। तस्मिन् पत्रे तत्रभवद्भिः आगामिपत्रप्रेषणस्थानं न किमपि निर्दिष्टम् अतः प्रत्युत्तरप्रेषणेऽसमर्थोऽभवम्। स्वयमप्यहं निरवधि इच्छामि श्रीचरणदर्शनम्, आगामिजीवनकार्यक्रमनिर्माणं कर्तुमिच्छामि भवतां सान्निध्ये।

आयुषा ~~क~~ सत्यादिकार्येषु व्यतीता जाता, इच्छामि ~~आयुः~~ शान्तं जीवनम्। कुत्र कदा वा श्रीमतां दर्शनसौभाग्यं लभेय।

कुशलपत्रं पत्रप्रेषणस्थानं च अवश्यं लिखेतनम् इति प्रार्थयति एष जनः।

श्रीचरणैकान्तानतो नन्दलालः

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

हरिवन
कटड़ा वैष्णोदेवी

श्रीकृष्णायनमः ।

अनन्तश्रीविभूषित श्रीचरणारविन्दों में कोटिशः अभिनन्दन ।

निवेदन है कि रामदत्त जी ने एक पत्र दिखाया । उसमें आपके जम्मू पधारने की सूचना थी । साथ मेरे पर अनुग्रह करने की शुभ अभिलाषा भक्त जी की । आपको निवेदन है हरिवन कटड़ा से तीन मील पर वैष्णवी देवी के रास्ते में ही है । जल वायु बहुत उत्तम है । आप मेरे पास ही कुछ दिन आकर मुझे कृतार्थ करें । परन्तु आप जम्मू से जब आवें तो रामदत्त जी को साथ न लावें । इकाकी ही आवें । कटड़ा में हंसराज पुजारी या पं. नारायणदत्त जी के पास से मेरे स्थान में आने की व्यवस्था हो जायेगी क्योंकि श्री [illegible] के मेरे विरोध में कटड़ा में दो चार आदमी तयार किये हैं मैं आजकल कटड़ा नहीं जाता । रामदत्त जी भी उन आदमियों के पक्ष में हैं । मैं किसी रागद्वेष परिपूर्ण पिशुन व्यक्ति का संसर्ग नहीं चाहता ।

प्रोफेसर बलजिन्नाथ जी को सस्नेह हरिस्मरण ।

परिवार को मङ्गलाशासन । यह पत्र पढ़कर फाड़ डालें ।

शिवहरिॐ

मेरा पता - हरिलाल चैतन्य
स्थान - हरिवन
पो. कटड़ा वैष्णोदेवी
स्टेट - जम्मू (काश्मीर)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

Phone No. 4226

Telegram : KOTAKINSTITUTE

COLLEGE UNION.

H. & H. B. Kotak Institute of Science.
RAJKOT.

Prof. Anant N. Bhatt
The Chairman.
College Union.

Ref. No. ....

॥ ॐ श्री: ॥

FROM:- Date - -196

Prof. Anant N. Bhatt M.A. etc.
Prof. of English,
24 - VIRANI BLOCKS,
20 - MILL PARA,
RAJKOT. 2.
(Gujarat)
D: 29-4-68

Parama Pujya Pand[illegible]
Amrit[illegible]
Delh[illegible],

- my most [illegible]umble respects & pranāms.

It is with [illegible] deep and profound sense of pleasure and [illegible]our that I venture to write here a few words of humble request to your kind self.

Pujya Panditji Shri Rudra Devji Tripathi of Delhi has kindly given me your address.

I am actively interested in the श्रीविद्या-उपासना and for which, since long, I am searching for a सम्पूर्ण श्रीयंत्र on स्फटिक.

(P.T.O)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

(2)

I, earnestly, request you, Sir, kindly to let me know from where I [illegible] have or purchase such a श्रीयंत्र on स्फटिक - [illegible]e oval - egg like - size and shape. It will serve my purpose if such a श्रीयंत्र is lying idle at the place of somebody and that person does not [illegible] while, I badly need this for my [illegible]

I also request you, Sir, kindly to guide [illegible] advise me, as to whom should I approach to for taking the मंत्रदीक्षा of [illegible]दीक्षा. Since long, I am also searching for such a [illegible]on, who is the final authority on श्रीविद्या and who might have already reached to the final stage of साक्षात्कार of श्री[illegible]ता त्रिपुरसुन्दरी.

Please permit me to enclose herewith the postal stamps for reply.

I shall ever remain grateful to you, Sir, for all your kind help & guidance in the matter.

With all due respects & pranams.

Yours obediently

[illegible] Bhatt

(PROF. A N BHATT).

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ श्री: ॥ जयपुर से
१३।८।६२।

श्रीमान् संमाननीय शास्त्रिवर्य। मिश्रगोविन्द महोदयानां सेवायां सप्रश्रयं प्रणतय:।

बहुत दिन होगये है आप महानुभावने इधर की कोई खबर न ली।। पुस्तक श्रीललितासहस्रनाम आज महानुभावों की कृपा के प्रभाव से प्रकाशित हो रही है। १५ फार्म छप चुके है ५ बाकी है। टाइटिल का भी प्रूफ आगया है। जैसा लिख चुका हूं वह तो मेरा प्राक्कथन है।

अब आप श्रीजी को सूचित करें कि आपकी क्या [illegible] है इस पर कुछ लिखना है भूमिका या सम्मति कोई [illegible] इत्यादि जैसा चाहे लिख भेजने [illegible] की कृपा करें।

[illegible] की कृपा पर मैं बहुत मुग्ध हूं उनने मेरे लिये कितना और क्या किया है [illegible] छोटासा १०-१२ पंक्तियों का कोई छोटा प्र[illegible] लिखा है संस्कृत छन्द में हैं यह उनको पसन्द होगा कि नहीं कैसे मालूम करूं।

मेरे लिए तो आप भी उनके परम विश्वसनीय प्रतिनिधि रूप में है। आपही कुछ मुझे सलाह दें जो उनको पसन्द हो।

संभवतया किन किन की कॉपी लेनी है या अनावश्यक है इस में बड़े तो बड़े आदमियों की खुशामद भी करनी पड़ेगा। दलाली भी करनी पड़ेगी। फिर जैसी महाराज श्री-जी चाहें वैसी मंगवालें हम उसमें लगा देंगे। कामभी बढ़ैगा। खर्चाभी बढ़ेगा इत्यादि सब विचारणीय है।

ब्लाक फोटो मेरा [illegible] तो है आप लोग चाहें लगादेंगे महाराज श्री-जी का कोई हो तो [illegible] उन्हे पसन्द हो कि न [illegible] जान पाया हूं। हां उनके [illegible] पुरुष के द्वेषी है प्राय वे अपना फोटो प्रकाशित करना नहीं चाहते हो तो वैसा लिखें यदि कोई अन्य विधान नहीं है तो ब्लाक बनवा कर भेजो।

मैंने शेष व्यय की बाबत आपसे निवेदन कियाथा क्या कोई जिक्र श्रीमान् आपसे तो क्या आया।

श्रीराजमाताजी के लिए आज मुझे कहला दिये कि वे २००) रु० तुमको

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

देवेंगे. पर महीना २ महीना में देवें।
करीब १ - मास २५ - दिन होगये है।
पहले से अभी नहीं मिली है।
उन्हें आप ही पत्र द्वारा कुछ
लिख में जो तो मेरा हित हो। फिर आप
की जैसी इच्छा हो वैसा मुझे आदेश
देवें।
कागज बहुत मंहगा पडा है और दुर्ल[illegible]
[illegible] है अब कागज की पू[illegible]
[illegible] महाराज श्री जी
[illegible] आप महानुभावों की सहयोग
होने वाला प्रभाव है।
महाराज श्री जी को पत्र लिखो तब मेरा
प्रणाम पहुंचा देवें। इधर की सह[illegible]
करा देवें। अब तो उनके सांनिध्य भी जरू-
रत है। कृपा बनाए रखें। कृपा पत्र
देने की कष्ट करें।

श्रीहरि शास्त्री
जयपुर

१३।८।६२।

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 nP INDIA

JAIPUR AIR [illegible] 13-8-62

श्रीमान् मिश्र गोविन्दजी की
सेवा में
"चौबुर्जा"
भरतपुर (राजस्थान)

१३।८।६२

पहला मोड़ First fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and a[ddress]

पं. श्रीहरि शास्त्री दाधीच
महन्त गोविन्ददासजी का बाग
म्यूजियम मार्ग पर
जयपुर (राजस्थान)

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

यहाँ काट कर खोलिये To open cut here

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ श्रीः॥ जयपुरतः

११।९।६२।

श्रीमत्सु पूज्यपादेषु आचार्यवर्येषु सप्रणयं प्रणतयः।
पत्रमेकं मया अन्तर्देशीयं प्रहितं, समुपलब्धं
स्यात् तत्रभवद्भिः। तस्य समुचितमुत्तरं नाद्यावधि
मयका समुपलब्धमिति, उद्विजते मनः। किमत्र हेतु
रिति गवेषणेनाऽपि न ज्ञायते।

श्रीललितासहस्रनाम्नां मुद्रितम्, तदादौ प्राक्
कथनादि, अपि मुद्रितं। मुखपत्रमपि मुद्रितं।
[illegible]च सहस्रनाममूलपाठोऽपि नियोजितः; सोऽपि मु-
[illegible] किञ्चन [illegible] आशीर्व-
[illegible] अथवा यत्किंचित् येन केनापि
[illegible] तत्रभवतां रुचिसमं यद्भवेत् तदेव प्रेक्ष्य
येन तस्य पूर्तिः सुसमीचीना स्यात् इति.
[illegible] आशासे शीघ्रमेव लेखनं प्रेषयि
ष्यन्ति भवन्तः श्रीमन्तः सहृदयाः।

मया श्रीगोविन्दमिश्रलेख्या अपि निवेदिता
आसन् विषये. तेषामपि किञ्चनोत्तरं नोपलब्धं
[illegible]नास्मि।

श्रीमतां तत्रभवतां एतस्याः कृपायाः
प्रभावतो हि ममेदं पुस्तकं प्रकाशमागतं
तदस्याः कृपायाः कृते भूयोभूयः धन्यवादान्
अर्पयामि।

जगदम्बिका श्रीललिताम्बा श्रीमतां
तत्रभवतां हृदयसरसि नित्यं वसतु नाम।

कृपापत्रमवश्यमेव दातव्यम्

श्रीमतां मातेयं की[illegible] कथं पु-
नः दर्शनं श्रीमत्पादारविन्दयो[illegible]
इत्यादयो वार्ता अपि लेख्याः।

श्री पं. बलजिन्नाथ महोदयानां
सेवायां मामकाः प्रणामाः निवेदनीयाः।

श्रीमतां प्रीतिपात्रभूताः सर्वेऽपि जना अस्माकं
वन्दनीया एव सन्तीति हेतोः यद्यपि चेतोऽस्माकं
महत् साक्षात्कारोऽपि बलजिन्नाथान्वये
इति समुचितमेवानुचितम्। ——

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

मामकी श्रीमती श्रीमतां पूज्यपादारविन्दयो: प्रणतीर्निवेदयति। कुशलमाशास्यं च तत्र भवतामाचार्यवराणां पृच्छति।

कृपादृष्टिरधिकाधिकं रक्षणीया मयीति

निवेदक:

श्रीहरिशास्त्री दाधीच:।

जयपुरस्थ:।

११।९।६२।

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

EXPRESS DELIVERY





श्री पूज्यपाद अच्युत वामनाचार्यजी महाराज

c/o श्री पं० बलजिन्नाथजी शास्त्री

कुलगांम कश्मीर

पहला मोड़ First fold

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—

पं० श्रीहरिशास्त्री दाधीच:

गोविन्ददासजी की बगीची में

म्यूजियम मार्ग पर रामनिवास बाग के पास

जयपुर (राजस्थान)

11/9/6

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री बिसाऊपुर रेल पा.
ता० 23.2.58

पूज्यवर पं० शर्माजी
ज्योतिषाचार्य सोजन

मान्यवर महोदय

आपका ता० 16 फाल्गुन का पत्र मिला। समाचार विदित हुआ। जमीनदार सा० इधर यहां अपने स्टेट को पधारे हैं 2 दिन के अंदर उनसे वार्ता करने का प्रयत्न करूंगा और मेरे शर्माजी भगत के लिये फिर से स्मरण दिलाऊंगा। कुछ दिन पूर्व मैंने उन्हें स्मरण दिलाया था और उन्होंने मुझको वायदा भी किया कि अवश्य भेजूंगा। परन्तु अभी तक क्यों नहीं भेजा यह आश्चर्य की बात है। जमीनदारी स्वतन्त्र होने के बाद से उनके दरबार में कुछ चिन्ता अवश्य प्राप्त हुई है यह निश्चय के बात आपको ज्ञात हुआ।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

परंतु आपका पैकेट नहीं मिला केवल
यह बात नहीं। आपका पत्र मिला।
लड़के ने भेजा है बहुत सुंदर ढंग से
लिखा गया है और मुझे आशा है कि
वे अपनी को अवश्य भेजेंगे, फिर
भी ईश्वर की मर्जी।

राष्ट्र श्लोक का मराठी भाषांतर
भेज रहा हूं। कृपया स्वीकार करें।

पं. मिश्रा जी का स्वास्थ्य खराब
होने के कारण वे बिलासपुर से ३ अप्रैल
होगये राजनांदगांव और रत आए।
अपने भाई के पास रहने गये हैं।
यदि वहां आये तो अवश्य स्मरण
दिलाऊंगा। आपने अपने पिछले
पत्र में शुभ ज्योतिष ज्ञान की प्रति
भेजने का कुछ भी उल्लेख नहीं किया।
व्यवहार के समाधान के साथ आने के
[illegible] [illegible] मानने के विजय आपने

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अवश्य लिखा था। अस्तु स्व॰ ज्यो॰ श्री॰
की एक प्रति रजिस्ट्री द्वारा भेज रहा
हूं। कीमत भेजने का कष्ट न करें।

आजकल मुझे आर्थिक कष्ट
अधिक हो रहा है। धरम बंधु
राज के लड़की का स्वास्थ्य बहुत
खराब हो गया है। दिल व कुछ
के रोग का इलाज उपचार या आपरेशन
के लिये उसको भेजा है। आर्थिक
कष्ट भी आगे होना संभव है।

यह वर्ष कैसा आरंभ हुआ कह
नहीं सकता। यदि आप कृपा कर
वर्ष कुंडली फलसहित भेजने की
कृपा करेंगे तो मैं आपका अत्यन्त
ऋणी होऊंगा। शेष कुशल,

आपका आज्ञाकारी

चित्रकनगर
बिलासपुर

वासुदेवराव
खानखोजे

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री १०८ आचार्य चरणों में
सादर प्रणाम।

पत्र मिला। हमारे आने के बारे में कई प्रोग्राम बदले
पहले वायुयान का प्रोग्राम बना - फिर रेलगाड़ी में सीट
रिज़र्व करवाई परसों एक बस से बात चीत हो गई और
सीट बुक करवाईं, कुल ७० रुपये में दो सवारी जिस में
एक श्रीमान् के आठ पांच की सी वैष्णव देवी ज्वाला गाँव
[illegible] वगैरा। सब दिखाने का प्रोग्राम था ~~[illegible]~~
परन्तु आज अचानक उन से फिर बात टूट गई और कल
दुबारा सीट बुक करवा ली रेल से ही आऊंगा और
जम्मू से सीधे अनन्तनाग पहुंचूंगा हम लोग एक
[illegible] को चलना [illegible] उनका पहले गाँव पहुंचने का विचार
रखते हैं आपके [illegible] मेरे पास होगा अतः आप के
पास आने में हमें कोई दिक्कत नहीं होगी बस का जो
२० सवारी हो गई थीं परन्तु अब १२ बारह सवारियाँ
केवल हमारे साथ होंगी बाकी १८ उसी बस से ही
आयेंगी आज चलने का दिन इकट्ठा हो जायेगा
इन कपड़ों का पूरा प्रबन्ध करके आऊंगा और [illegible]
आप की आज्ञानुसार ऐसा ही किया जायेगा
[illegible] मुझे अभी तक मिला नहीं आशा है
[illegible] का एक दिन टेलीफून आया था परन्तु मैं घर नहीं था
मेरे सहायक ने सुना था "कल [illegible] चलना [illegible]
जाऊंगा आप ने कोई वस्तु यहां से मंगवानी हो
तो लिख देना लेता आऊं

आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं यह पढ़ कर चिन्ता हो गई है वह स्थान का
योग तथा [illegible] है कश्मीर में वापस आ कर यहां रहें तो
कुछ दिन [illegible] करेंगे तो [illegible] रोग निवारण होगा।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

हमलोग रात्रि को पहलगांव पहुंचे गे
और प्रातः ४ को पैदल यात्रा शुरू हो गई
इस कारण हमें समय थोड़ा हो गया पहल
गांव से सामान इकट्ठा करने को [illegible] टैंट
~~आदि वस्तुएं पहले ही अच्छी अच्छी~~
~~किराया पर चढ़ गई है अतः यदि~~
~~कोई आदमी [illegible] निम्नलिखित सामान~~
~~[illegible] को कृपा हो [illegible] सुविधा~~
~~होगी [illegible] टैंट [illegible]~~
इस [illegible] अपने साथ ले
गे केवल टैंट [illegible] है
आशा है [illegible] समय मिल जायेगा।
[illegible] पं [illegible] को
[illegible] पंडित [illegible] तथा मेरे पिता
जी तथा [illegible] को [illegible] तथा और [illegible] होंगे
आनन्द कुशल हैं। आदरणीय श्री
बलजीनाथ जी को [illegible]।
अन्य [illegible] को नमस्कार
तुम्हारा सेवक
[illegible]

[illegible] To open cut here

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE
10 nP INDIA

श्री !
c/o — Pro. Baljinath Pt.
प्रोफेसर बलजीनाथ पंडित
Near house of haldhar cheero
हलधर चीरू के मकान के पास
अनन्तनाग (काश्मीर)
Anant Nag (Kashmir)

First fold — पहला मोड़
Second fold — दूसरा मोड़
तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—
[illegible]
[illegible] पुरा
दिल्ली १५

[illegible] NO ENCLOSURES ALLOWED

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पूज्य श्री १००८ [illegible] गुरुदेव!
१

साष्टांग प्रणाम।

पत्र मिला। आपने स्वा[illegible] के ठीक न रहने का जो लिखा है सो साधारण ही है या फिर कोई अधिक तो नहीं हो गया? वापसी उत्तर दीजे ताकि वैद्य जी से दवाई लेकर लिखूं। गाड़ी पर 1300 रुपया अब खर्च किया है यानी टाईर नये डलवाये हैं आशा है आप की आशीः से ठीक चलती रहेगी। पं. द्वारका प्रसाद बलरामपुर गये थे अपनी अंगूठी बनवा लाये हैं बरखशी जी की बनवाने लिये दे आये गई थी अतः पर नहीं बन सकी - लालगढ़ से नन्दलाल गये थे उनको अपनी अंगूठी बनवाने को ले गये हैं। कलीराम का स्वास्थ्य अच्छा न होने के कारण बरखशी जी की अंगूठी दोबारा नहीं बन सकी अगले महूर्त में कलीराम ने कहा है कि बना दूंगा। बांकेलाल मंगल में एक हस्पताल पर लग गया है। वैद्य जी अपने साथियों से प्रोग्राम तय कर रहे हैं थोड़े दिनों में पक्का प्रोग्राम लिख कर भेजेंगे। गर्म कपड़ा तथा अन्य सब आवश्यक सामान पूर[illegible] प्रबन्ध करके आवें। जो बरखशी जी की अंगूठी पुख्या[illegible] तो बन गये होंगे। पहननी भी वैसा मुहूर्त चाहिये यदि [illegible] तो बरखशी जी को स्वयं नहीं जाना चाहिये।...

पूज्य श्री परम आचार्य [illegible]

श्री आचार्य चरणों में सादर प्रणाम

पुष्पाञ्जलि! -

मेरे साथी यात्रियों से मेरा अमरनाथ की यात्रा का पत्रा तय नहीं हुआ थोड़े दिनों में आप के चरणों में फिर पत्र द्वारा सूचना करूंगा। क्या है सीधे जम्मू से अमरनाथ को यात्रा आरम्भ करना चाहिये अथवा श्रीनगर से होकर - आप कब तक दर्शन करेंगे क्या आप अमरनाथ हमारे साथ चलने की कृपा [illegible] के लिये यहां से कुछ सामान या [illegible] तो लिखें

[illegible]लानाथ तथा अन्य पंडितों सज्जनों को नमस्कार - आशा है होने वाली हड़ताल द्वारा प्रोग्राम में कोई बाधा नहीं डालेंगी -

घर को चौबारा मुकम्मल तैयार हो गया है घर के नीचे लोहे के जंगले तक दरवाजे खिड़कियां लग गये हैं अन्य सब कुशल है आप की कृपा दृष्टि से सब मंगल है अपने स्वास्थ्य के बारे में कोई औषधि मंगवानी हो तो लिखें

सेवक - त्रिगुणा

[illegible]

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 nP INDIA १० नप

सेवा में "श्री"

श्री

c/o

प्रोफेसर श्री बलजिन्नाथ पंडित

अनन्तनाग कालेज

अनन्तनाग (काश्मीर)

First fold — पहला मोड़

तीसरा मोड़ Third

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

मास्टर भगवान दास c/o

वैद्य त्रिगुणा भोगल रोड़

जंगपुरा दिल्ली. 14

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

Sadhana Grandha Mandali, Tenali.

Founder : 'Vidwan' BULUSU SURYAPRAKASA SASTRY.

Estd: 1945.

D/ 24/4/ 1968

सप्रेम हरिस्मरणम्

श्रीश्रीश्री महामहिम अमृतवाग्भवाचार्याणां दिव्यसन्निधौ साधनग्रन्थमण्डली व्यवस्थापको बुलुसु सूर्यप्रकाशशास्त्री साष्टाङ्गदण्डप्रणामशतपुरस्सरं विनीतो विज्ञापयते –

तत्र भवतां अमृतवाग्भवां परशुराम स्तुतिं श्रीश्रीश्री अवधूतेन्द्र सरस्वती श्रीचरणानां आज्ञानुसारेण आन्ध्र्यां तात्पर्येण साकं मुद्राप्य पञ्चविंशति पुस्तकानि भवतां सकाशं प्रापयामि यदि भवद्भिरितोऽधिकानि पुस्तकान्यपेक्ष्यन्ते अनुगृह्यतां ~~माज्ञया~~ माज्ञा ।

पूज्यपादाः अवधूतेन्द्र सरस्वती स्वामिनः मौनेन विश्रान्तिमनुभवन्ति। मासार्धपर्यन्तं विश्रान्त्या स्थीयतामिति भिषजां वचः। श्रीचरणानामाशिषः प्रार्थये ।

श्रीचरणानामन्तेवासी
बु· सू· शास्त्री.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

प्रभु, आपके दर्शन से मेरे को बहुत लाभ मिला, शिवा, अवश्य मैं आपके आदेशानुसार, अधिक समय वासुदेव, विश्रान्ति लेलूंगा।

दया दृष्ट्या ~~पश्यन्निज~~ तनय मात्मी कुरु शिव॥

भौतिक संपत्ति के साथ आध्यात्मिक संपत्ती भी श्री पटेल जी इकट्ठा कररहे है। बडी कृपा भगवान की है उनपर, सुधाकर प्रकाश और अरुण उनकी मातारास और सब माताओं को मेरा नारायण स्मरण, और भगवान परशुराम जी के चरणों में मेरा अनंतानंत प्रणाम है।

प्रभु! शिव! वासुदेव, श्रीरमण महर्षि जी के शिष्य मिलेथे। वे जरूर आपका दर्शन करेंगे अभी इससमय मचिली वन्दर में हैं।

आपका

अच्युतानंद सरस्वती स्वामी।

सोमवरम्
23.8.63

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

जयति जगन्मंगलं हरेर्नाम

श्री श्री श्री अमृत वाग्भवाचार्य जी के चरण कमलों में
ओं नमो नारायण।

महात्मा, पराशिवा, वासुदेवा, सत्ता मात्रा,
शम्भो विहित शरणं त्वच्चरण यो: - - - - -
दया दृष्ट्या पश्य निजतनय मात्मी उरु शिवा॥

२१ ता. सुबह १२ बजे पहुंचा था। उस दिन रातमें
कार्यक्रम परमशिवानुग्रहसे मंगलमय संपूर्ण हुआ.
परंतु - २२ को मद्रास नहीं जासका। पूना
से सिकिंदराबाद वाली गाड़ी लेट में पहुँची थी उसका-
रण वहांका टिकट वापस करके टेक्सी से विजयवाड़ा
जाकर उसी गाड़ी को पकड़कर - उस गावं पहुचा का
पौने दो सौ मील टेकसी में जाने से, शरीर-थक गया. मद्रास का टिकट
भी वापस करके यहां एक हफ्ते के लिये रहगया
रामदास अपनी माता जी के यहाँ चलगये।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

C/o Meena Biscuit-co

Bhimavaram

W. G. Dt-

A. P

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आपकी आज्ञा होगी
... ही देहली आना
...ओम. प्रेमशंकर आगरा
... देहली है।

आपका रामानुज
Mohan

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
10 P INDIA 10 पै.

श्री. श्री. श्री.
आशोक आनन्द
Ashok Anand
मानसरोवर गार्डन
F. 183 Mansarovar
Garden
NEW DELHI.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

भरतपुर
८-१०-६४

मान्यवर श्री श्रीमती जी

पद पद्मजाओं में समानुराग के कोटिश: वन्दना प्रणाम स्वीकृत हों।

पत्र आपने लिखा सो पढ़कर बहुत प्रसन्नता हुई जो चिन्ता थी वह चली सी गई। श्री पं. जी नगर नगर होते हुए बरेली चले गये हैं। वहाँ से उनका पत्र आया था वहाँ पर सकुशल से हैं उन्होंने आने को लिखा था परन्तु अभी तक नहीं आये हैं शायद १-२ रोज में आने वाले हों उनसे भी पत्र व्यवहार [illegible] उनके परिवार में सब सकुशल से हैं श्री दुर्गा देवी जी पार्वती भरतपुर आई हुई हैं। काली चरण के लड़का हुआ है शेष सब आपकी कृपा से कुशल है। मैं शायद रविवार को चंडीगढ़ जा रहा हूँ पर अभी निश्चय नहीं

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

है आपको

को इन्तजार है।

आज हम आये है श्री कैलाश प्रसाद जी पं० श्री लाल जी के भजन को दो शब्द दे गये है। आपको नमस्कार कहते है। श्री ज्योतिषी जी की तबियत खराब है बुखार आता है। माजी आपको अशीष कहती है। धर्म लखन चरन छूना कहते हैं।

जगदीश

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

श्री:
भरतपुर
ता: २४-१२-६०

श्रीमान परम पूज्यनीय पं॰ जी को
जगदीश गोपाल महेश योगेश का
चरण स्पर्श स्वीकार हो। हम सब
कुशल पूर्वक हैं आपभी कुशल पूर्वक होंगे।
श्री॰ बाबूजी अभी नहीं आये हैं। ता: २५/१२/६०
को आने को लिखा है। पंडितानी जी
को हम सबका प्रणाम कहना जी।
माता जी आपको तथा पंडितानी जी
को प्रणाम कहती है। "श्री जी" को
हम सबका कोटिर चरण स्पर्श कहना।
श्री॰ बाबू श्री लाल जी की तबियत
अभी ऐसी ही चल रही है
ज्वर आता ही है। अभी
कुम्हेर तबियत की वजह से
नहीं गये हैं। और सब मिलनेवाले जै
... कहते हैं।
श्री॰ मनोहर लाल जी वकी-
-ल सा- प्रणाम कहते हैं।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

परेत दयालु यह बात जरूर है जैसा
कि मैं आप से अरज कर चुका हूं
कि मुझे भजन नहीं पाया माला यह
तो अपनी कंठी माला, न घर है
न दर है न घर है न कोई स्थान ठि-
काना है महाराजजी मैं आप का
दास हूं न विद्या न वाह वल न
[illegible] की [illegible] नि पर, अनाथ
की तुम पति राखो लाज, आपका से-
वक [illegible] स्थान [illegible] है मथुरा [illegible]

पोस्ट कार्ड
साथ का कार्ड जवाब के लिए
केवल पता

POSTAGE 5 N.P. INDIA

श्री महात्मा
श्री श्री 108 श्री [illegible]
[illegible] जी महाराज
[illegible]
मारफत

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री ता २०-११-६०

मथुरा उर
जयपुर

श्री श्री २०८ महा
मान्य श्री बाबा अमृतलाल
भाग्य भव प्रणीत: जी को
दास का सांष्टांग दंडवत प्रणाम
स्वीकार हो जी मैं दास आपके
आज्ञा को सिरोधारिये करे हुआ हूं
मगर अभाग्य वस आप के दर्शन
ही इशवार हो गये इसलिए न आप
ही कोई बचन दिये फिर मैं बचन
कैसा वन्दी क्या करू मैं समझता था
कि आप का आज्ञा हन दफ्तर
पर होगा परन्तु ऐसा न हुआ आपका
पता: प्रात व मुसाफिल होने पर
सेवा मे पत्र देरहा हैं हल्दी की
माला तैयार है आप के बचन दे
दरहै

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आपके चरणों में जय शंकर।
श्री राम रत्न गायनाचार्य उनकी
ओर से और बाल गोपालों की
ओर से ~~का~~ जय शंकर।
आपके प्रेमियो को
हमारी ओर से जय शंकर।
गाड़ी आज फिर नस के लिए गई
है खर्चा बहुत ज्यादा हो चुका
है।

आपका चरण सेवक
भगवानदास
वशिष्ठ

POSTAGE
5 nP INDIA
ADDRESS ONLY
पता

सेवा मे

पूज्यपाद "श्री" महाराज
Shri K. K. Anand,
C/o ~~Prof B. N Pandit~~
Shri Banke Behari's House
Gogji Bagh ~~Anantnag~~
SRINAGAR
Kashmir

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

"श्री"

भगवान दास, भोगल
जंगपुरा ६-८-६०

श्री पूज्य पाद अनन्त
श्री गुरु देव महाराज
जय शंकर

आपका कृपा पत्र ५-८-६० का ८-८-६० को सायं काल मिला। वैद्य जी महाराज १-८-६० की सायं काल ८-२५ की गाड़ी पठान कोट मेल से श्री अमर नाथ जी की यात्रा पर रवाना हो चुके हैं। यहाँ पर उन्होंने आपसे मिलने की तीव्र अभिलाषा प्रकट की थी न मालूम किस कारण वे आप से न मिल सके। आशा है वापिसी में आपके दर्शन करें।

बाकि यहाँ पर आपकी कृपा से सब कुशल है। श्री बकशी जी की अंगुठियाँ बहराम पुर से बनकर आगई उसके पहनने का शुभ मुहूर्त कृपा कर लिखने की कृपा करें।

लाला बंके लाल तथा शिव प्रसाद जिन्होंने पटियाला से परीक्षा दी थी वे दोनों पास होगये है। और ब्यू के लिए १५ से २० अगस्त के अन्दर [illegible] अन्दर आयगे। यह सब आपकी ही कृपा है।

[illegible] पो दवार का दत्त बाबू रामनाथ [illegible] जी बकशी जी आदि परिवार सहित आनन्द पूर्वक है और

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आगे जैसी आपकी आज्ञा
हो मैं वैसा करूं यदि
आप आदेश देंगे मैं
देहली उपस्थित हो जाऊंगा
आपका
मेरा पता
कैलाशकुमार
विनोद कुमार शर्मा
C/o
श्री निरंजन लाल जैन
कुम्हेर
(भरतपुर) राजस्थान

पोस्ट कार्ड

केवल पता

POSTAGE
5 N.P. INDIA ५ न.पै.

DELY
10 2 58
10 30 AM
A

श्री बाबा महाराज को मिले
राजकुमार जी
C/o बांके लाल, रनौजी
१२ रनजीत प्लेस
बिडला मन्दिर के सामने
देहली (Delhi)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ओम्

Bharatpur
ता. 6/2/58

पूज्यनीय बाबा महाराज,

सादर प्रणाम।

सविनय प्रार्थना है कि आपने भरतपुर में मुझसे वस्त्रों की [illegible] के बारे में कहा था अतः इसके याद दिलाने के लिये मैं यह पत्र आपकी सेवा में प्रस्तुत कर रहा हूँ। शेष कुशल चाचाजी (पं. गोविन्दजी वकील [illegible] श्री जी) शादी में गये हुए हैं।

सेठ रू० आज ही बम्बई से भरतपुर पधारे हैं आपको छोटी २ प्रणाम कहते हैं और [illegible] आपको याद भी ठीक रहे हैं।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

बाबा साहब आपको व
बाबा महाराज को प्रणाम
कहते हैं।
आपका आशीकांक्षी
चन्द्रभान शर्मा

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE
5 nP INDIA ५ नये पैसे

श्रीमान पं० गोविन्द प्रसाद जी शास्त्री
C/o वैद्य वृहस्पतिदेव (त्रिगुणा
मोहल्ला लेड पो० जंगपुरा
दिल्ली - 14 (Delhi)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री।।

भरतपुर
24.12.60

आदरणीय बाबा साहब के चरणारविंदों में चन्द्रकान्त के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। अत्र कुशलं तत्रास्तु।

यहां बाबा साहब की हालत में दैवकृपा से सुधार हो रहा है। कमजोरी है। वह भी ठीक हो जावेगी।

श्री बाबा महाराज की अस्वस्थता का कारण क्या है व अब इनकी तबियत दैवकृपा से ठीक ही होगी।

ज्योतिषी जी आये थे उन्होंने भी चिन्ता का कोई भी कारण नहीं बताया था।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

क्योंकि वह पंचायत। सार्वजनिक [illegible] और यह पार्टी हल ले
कर लेगी तब तब शायद मेरी [illegible] की नौकरी खोत जाने का
भय जायेगा। और अब जब तक तबादले नहीं होंगे तब तक कि
तब समय कार्यभार संभालने को और उनकी सिफारिशों के
आधार पर ही तबादला हुआ करेंगे ऐसी दशा में प्रयत्न करना
व्यर्थ है। पूज्य श्रीमती [illegible] का० की [illegible] तबीयत है गले की क्या
हाल है लिखना। मेरा [illegible] स्पर्श करना। पहले पत्र में भी मैंने
लिखा था क्योंकि उस समय मेरा [illegible] कारण
[illegible] कृपा करें। मैं [illegible] स्थान रहता हूँ लेकिन
जो जिस दिन होना होता है हो ही जाता है। क्या [illegible]
[illegible] जी [illegible] को भी [illegible] उन्होंने क्या
[illegible] लिखना। आपका

[illegible]

[illegible] NEW DELHI 10.30AM [illegible] 60

ATALB[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री

भरतपुर

परम आदरणीय श्रीमान मिश्रा जी

ता. 23-12-80

सादर प्रणाम। आदरणीय एवं पूज्य श्री बाबा महाराज को चरण स्पर्श। मुझे ता 16 12/80 की शाम को जब कि मुझे 104 1/2 डिग्री बुखार था दर्शन हुआ। श्री सौभाग्य बाबा महाराज के दिल्ली निवास का मुझे पता ही नहीं था अतः बाबा महाराज से अपनी गलती की क्षमा चाहता हूँ। मुझे ता-24 12/80 तक की [illegible] है अब तबीयत करीब २ ठीक हो गी है। यह सब समय का फेर एवं भगवान की इच्छा पर ही निर्भर है। आपका 20 12/80 का पत्र आज मुझे भरतपुर मिला बाबा महाराज का स्वास्थ्य पूछ [illegible] लिखने का कष्ट करना मेरे योग्य सेवा से सूचित करें तो मुझे बाबा महाराज की एवं आपकी समस्त आज्ञाएं शिरोधार्य हैं लेकिन कुछ परिस्थितियां ऐसी उत्पन्न हो जाती हैं कि मैं मजबूर हो जाता हूँ क्या करूं मैं स्वयं चाहता हूँ कि [illegible] और कोई कार्य न करूं क्या करूं मैं स्वयं इस समय कार्य करने में असमर्थ सा हूँ। खैर ईश्वरेच्छा जो भगवान करते हैं अच्छा ही करते हैं उसके विधान को कोई नहीं टाल सकता जिस दिन और जिस प्रकार इस बीमारी की [illegible] होना है उसी दिन होगा उसकी चिन्ता करना व्यर्थ है।

श्री श्री गिरिराज शरण जी के समीप भी [illegible]

लेट हो जाने के कारण नहीं जा सका हूँ सम्भव है जनवरी

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

81 में जयपुर जाऊं। [illegible] बाबा जी द्वारा [illegible]

श्री कृष्णाजी अभी नहीं आये है यहां पर श्रीआचार्य देवकीनन्दनजी का स्वर्गवास हो गया है। आपका भरतपुर आने का तब तक लिखा है यहां पर चार पांच दिन रहना नहीं गोकुलके बालकों श्री व्रजरतनलाल के ..काम हो गया ... अब १३ तारीख २२/१२/६० से चालू होगया है ... फिर आपको ... बड़ा आनन्दित हूं ... [illegible] ... पत्र में गलत हो [illegible] ... श्री ... महाराज ... [illegible]

मान पं. गोविन्द जी ...
C/o
वैद्य श्री वृहस्पति देव (...)
मोहल्ला रोड पोस्ट ...
दिल्ली
देहली

पोस्ट कार्ड POST CARD
केवल पता ADDRESS ONLY
INDIA POSTAGE 5 nP
NEW DELHI 12.60

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

परम साहब पूजनीय बालपुर ३०।१२।६०

लेख आदरणीय श्री १००८ श्री बाबा महाराजजी
तथा पूजनीय श्रीमान चाचाजी के चरण कमलो
मे कोटानु कोट नमस्कार [illegible] लिखी लिखते:
कुशल मुन्ह। आपको पत्र डाले काफी समय
होगया मगर श्रीमान जी का कोई उत्तर
प्राप्त होने से चिन्ता है कि पत्र पहुंचा या
नहीं। श्रीमान जी आपने जिन महानु भावो
को [illegible] के लिये कहा था उनसे भी है
कहा गया मगर उनने यही उत्तर दिया की
मे पत्र लिखु जब आपको उनकी तरफ से
नमस्कार लिख दूं अतः आप इन लोगो
की नमस्कार स्वीकार करलीजी।
हमारे [illegible] तरफ से श्री परम पूज्य श्री
श्री [illegible] स्वर्गी कहियेगा तथा आप
और [illegible] वालो से पत्र [illegible]
के [illegible] लिये चाचाजी [illegible]
[illegible] पुस्तक [illegible]
[illegible]

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
INDIA
10 पै

Shri Raj Kumar Ji
Agarwal
G. 539 Srinivaspuri
NEW DELHI

SRINIVASPURI.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

भारतपुर
१४-१०-६४

श्रीश्री आनन्दश्रीजी
के चरणकमलों में दासानुदास
बालकों के कोटिशः साष्टांग दण्डवत्
प्रणाम स्वीकृत हों. पंडित जी के आने
की मैंने दूसरा पत्र F-१०३ मानसरोवर
गार्डन के पते पर उपनाहिता को मेरे
पत्र के दूसरे दिन पत्र डाला था.
आज राजकुमार जी को पत्र लिखा है
पंडित जी शायद कल या परसों उनको
दो निमन्त्रण पत्र लिख रहे हैं वे
शायद दशहरा बाद आने की सोच
रहे हैं उनको निज परिवारों को
स्वास्थ्य ठीक है। मखना नरवर
पहुंच गया है शेष सब कुशल
प्रसन्न हैं।

दासानुदास
बालक

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible], [illegible] प्रणाम।
असल कागज भी साथ
लेते आने का कष्ट करें
जिसकी फोटो कापियां
हमारे पास हैं असल की
आवश्यकता पड रही है
कष्ट के लिए क्षमा प्रार्थी हूं।
रामानुज दास
[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
10 पैसे INDIA 10 पैसे

श्रीमान
लाला राजकुमार जी अग्रवाल
जी-५३ ई श्रीनिवासपुरी
नई दिल्ली।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अपरान्ह ३॥ बजे श्री: । चौबुर्जा - भरतपुर
९-२-७०.

श्रीमान्
लाला राजकुमारजी / जयशंकर।
सर्वत्रकुशलमस्तु। आज १ बजे आपका कार्ड
मिला प्रसन्नता हुई। आपने मेरे पहले
कार्ड का उत्तर नहीं दिया क्या ? कारण ?
मैं अनन्त श्री पूज्यपादारविन्द "श्री" जी के
दर्शनार्थ आगामी ता १२-२-७० को
आनेका विचार कर रहा था। अब यह अत्यु-
त्तम रहा कि आपके पत्रानुसार वे ही यहां
पधार रहे हैं। इससे अधिक प्रसन्नता
की और क्या बात होगी। शेष कुशल है।
अनन्त श्री "श्री" के चरणोंमें कोटिशः
प्रणाम निवेदन करें। सभी प्रेमियोंसे
यथोचित [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आपका - [illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
INDIA
10 P. 10 पै.

शाल उपर उठना मुश्किल हैं उठाने
उठने की शक्ति नाहि प्रभू ने छह को हमारे
पास से लेलीया यह नाहिं देखा की यह
किसने आदमियों को पालन करता है मेले
... भगवान मागने लायक कर गया अब
... उमर हैं जाने शक्ति भी नाहिं रही क्योंकि
... इस समय तो मेलूर जपो इस समय
... पहा नाहिं था अच्छा आपकी इच्छा
... वाले जीरों को बाद नाहिं सुनते
... में कोई तथा सभों को तलाश
... है सभ को नमस्कार
आपका भाग्यहीन
शिव ...

To
Sh. Shri ji
K. L. Anand
Anand Bhabhan
C. M. N. H. 5 (फरीदाबाद)
Faridabad. N. I. T.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ आज लालगढ़

[illegible] २२ ता सोमवार

श्री १०८ श्री स्वामि जी माहाराज श्री चरणों में

पापि भाग्यहीन का नमस्कार स्वीकार करें

पता नाई यह क्या चमत्कार था निर्दोष बालक
को हमारे पास से ले गया उसने अभी तक पापपुण्य
का सामना भी नाई जान पाया था यह क्या हो गया
उड तो जिवत है यह मनुष्य मरा है परन्तु एक प्यारा
को जिवत हैना [illegible] सारा हडकले को छोड़ गया
हर समय उठते बैठते यह मन से उठता है हे दुष्ट हैं
पापि है अब किसी को आपने शकल ना दिखाना
अब तक सलाह सुनाया को सुखदायक आवा
ज सुनता है जिस मां के आगे, ३६ वर्ष से रात
दिन प्रार्थना करता आया हूं (पुत्र रक्षा माहालक्ष्मी)
३६ वर्ष की प्रार्थना पर कोई ध्यान नहीं हुआ
क्या सब स्वामी के आगे प्रार्थना करना फजूल
मालूम हुआ मैं रख बरताया हूं तब समझता हूं

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible] मन [illegible] की [illegible] सुनते हैं [illegible]

क्षमा चाहता हूं कि आपके ~~दर्शनार्थ~~ दर्शनार्थ
नहीं पहुंच सका बहुत ही प्रपंच
में उलझा हूं धैर्य टूट रहा है
आपकी कृपादृष्टि ही पार लगायेगी
आपका श्रीरूपा वरद हस्त है
[illegible] स्वामी क्या है
श्री [illegible] जी महाराज से नमस्कार
आपका अकिंचन वैद्य:

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA 5 नए पैसे

NEW DELHI 14 — 3 30 PM

श्री अमृतनाथभवजी महाराज
C/o वैद्य वृहस्पतिदेव त्रिगुणा
मोगल रोड पो॰ जंगपुरा
देहली नं १४

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

३-२-६१

श्री महा महीम पूज्य चरणोमें

वैद्य पं. नागानन्द जी

कोटिशः प्रणाम

पत्र मिला चित्तमें प्रसन्नता भी हुई कि आप इधर आकर चलाने करने की सोच रहे हैं प्रार्थना है कि आप सिधे पहले यहां ही पधारें और प्रोग्राम दें कि किस पधार रहे हैं ताकि प्रतिक्षा करूं

सेवक इस बात का है कि आपका स्वास्थ्य अभी तक ठीक नहीं हुआ मेरे को भी कुछ सेवा का मौका दें यहां रहकर कुछ दिन औषधा सेवन करें महती कृपा होगी मैं आपकी सेवामे हाजर होने से भी रुक गया हूं कि आपने लिखा है कि हम शीघ्र ही इधर पटियाला कि तरफ आने की सोच रहे हैं ऐसा न हो आप यहां से चल पड़े मैं अनेको उलझनो मे उलझा

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्टकार्ड
POST CARD

श्री अमृत वाग्भव जी महाराज
C/o वैद्य वृहस्पति देव त्रिगुणा
मोगल रोड पो. जंगपुरा
देहली नं. 14

समाचार दें कि आप कब तक देहली में
ठहरेंगे यदि इधर आने का प्रोग्राम हो तो
प्रतीक्षा करें। बड़ा दर्शनों से [illegible] हाजिर
होकर कृतार्थ बनूं

श्री वैद्य जी जय शंकर (के
पश्चात निवेदन है कि यदि श्री जी
[illegible]
वैद्य पंचानन शर्मा मु. पो. लहरा [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

२४-१-६०

श्री

अनन्त श्री विभूषित [illegible] उमाचरण १०८

मैं अचानक सबको कोटिशः प्रणाम

इन दिनों संसार में रजोगुण के सामने आत्म[illegible]

यदि प्राचीन फंसा बैठा था किन्तु समर्पण

हो, वही करना सो करता कि मेरा हित जो

का फल मिल जाता है कि मैं भगवान ने महत्ती

रहता आज ३ वर्ष की अनेक लोगों की रहगया

कुरीतियों भी पर होती। सम आपकी

का आशीर्वाद मंगलमय

कहूँ कि मैं तो गृहस्थ जीवन में उलझ गया

हूँ। अब ही किसका बड़ा संकट

मैं गल पारहा हूँ॥ अत्यन्त प्रसन्न

श्री चरणों की चिन्ता है कि क्या हाल

बतालिये नहि आपका श्री [illegible]

[illegible] मैं

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अतः बार बार यही याचना
है कि अवश्य नालागढ़ पधारें
लीला ता 31 जुलाई को नालागढ़ आ
रही है। मुझे छुट्टी कम मिलेगी
पं सोहन जी ही प्रबन्ध करेंगे
सब मिलने वालों को जय राधे
को जय राधे। आप का दास

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

सिरसा
21.7.66

अनन्त श्री विभूषित
श्री जी० जयशङ्कर

साष्टाङ्ग प्रणाम स्वीकार हो

यहां कुशल है आप की कुशलता सदैव चाहता हूं। आप के आदेशानुसार कुमारी ऊषा की विवाह तिथी 2 सितम्बर 1966 (2/9/66) मुताबिक 18 भाद्र 2023 दिन शुक्रवार नीयत हो चुकी है इस अवसर पर आप से विनम्र प्रार्थना है कि आप जरूर पधार कर इस कार्य को सम्पन्न करें यदि आप की उपस्थिति ना हुई तो यह कार्य अधूरा रहेगा।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्टकार्ड POST CARD

साथ भेजे गए जवाबी कार्ड के लिए पता केवल

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER ADDRESS ONLY

INDIA 5 nP

दिल्ली-14 DELHI-14

श्री अमृत वागभव जी महाराज

C/o वैद्य बृहस्पति देव त्रिगुणा

ओगाल रोड पो. जंगपुरा

देहली नं १४

समाचार है कि आप कब तक देहली में
ठहरेंगे यदि इधर आने का प्रोग्राम हो तो
प्रतीक्षा करूं वरना दर्शनार्थ सेवा में हाजर
होकर कृतार्थ बनूं

श्री वैद्य जी जय शंकर (के
पश्चात् निवेदन है कि यदि श्री. जी
[illegible]
वैद्य चानन राम मु. पो. लहरा गागा जि. (पंजाब)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

२४-१-६०
वैकुण्ठ चालन श्री
मोहल्ला

श्री अनन्तश्री पूज्य चरण १०८

सेवामें कोटिशः प्रणाम

मैं अचानक रजोगुणके वशमें आकर
इस झंझटमें फंस बैठा था कितने महीनेसे
यहि प्रार्थना करता कि मेरा हित जीसमें
हो वही करना सो भगवान्‌की महती कृपा
का फल मिल गया है कि मैं रह गया
वरना आगे ३ वर्षकी अनेक लोगोंकी
जुम्मेवारीयां शीरपर होतीं सब आपके चरणों
का आशीर्वाद समझता हूं
क्यूं कि मैं तो गृहस्थ जीवनसे भी उदासीन
हूं अपनेही परिवारको बडी मुश्किलसे
संभाल पाता हूं // अत्यन्त प्रसन्न हूं

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पता लिखे नहि आपका श्रीमुख कृपाल

पु: चाची बुआ जी से मेरा चरण
स्पर्श कहना भगवत प्रभु हुआ सचिन
अमित का चरण छूना आप सब का
स्वीकार हो चि: धर्मेश्वर कुमार
को स्नेह कोई काम मेरे लायक
हो तो लिखना। कृपा पत्र देना जी

त्रिवेनी

पोस्ट कार्ड POST CARD
जवाबी REPLY
केवल पता ADDRESS ONLY

श्री गणेश दत्त मिश्र
बाजार चौबेपुरा
स्थान अटवा [illegible]

पिन PIN

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री

२८।१०।१९५८

सदैव स्मरणीय गुरुदेव सादर
चरण स्पर्श पहुँचे पर सब कुशल
पूर्वक है आशा करता आप सब
भी सकुशल होंगे कृपा पत्र आपका
मिला उत्तर देने में देर होगई
उसके लिये क्षमा करना आशा
है आपकी तबियत ठीक चल
रही होगी और सब उधर कने भी
ठीक होंगे अब आपका देहली आने
का क्या प्रोग्राम है बहुत दिन
होगये कब दर्शनों से [illegible]
पत्र आया था सब ठीक है श्री: [illegible]
सावित्री ठीक है [illegible] चन्द्र [illegible]
का हाल वैसा ही चल रहा है [illegible]
CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri
[illegible]
मेरा चरण स्पर्श कहियेगा [illegible]

बंधराजा के पश्चात आकर
दर्शन करूंगा यदि जयपुर [illegible]ने
का निश्चय हो तो पहुंचने आने
में जयपुर निकट पड़ता है बिना
छुट्टी लिये का त्यौहार की छुट्टी से
ही आना आसान होगा। यहां के
समाचार [illegible] लिख पत्र दें।
माताजी आदि सब को [illegible]
कृपाकांक्षी [illegible] राम[illegible]

पोस्ट कार्ड POST CARD

केवल पता ADDRESS ONLY

राजगुरु श्री गोविन्दजी मिश्र

श्री कुआं [illegible]

[illegible]पुर

पिन PIN

भारत INDIA 15 P.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री:। कालाडेरा

सेवामें: दि. ११-५-७६

पूज्यपाद श्रद्धेय श्री पण्डितजी
चरणकमलोंमें सादर प्रणाम

सर्वत्राशीर्वमस्तु। कृपा पत्र तो मार्च के आरम्भिक दिनों में ही प्राप्त हो गया था और पूज्यपाद श्री श्री महाराज के जयपुर पधारते के समाचार भी उसमें थे पर ... दि. २१ मार्च तक तो जयपुर नहीं पधारे थे ... श्री ... के मकानपर दो बार जाकर ज्ञात करके आया। भरतपुर विराज रहे हों तो चरणारविन्दोंमें साष्टाङ्ग दण्डवत प्रणाम ...

आजकल छुट्टियाँ नहीं मिल रही हैं काम भी विशेष नहीं है इसीसे थोड़ी अड़चन है अन्यथा भरतपुर आकर दर्शन करता ...

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

...रामने का ... ...

भारत INDIA 15 पै.

पोस्ट कार्ड POST CARD

साथ का कार्ड जवाब के लिए THE ANNEXED CARD IS FOR THE REPLY

केवल पता ADDRESS ONLY

KALKA

NALAGARH

पिन PIN

और यह पत्र जो देना हो [illegible]

आदि जब [illegible] आना हो तो कुछ पत्र अवश्य

लिखें / मैं प्रायः [illegible]

ग्राम अजोवाल डा० आदमपुर

जिला होशियारपुर में रहता हूं / आप

हमारे स्थान को पवित्र अवश्य करें

यह मेरी प्रार्थना है ।

पं० हरिरामजी को नमस्कार और [illegible]

[illegible] आपका [illegible]

[illegible] कालोनी

जिला [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ओ३म्　　　　　　　　　　　　　　　　कालका

16-5-77

परम आदरणीय पूज्य गुरुजी

सादर चरण वन्दना।

आप की आज्ञानुसार श्रीहरिकृष्ण जी को मिलने गया था पर वह घर पर नहीं थे वे कोरिया गए हुए थे उनके घर के भी बाजार गए हुए थे वह कोठी की जिसमें पहले रहते थे आया था वह घर पर थी मैंने उस से कहा कि आप ने मकान दे दिया [illegible] पर मन ना माना अवश्य दे दिया। किन्तु जी ने उस लिए पत्र नहीं लिखा कि हम लोग दो मास के लिए बाहर जा रहे हैं जब वापिस आवेंगे तब पत्र लिखेंगे वैसे पत्र लिखने [illegible] अब तक वैसे ही नहीं लिख सका आशा है कि इस का पत्र आप को आया होगा

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible] / [illegible] आप को जोगिन्दर जी [illegible]

आर्य का दास
वैद्य उमराव -11 ?
कालका

घर का पता
वैद्य उ० कार्तिनाथ उर्फ वैद्य
ग्राम अजौवाल डा० आदमवाल
जिला होशियारपुर

◆ चूहों, कीड़ों और सीलन से अपने अनाज की रक्षा कीजिये

15 भारत INDIA



सेवा में
पूज्य गुरुजी
द्वारा पं० हरिराम शर्मा
रिटायर से० रि० नालागढ़
हिमाचल प्रदेश

पिन PIN

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ

कालका

२-५-७६

प्रातः स्मरणीय पूज्य गुरुजी सादर चरणवन्दना।

आप की आज्ञानुसार मैं श्री [illegible] जी को मिलने गया था वह दिल्ली गए हुए हैं और उनकी [illegible] मिली गई हुई है और उन की [illegible] के विवाह पर गए हैं उन्होंने [illegible] पर भी उन्हें आपका [illegible] दिया है और यह भी कह दिया है कि मुझ [illegible] नालागढ़ में है [illegible] आप भी २ महीने तक नालागढ़ में [illegible] विवाह से आजाएं तो उन्हें कह देना और श्री हरि राम जी का पता दे दिया था कि इस पते पर पत्र डाल देना। और उन का पत्र आजाए तो आप मुझे सूचित करदें मैं आप को नालागढ़ से आकर ले आऊं गा। और मेरे योग्य सेवा हो सूचित करें। और सब को यथायोग्य प्रणाम

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

... लिए बड़ा उत्सुक है। ... सेवा निवास जी
को खबर करदी है शेष कल मुझे
सीता राम जी के पास ... जाएगा।
मैं आपसे कर यह प्रार्थना करता हूँ कि
अपने जन्म दिन पर नम्र प्रणाम मेरा
स्वीकार करने की कृपा करें। और निवास
के दूसरे सज्जनों को आपके आगमन की
सूचना कर रहा हूँ। सब बच्चे और शकुन्तला
अपना प्रणाम भेजते हैं। आपका आज्ञाकारी
राम चंद

और आर्य प्रकाश जी को भी नमस्कार।

सेवा में
श्रीमान महाशय जी
मास्टर ओम प्रकाश शर्मा
V & P.O. सुखाना
Distt. रूप नगर
Roop Nagar
पिन PIN

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री:

दि. 18.6.7[illegible]

प्रातः स्मरणीय एवं परम पूजनीय
गुरुदेव महाराज सादर वन्दे।

सेवा में निवेदन है कि यहाँ सर्व
प्रकार आपकी कृपा से कुशल है।
आपका पत्र पाकर अति प्रसन्नता हुई।
मुझे काफी दिनों से चिन्ता थी कि
आप कहाँ है क्यों कि कोई सूचना
आपके पते की नहीं मिली थी। यह
परम सौभाग्य है कि आप गुरु पूर्णिमा
पर दिल्ली पधार रहे हैं। इस समय
माता जी भी दिल्ली हैं परन्तु वह कल
गाँव जारही है। मेरा छोटा भाई जो गाँव
के था उसको लेकर आई थी क्योंकि
वह बीमार है। उसका सफदर जंग में
इलाज चल रहा है। अब काफी आराम है।
गीता और हरेन्द्र का परीक्षा फल
आना है। शेष सबका आगया है।
अनीता और छोटे मृगांकेश ने दसवीं

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible] परीक्षा दी। और ईश्वर के
आपकी कृपा है और आपके दर्शनों के

पोस्ट कार्ड
POST CARD
यह कार्ड जवाब के लिए
THE ATTACHED CARD IS INTENDED FOR THE REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
भारत
६ न.पै.

श्री जी महाराज
C/o राजकुमार अग्रवाल
G 5 ~~39 श्री निवासपुरी~~
New Delhi
नई दिल्ली

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री आनन्द
८-८-६७

प्रिय हरिहरजी

श्री.जी.

कैलाश

गाड़ी चरखा स्वरूप

आपनी है जय आनन्द

पधारे स्वरूप इसमें

देखो श्री कृष्ण को।

लता रूप के उत्सव

देखे हुए श्री कृष्णलीला

जोशी

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
भारत
6 nP

श्री जी महाराज

हिन्दुस्तान हाउसिंग फैक्ट्री

कमरा नं. 33 ली

नई दिल्ली
New Delhi

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री

भरतपुर
४-८-६७

परम आदरणीय
श्री जी

सेवा में
सादर-चरण स्पर्श

सेवा में प्रार्थना है कि जब
भी भरतपुर पधारें दर्शन देवें
की अनुकम्पा रहे -
कुशलता की कामना
देवें की कृपा बनी रहे
[illegible] जो सब कुशल है।

प्रणाम
[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
10 P.
INDIA
10 पै.

Ashok Aanand

F 183 Mansarowar Garden

Near Ramesh Nagar

DELHI

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

भरतपुर ६-९-१५८५८.

अनन्त श्री श्री जी के पद पादुकाओं में दासानुदास के अरब खरब साष्टांग दण्डवत प्रणाम स्वीकृत हो। मैं फरीदाबाद कार्य कर दूसरे दिन दिल्ली चला गया पर संयोग वश पूरा रखने पर कार्य कुछ भी नहीं हुआ और शनिवार की रात की गाडी से भरतपुर वापिस आ गया। पुनः बुधवार को कार द्वारा दिल्ली ६ बजे पहुंचा और रात की गाडी से वापिस आ गया। मेरे योग्य कार्य सेवा जो भी हो सो लिखने का कष्ट करें। त्रुटियों को क्षमा करते रहियेगा।

दासानुदास
लक्ष्मीचन्द गुप्ता.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

my blessed mother 38 Kala
Samposvan Jagdamba the
all pervading Gyatri in
English. This is being
will be published as
"Prash Ram Parkasham"!
Please inform my this
talent to Guruji to give me
the blessings & showers of
patrons.
I am in the feet of my Guru
Nihy a Nand CoRD
Pandey ...
New Delhi. Pure

POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए है
THE ATTACHED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP
भारत
६ नये

To.
Raj Pandit Shri Govind Misra
Chau Burji (Sri Swadhay Sadan)
Bharat Pur
(Rajasthan)
राजस्थान

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

Shri

Dear respected Gobind Ji. Jai Shankar.

Received your letter some two days back. We have today received a reply card from Shri Janki Nath Sharma, Chief Editor Gita Press in regard to the birth place of Bhagwan Shri Parash Ram in response to our query:—

Reply

(a) Jamnia Distt Gazipur

(b) Madhya Pradesh – Jamdagni Ashram.

In addition to the above he has also directed us to refer to the "TIRATH ANK". Please expedite this at your place.

2. Shri Pandy Ji is trying to write the most difficult work, which can only be easy by patronage of Swamiji to whom we all send our best reverences & high esteems.

3. [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

also taken a step to write on

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत INDIA 10 P.

परमादरणीय आचार्य अमृतवाग्भवजी महाराज,
द्वारा पं. जटाशंकर चन्द्रशेखर शास्त्री
मु. पो. सोहाना (चण्डीगढ़ के पास)
तहसील खरड.
जिला : रोपड़ (हरियाणा)

हे नाउंराम!
आपको आपके शुभ जन्मदिवस की सांध्य वेला पर, मैं आपको अभिनन्दन कोटि कोटि एवं परम सात्विक कामनाएँ आपको भेजता हूँ। कह नहीं सकता कि मैं सोहाना आ सकूँ या नहीं। आपके दर्शन सराय काले खाँ में यहाँ आने पर करूँगा।
त्रुटियों के लिये क्षमा।

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

सैक्टर ३/८७५
रामकृष्णपुरम्।
नई दिल्ली-22
१२ जूलाई, १९७२

परमादरणीय महाराज जी
सादरप्रणाम।

आपका कृपापत्र ६ जूलाई को मिला एवं समाचार ज्ञात हुआ। ७ जूलाई को ही मुझे अलीगढ़ जाना पड़ा एवं १० ता. को लौटा तभी से अस्वस्थ हूँ। मुझे खेद है कि मई मास में आपके द्वारा प्रयत्न करने पर भी आपके दर्शन न कर सका। विधिवत् सूचना न मिलना ही इसका कारण है। आपके कथनानुसार रामसिंह जी को आपका पत्र दिया है तथा पाण्डे जी को पत्र लिखा है, क्योंकि वे बाहर गये हैं। आज शेष सज्जनों को कलसूचित करवा दूंगा। और ही रामसिंह जी शर्मा जी को वहाँ था पर वे जाते समय भूल से मेरे पास नहीं आये [illegible] एक अतिसार है आशा है शीघ्र ही ठीक

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

और आपकी दया दृष्टि के सदा ही
सारा जीवन है। आपका दिल्ली
आगमन गुरुपूर्णिमा पर हम सबको
नव जीवन देगा। उसकी प्रतीक्षा
में हैं। आपके शीघ्र दर्शन पाकर
जीवन सफल होगा। घर में सब कुशल
ठीक हैं। आपके आशीर्वाद की इच्छुक
आपके चरणों में शत शत साष्टांग
प्रणाम - आपका सेवक - [illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS FOR THE REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

सेवा में,
श्रीयुत श्री महाराज जी
c/o Shri Jata Shankar
[illegible]
SOHANA
Distt. Ropar
Punjab

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ शिव.

दिल्ली
ता. 13.7.72

श्रीमान आदरणीय परम पूजनीय
श्री महाराज जी सादर प्रणाम।
आपकी कृपा से यहाँ सब
कुशल पूर्वक हैं और आशा है आप
भी सकुशल तथा स्वस्थ होंगे।
मैं कुल्हा से गाँव से अभी आया हूँ।
श्री ब्रह्मदत्त जी ने आपका पत्र
सुनाया। पत्र पढ़कर हृदय को
बहुत आनन्द हुआ। आपके 20 जुलाई जन्म
दिवस पर हम आपके पवित्र
चरणों में अपना प्रणाम भेजते
हैं। मैं इस शुभ अवसर पर अवश्य
उपस्थित होता परन्तु मजबूरीवश
आने में असमर्थ हूँ। प्रार्थना है
आप क्षमा करेंगे। और मेरा हार्दिक
CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri
प्रणाम अपने चरणों में स्वीकार
करेंगे। आपकी याद सदा रहती है

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE
5 nP INDIA ५ न.पै.

Sh. vaidya Brihaspati Dev
Trigunā

आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
Bhogal Road
P.O. Jangpura
New-Delhi 14

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ श्री: ॥ [illegible]
दि 25.5.63

परमादरणीय श्री [illegible] जी महाराज

सप्रेम - नमस्कार

बहुत दिनों से आपका कोई कुशलपत्र नहीं आया। इसका क्या कारण है? तीन चार दिन हुए चि. मदनलाल का पत्र आया था उसने लिखा था कि श्री 1008 स्वामी जी का सन्देश मिला है - आपको दिल्ली मिलने को बुलाया है, सो कई एक कारणों से [illegible] होने से मैं तत्काल नहीं आ सका, क्षमा प्रार्थी हूं। मैं प्रयत्न कर रहा हूं कि शीघ्र ही आप लोगों के दर्शन करूं। आगामी सोमवार या मंगलवार को आऊंगा सो आप उन्हें यह सन्देश प्रार्थना सहित पहुंचा देना, साथ ही सादर प्रणाम। आशा है आप सपरिवार कुशल पूर्वक होंगे? बच्चों के परीक्षा परिणाम तो निकल आये होंगे? उनके परिणामों का शुभ सन्देश सुनाने की कृपा करना। क्या आयुष्मती सीता रानी का विवाह निकट भविष्य में ही देने का विचार है? लड़के वालों से स्वीकृति कब तक के लिए मिली है? आयुष्मान नरेन्द्र कुमार एवं देवेन्द्र कुमार एवं आयुष्मती मधुबाला, सीतारानी एवं Puppy को सस्नेह - शुभाशीर्वाद। सभी प्रेमियों को सप्रेम नमस्कार, कुशल पत्र देते रहने की कृपा करें।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आपका - [illegible]

पोस्ट कार्ड

केवल पता



नाम बाबू रामस्वरूप जी गोयल

पता G 52 दिलशाद गार्डन कालोनी

डाकखाना शाहदरा (देहली)

ज़िला

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री-

चि- आयारामस्वरूप - प्रसन्न रहो

मैं केथ दीग गया था जिस लड़के को देखना था देखतो आया और व्योहार भी तैयार है किंतु लड़का मेरे पसंद नहीं आया मुंह पर निशान हैं और रनो में गड्ढे हैं। और भी लड़के दीग में देखे किंतु किसी के विचार ऊंचे थे किसी के लड़का पसंद नहीं आया मेरा विचार ये भी होगया कि अब दीग तक आये हो तो नगर भी एक लड़का मालूम हुआ उसे भी देखते चलो नगर पहुंचा। लड़का खूबसूरत तो नजर है किंतु स्वास्थ्य मोगी हुआ है चेहरा तथा पैर आदि में हड्डियां निकल रही थी इस [illegible] वह भी चित्त में नहीं जंचा। अब दो लड़के खैरथी स्टेशन मालूम हुए हैं वहां भी १,२ दिन में जारहा हूं। हर एक की निगाह ऊंची है इसलिये लड़के मिल नहीं रहे हैं जाने कृष्णा के भाग्य में क्या बदा है।

पंडित जी ने तीन जमाने के दो मुहूर्त ता- ११ २/५५, १३ २/५५ के बताये हैं और रिघरोहा में विवाह २४ २/५५ का है जैसा तुम्हारा विचार हो देखना और कोई मुहूर्त नहीं बनता।

मेरे आने का भी मुहूर्त बसंत पंचमी के लिये ठीक नहीं बनता साधारण सा मुहूर्त ता- २६ १/५५ की शाम की गाडी से बताया है और २८ १/५५ की बसंत पंचमी है। कृष्णा को मुझे अवश्य पहुंचाना है यदि तुम्हारा मुहूर्त फिर [illegible] ५५ का है [illegible] जाना पड़ेगा।

प्रत्युत्तर शीघ्र देना।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

POST CARD

REPLY.

ADDRESS ONLY



रघुनाथ चन्द्र कालिख

घी/1 गवर्नमेण्ट क्वार्टर्स

सहारनपुर रोड.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्रीः हरिओमाश्रमतो [illegible]

२४/४/५३

श्रीमन्तः शास्त्रिमहोदयाः,

सादरं नमस्कारः ।

भवत्कृपापत्रं [illegible] कुशलम् ।
अत्रापि कुशलं श्रीमातुः कृपया ।
[illegible] वृत्तेन भवत्सकाशम्
[illegible] कठोरं सह [illegible]
विज्ञापयामि यतो [illegible]
अवश्यमेव [illegible] कुर्वन्तु ।
तेषां कृते [illegible] प्रबन्धो भविष्यत्येव ।
पत्रोत्तरे मनाक् विलम्बः संजातः केनचि-
त्कारणेन भवता मनसि [illegible] न नेयम् ।
ते महोदयाः [illegible] इति
पूर्वं स्वीकरणीयम् ।

अस्माकं विदुषो भवतः शुभा-
शीर्वादान् प्रेषयामि ।

अस्माकं मङ्गलम् ।

भवदीयः

[illegible] (शास्त्री)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

POSTAGE INDIA 5 N.P.

पोस्ट कार्ड

साथ का कार्ड जवाब के लिए

केवल पता

Shri Kamal ...

Nibhar ...

Chandausi ...

Bharat Pur

(Rajasthan)

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

कालना ६ ?

26 7 58

श्री पूज्य गोविन्द जी

सादर प्रणाम कृपा पत्र
आज प्राप्त हुआ जिसके लिये
धन्यवाद

अभी तक कोई हुकम
तबादले का नहीं ऐसा
है आशा है अगले आठ
दस रोज में पता लगेगा
श्री चन्द पटियाला कालिज
में दाखिल हो गया है
13 अगस्त से कालिज
लगेगा सो यह बढ़िया है
जायगा हां प्रसन्नता है मेरा

करूंगा और नहीं लिखूंगा। शेष कुशल

माजी को प्रणाम सबको यथा योग्य

आपका

शान्ति

पोस्ट कार्ड

केवल पता

Pt. Govind Dutt Misra

Chaubeji

Bharatpur

BHARATPUR

AGRA FORT R.M.S.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आगरा
४·२-५८

पूज्य श्री जाजू जी साहब सादर प्रणाम्

अनेकशः नमस्कार।

आपका कृपा पत्र कल मिला।
सब कुशल है। मैं भरतपुर
दही वाली गली गया था
सर्वोदय संस्कार से पूर्व।
परन्तु मुझे यह भी आदेश
दिया गया था कि मैं चौबुर्जी
न जाऊँ। अतः आपके
दर्शन न कर सका।

मैं अब गाँव जाऊँगा
तब बसंती की [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

यहाँ हाईकोर्ट खुलते २२
२३ तारीख को पारहे है
काम देखेंगे श्री चरणों की
कृपा से ही सफलता मिलेगी
नितरोज आशीर्वाद प्रदान करें
और सब कुशल है
आपका शीघ्र दर्शन होंगे
चरण सेवक
... राम शर्मा

पोस्ट कार्ड

केवल पता

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

१३० करनाल

परम पूज्य श्री चरणों में

दास का सादर प्रणाम।

कृपा पत्र पाकर प्रसन्नता सन्तोष तथा खुशी हुई कि आशा है कानपुरी [illegible] चरणों में पधार जाये होंगे और उनका स्वास्थ्य अब ठीक होगा। उनको मेरी दण्डवत्जी की कृपा देवें मेरे तबादले को अभी उत्तर नहीं आया आशा है थोड़े दिनों तक फैसला हो जायेगा। यहाँ के पटियाला दायरे को भी अभी फैसला नहीं [illegible] दाखिल होता है आनंद

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

To

डा० एस.एन. तिक्कू

रामनारायण आयुर्वेदिक हास्पीटल

कृष्ण जन्म भूमि सेवा संघ

मथुरा यू.पी.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पूज्य गुरुजी

HATHRAS
2.4.70

चरणस्पर्श

यहाँ पर सब राजी खुशी है आशा करता हूँ कि आप भी राजी खुशी होंगे आगे पता आपका मिला भजन की पावनता इस पिताजी दिल्ली गये हुए हैं। जब आ जायेंगे तो उनको मैं मथुरा भेज दूंगा! मैंने आपकी दुकान हाथरस ही में खोल ली है व उनकी जी काम-काज है। मैं सब कुशल हूँ। काजों मैं बहुत उर काम नहीं करता। बाकी सब ठीक है।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आपका
[illegible]
Dinesh [illegible]

काकाजी भी नहीं मिले हैं चिन्ता उन्होंने

मुझे पर रक्खा है ज्यादा क्या लिखूं आपको

सब बातों को मालूम है आपका विचार

कब तक आने का है सो लिखने की कृपा

करना जी। और सबों को जयशंकर मालूम हो

श्री मिश्रा पण्डित जी को रामजी

का सादर प्रणाम। मुझे १११) मा-

ल भेजी थी प्राप्त हुआ था। श्री बाबा महाराज को

सादर जयशङ्कर।

आपका
नन्दराम

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्रीरामजी

ता २०२५-१२-६०

श्री गुरुजी महाराज के चरणों में जयशंकर.

सर्वतः कुशलमस्तु आपके यहाँ मकान पर

माजी बच्चे सब कुशल पूर्वक हैं बालकिशनजी

का स्वास्थ्य अभी ठीक नहीं बताया मैं ता.२३

को रुद्रावल की लैने जारहा था गाडी केरोल

लेकर वापिस जब रुद्रावल जा रही थी

रूक सुचानक से नुकसान होगया गाडी केरोल

पम्प पर ३ दिन खडी रही सामान आगरे से

मंगवाकर ठीक किया है आज नम्बर पर

सायंकाल को जायगी मेरा चित्त कुछ

घर की क्लेशों से व मोटर के नुकसान

से दुखी हो रहा है इसी वजह से पत्र

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

डालने में देरी होगई ...

करनाजी।

छोटा लड़का भी मतो ठीक ही हैं श्री चरणों की
कृपा हैं बड़ा लड़का भी पाठशाला से बड़े दिनों की
छुट्टियों में घर आया हुआ हैं यह दोनो भी श्री चरणोंमे हैं
पूज्य पं-जी तथा भाई उत्सुक हैं हवीप प्रफुल्ल
भी आपके अहोभाग्य है श्री चरणोंमे समय लगा
रहे हैं धन्य आपका जीवन धन्य आपकी कृति को
जैन साध्वं भरत पर पहुंच गए हैं परन्तु क्या कहूं
उन्हके भाग्य की पांच नार रूई का बाजार ऊंचे
निचे आया अनेको बार लिखा लेकिन वह कोई बकते
ही नहीं कि ६१• से उपर देने चे ५=५ इत्यादि सर्व दिन

पोस्ट कार्ड
POST CARD
उत्तर कार्ड जवाब के लिए
THIS HALF OF CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

5 nP INDIA

श्री गोविन्द जी मीरा
C/o वैद्य हरदयाल देव (डिप्लोमा)
सोजतरोड पो. जोधपुर
देहली नं. ४६

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

२८-१२-६.

श्री पूज्यपाद अनन्त श्री चरणोंमें

अकिंचनकी कोटिशः प्रणाम

श्री गोविन्दजी का लिखा पत्र मिला समाचार जाना मैं २८के बाद दर्शनार्थ आनेका विचार कररहाथा स्टेशनभी देखआया परन्तु मैं अब इस म्युनस्पैलटी इलैक्सनमें इतना उलझगयाहूं कि कहे नही बनता बेशक मैने न्यायका आश्रय लिया है अन्यायको सहनही सका परन्तु असलमें यह विनाश ही है अतः २ जनवरी तक तो बहुतही उलझने हैं मैं २ जनवरीके बाद १ दिन अपने वार्ड में केवल एक बार वोटरोंके पास जाऊंगा कि आप इनमेसे जीसको योग्य समझते हैं वोटदें ५ जनवरीके बाद श्री चरणोमें पधारूंगा लेकिन हृदयमें श्री चरणोके बारे [illegible] रहता है इसके स्वास्थ्यसे पत्रपात करवा तेरहें ताकि मनको शान्ती रहे

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible] से मजे है श्री जी [illegible] जी [illegible]

[illegible] हूँ। तथा [illegible] के लिये

[illegible] हमारी आप [illegible]

[illegible]

हमारा [illegible] जाती है आप के जाने से दो [illegible]

[illegible] एक [illegible] से [illegible] के

[illegible] होगा। आपका पत्र [illegible]

पर श्री [illegible] जी के [illegible] ही [illegible] आज

श्री [illegible] जी [illegible] आपको [illegible]

[illegible] श्री [illegible] जी [illegible] आये है

श्री [illegible] २०० [illegible] श्री [illegible] जी को पुन: [illegible]

[illegible]

श्री [illegible] जी के [illegible] के लिये [illegible] हु

पोस्ट कार्ड

केवल पता

NEW DELHI

INDIA POSTAGE 5 N.P.

श्री [illegible]

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible] [illegible]

लेवट [illegible]

श्रीमान

परम महान आदरणीय ऐवं पूज्यनीय श्रीमान
श्री १००८ श्री बाबा जी श्री महाराज के श्री
चरण रज को कोटानुकोट बार हमारे सब
के माथे पर शोभायमान हो तथा श्रीमान पूज्य
नीय ऐवं आदरणीय श्री परमात्म
स्वरुप श्री बाबा जी के चरण कमलों मे
कोटानुकोट बार (दण्डवत) अर्ज है। सेवा: कु-
शलमस्तु। आपका आसीर्वाद पत्र
द्वारा आपके निवास स्थान से सि. लखन
जी द्वारा कल प्राप्त हुआ तथा आज
मै आपको पत्र लिखने वाला था की पुनः आ-
ज मुझे आपका पत्र करीब १ घंटे पूर्व प्राप्त
हुआ तथा आपका आसीर्वाद का
ज्ञान से हृदय को अपार आनन्द प्राप्त हुआ
श्री बाबा जी इसलिये [illegible]

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

की रज के अनोखी हर जगह मन्जूर है आपके
पत्र के लेख आदेशो का पालन होगा

अत: असमंजसमें होनेके कारण आपको
विशेष बातें न लिखकर पत्र दे रहा हूँ
उड़दका भाव इस समय देहलीमें 14
15) के भावके चल रहे हैं यदि इस
समयमें खरीद करलें 4-5) की तेजी
आनेका विश्वास है

पोस्टकार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

२५-१२-६०

श्री पूज्य चरणोंमें पंचानन जी
कौशिश प्रणाम

श्री गोविन्द जी ने देहली से पत्र तो लिखा
कि श्री चरणों में आपके पत्र समर्पित करदिये थे
थे लेकिन वह खोगयाहै अतः आप मेरे
को जो चार्ट भेजाथा वह भी पुनः लिखें
उसके बारेमें तो यदि कहतोहै कि फौरन
खरीद करलें बाद निर्णय करवाते रहें

नं २ श्री चरणों को बड़ा बुखार की व्याधि की
आशंकाहीहै अथवा निर्णय करा लिया
गयाहै तो इस समय क्या उपचार
चलरहाहै शीघ्र उत्तरदें मैं इस
पत्रको किसपतेपर भेजूं इसकी चिंता हो
रहीहै क्यों की श्री गो[illegible] नहीं

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

लिखाकेवल देहली में १४ अब मैं क्या लिखें

ADDRESS

Walaiti Ram ji

86 Ashok Nagar

Agra.

पोस्ट कार्ड

POST CARD

जवाबी

REPLY

केवल पता

ADDRESS ONLY

भारत

10 P

INDIA

"श्री जी" ५०

श्री कस्तूरिलाल जी आनन्द

आनन्द भवन C.3 N.H.5

पो. फरीदाबाद टाऊनशिप

(HARYANA)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री हरिः   आगरा.

परमपूज्य आचार्य चरणजी

सादर प्रणाम।

श्री गोविन्द जी से भरतपुर में पत्रव्यवहार करने से ज्ञात हुआ कि आप को स्कूटर की दुर्घटना में घुटने के नीचे घाव होगया है। पढ़कर चिन्ता हुई। प्रभु से करबद्ध प्रार्थना है कि वह आपको शीघ्र ही स्वस्थ करें। हमारे योग्य कोई सेवा हो वे तो लिखें। श्री कस्तूरीलाल जी को जय शङ्कर। स्वास्थ्य लाभ हो जाने पर यथा सुविधानुसार दर्शन देने की कृपा करें।

निवेदक

जगनसहाय खन्ना।

किले तिराहा

आगरा।

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

प्रे॰ पता

अमर नाथ शास्त्री
काश्मीरी
87.B. हस्तिनापुर
जिला मेरठ

POST CARD
REPLY.
ADDRESS ONLY

POSTAGE
TRIMURTI
9 PS
INDIA

Shri N.R. Sharma
P.S.C.

Sub judge 1st class
Court No XIV Delhi

P.O. Delhi

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ओ३म्

हस्तिनापुर
25/1/55

सेवा में

श्रीमान जज साहब जी

मान्यवर महोदय नमस्कार

अत्र कुशलम् तत्रास्तु।

मैं जब से दिल्ली से वापिस हुआ हूं श्री स्वामी जी से मिलने की बड़ी अभिलाषा है श्री स्वामी जी आशा है कि देहली आ गये होंगे यदि सही आ गये हैं तो कृपा करके पत्र द्वारा सूचित कीजियेगा कि श्री स्वामी जी इस समय पर कहाँ हैं उनका पूरा पता दिया जाय तो कृपा होगी यदि देहली से आ गये हैं वो भी पत्र द्वारा मुझे मालूम हो जाना चाहिये यह इजाजत देना यदि आप चाहें तो इनके प्रोग्राम के अनुसार ही लिखना कि कब आ रहे हैं। [illegible] श्रीयुत के शीघ्र श्री स्वामी जी के दर्शन [illegible] [illegible] [illegible] आपको [illegible]

श्री स्वामी जी को करबद्ध नमस्कार कहि दीजिये

आपका शुभचिन्तक

अमर नाथ यादव
[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

(मेरठ)

5

जालंधर
12-9-82

पू. अनन्त श्री विभूतियांत श्री जी

जय गुरु

सुप्रभात पूर्वक हम दोनो पहुंच गए थे. दूसरे दिन 12 बजे यहां पहुंचा था। रात को गाड़ी 10.45 वाली मिली थी. पं सन्तराम जी ने नंगल या रोपड़ घर वालों को दिखाने का निर्णय किया है. जालंधर उस ने नहीं आना है. उस ने पत्र भी आप को दिया होगा।

आप मुझे सूचना दें कि अब स्वास्थ्य कैसा है. और अगर कोई नया प्रोग्राम है। तो भी सूचित करें। हम लोग आप का स्वास्थ्य सदैव चाहते हैं और

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड POST CARD

साथ का कार्ड जवाब के लिए है

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE REPLY

केवल पता ADDRESS ONLY

New Delhi 14

लिए जो सेवा हम लोगों के योग्य
हो लिख दिया करें। चार नाली
मेरे पीछे से काफी बिमार रही
अब कुछ ठीक है. डाकटर की दवाई
ली है. बटुक गण को जय शङ्कर.
ऊषा रक्षा को जय शङ्कर. लीलावती
को जय शङ्कर. श्री वरकप्रती जी तथा
वैद्य जी को जय शङ्कर. पं रामरत्न
और सब गंगा को जय शङ्कर।
उत्तर शिघ्र मिले तो कृपा होगी हरि

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आशीर्वाद और प्रार्थना है प्रभु चरणों
में रहने की कृपा करें जिससे
आपके चरण दर्शन कर सकूँ।
मेरा भाई साहब ठाकुर साहब को
नमस्ते। बच्चों को प्यार।
इति।
आपका चरणानुरागी
[illegible]

जवाबी
REPLY

15
भारत
INDIA

To
Hon. Shri Maharaj ji
C/o Th. Sita Ram ji
B. 66 Ranak Pura
(Moti Bagh II)
NEW DELHI

पिन PIN

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ श्री:

नेपाल गंज
नेपाल
ता: 7.3.80.

परम पूजनीय गुरूदेव महाराज जी
सादर वन्दे.

सेवा में निवेदन है कि परमेश्वर तथा आपके चरणों की कृपा से मैं कुशल हूँ। आशा है आप भी कृपा से होंगे। कल हम नये स्टेशन को पहाड़ों पर है जा रहे हैं वहाँ 23.3.80 तक रहेंगे और 24.3.80 को लखनऊ के लिये प्रस्थान करना है और 26.3.80 [illegible] 7.30 बजे नई दिल्ली स्टेशन पर लखनऊ की गाड़ी से पहुँचेगें।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

CHANDIGARH
2 MCH
3 PM
1970

पोस्ट
POST

INDIA

Mahatma Shri ... ji,

C/o
Shri. K. L. Anand
Anand Bhawan,
C. 3 N. H. 5
FARIDABAD - Township
P.O. FARIDABAD Township.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

C-I Model House Colony
Jullundur City. 1/3/70

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible]

हो तो हमारा प्रणाम कहना उन
श्री [illegible] लिखना । पत्र
[illegible]
पोस्ट, निवास लिखना ।

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARDS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्री · प्रभाकर बलजीनाथजी
पो॰ · [illegible]
[illegible]

BOMBAY-2

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री

अजमेर
२६-८-५२

श्रीमान आदरणीय प्रोफेसर सा०
श्री. नलिनीनाथ जी नाहटा

बहुत समय से पत्र नहीं सो देने की
कृपा करना। हम आजकल
इनका अवल्या के पत्र रहे हैं
इन्जेक्शन - गोली - वोरा
ले रहा हूँ - श्री गुरु महाराज के दिन
बीन डरे में - आप अपने पास
का भी नम्बा अपनी कुशलता
लिखना। - श्री. पूज्य का
पायदेव

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री पाण्डे सेठ जी द्वारे समर्पितवाल
नारायण स्मरण करें वासुदेव।
आपका
अवधूतेन्द्र [illegible] स्वामी।

श्री गोपालकृष्ण जी द्वारा ओं नमोनारायण

साधन ग्रन्थ मंडलि -
तेनालि - गुंटूर जिला
(आन्ध्र)

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
10 P.
INDIA

KAV[illegible]ARAM

SRI SRI SRI
A[illegible]ita Vagbhavacharyaji
1183 Farguson [illegible] Rd
Shivaji[illegible]
Poona 5

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

[illegible] हरनाम में।

શ્રી શ્રી શ્રી अमृत વામનાચાર્ય જી
के ચરણકમલોંમેં ओं નમોનારાયણ
પ્રણામ। ઉસદિન રાતકો हैदराबाद से
સીધા યહાં પર આગયે हैं।

યહાં પર ગરમી बहुत है
પિછલે પરસોં સિકિન્દરાબાદ હનુમાન
ચાલીસા [illegible] કે લિયે જાઊંગા

દયાનિધાન કૃપા રખિયેગા।
[illegible], વાસુદેવ, મહાનુભાવ વિઠ્ઠલ
[illegible] [illegible] .... નિત્તનમન
[illegible] ગુરુ શિવ.

મેરે સાથમે રમણાબાઈ મહાત્મા
આયે થે - ઉનકે બહિન કે યહાં આજ
અખંડ હરિનામ સંકીર્તન ૧ દિન કા
[illegible] [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

दिल्ली के लिए रवाना हो गये हैं।

मेरे भरतपुर प्रवास में आपने हमारी जो अभ्यर्थना की है उसके लिए आपका एवं परिवार के अन्य सदस्यों का अत्यन्त आभारी हूँ। आपकी सौजन्यता एवं प्रेम स्तुत्य है। पूज्य-पाद श्रीमद् आचार्य जी महाराज से मेरा अनन्य प्रणाम निवेदन करें। उनके प्रति मैंने जो कटु शब्दों का प्रयोग किया है उसका मुझे हार्दिक दुःख है। मुझे यह विश्वास है कि बाबा मुझे अवश्य क्षमा करेंगे।

श्रीयुत गोविन्द जी मिश्र

ज्योतिषी - चौबुर्जा

भरतपुर

राजस्थान

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible] ॐ

शाहपुरा
८-१२-५६

पूज्य पंडितजी महाराज

सादर चरणस्पर्श

अत्र कुशलं तत्रास्तु।

अग्र वृत्तान्त यह है कि आपसे अलग होकर मैं जयपुर, अजमेर एवं पुष्कर होता हुआ शाहपुरा पहुँचा। कई ज्ञातव्य बातें प्रतीत हुई किन्तु सामयिक लाभ-विहीन। शाहपुरा आने पर यह जानकर आश्चर्य हुआ कि पूज्य जीजा-साहब भवानीशंकर जी शाहपुरा में ही उपस्थित थे। वे भरतपुर से पुनः दिल्ली पहुँचे और वहाँ ढूँढने पर भाई साहब सत्य जी को उन्होंने 'देहली होटल' में ठहरे हुए पाया। सामान्य रूप से उनका स्वास्थ्य ठीक समझ [illegible] शाहपुरा पधारे और कल ७-१२-५६ को पूज्य बाबू साहब के साथ

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

दोनों जगी कार्य पूर्ण हुआ। अगर के भी न आते तो मुझे बड़ा दुःख होता। लिखें अब आपका स्वास्थ्य कैसा है। शीघ्र दर्शन देने की कृपा करें। आप प्रायः ही की अनुकम्पा और दया का सहारा है रत्न जननी की श्री चरणों में साष्टांग ए निवेदन है
निवेदिका
[illegible]वती

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP भारत 6 न.पै.

सेवा में
श्री [illegible] निर्मित [illegible]
C/o
राजा [illegible] बाज़ार जी 204 दुर्गा [illegible] जी
नाहन
पो० [illegible] (शिमला)
हिमाचल प्रदेश

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

सेवा में

E/9
[illegible] श्री
19.6.64

अनन्त श्री विभूषित श्री जी, महाराज के चरणारविंदों में सौहार्द: प्रणाम स्वीकार हो। कृपा पत्र प्राप्त कर अपने ~~[illegible]~~ भाग्य पर कुछ आश्चर्य हुआ। पत्र पाकर कृतार्थ हुई। आपके पधारने की शुभ पूर्ण आशा थी। लेकिन विवाह के [illegible] को [illegible] निराशा हुई। उस समय आपकी उपस्थिति अत्यन्त आवश्यक थी। स्वास्थ्य के विषय में [illegible] श्री गोविन्द जी की कृपा से बहुत अच्छा [illegible] हुई। विवाह समय अच्छा बीता। उस

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

SIMLA
10 JNE
11 15AM
1965

यहां हों तो

कि यहां पटियाले वाली लक्ष्मी मेन है
(बाबु संत्यानन्द जी
एजी ओफीस शिमला में
हैं

मकान नं $\frac{6}{1}$ नीयर विर्कोनी
होक्पीएल कार्ट रोड

सेवा में दो पत्र भेज रहा हूं जो अभी 2
जैनसाहिब ने दिये हैं। चरणदास

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA

REDIRECTED

श्री।। जी

Sh. Raja Sahib

SOLAN (H.P.)

(Raja Sahib Solan)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

8-6-64

श्री मान्य महोदय के. सी. जैन साहब जयहिन्द के बाद

। निवेदन है कि पता चला है कि श्री पूज्य चरण अद्वतवाग्भया चार्यजी आपके यहां पधारे हैं आपके यहां हो तो श्री चरणों में सेवक की कोटिशः प्रणाम। निवेदन करें

नहीं तो आपके यहां से कब कहां गए हैं इनका पता देकर कृतार्थ करें

वैद्य पंचानन शर्मा मौद्गल्य

श्री धन्वन्तरि औषधालय [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

लहरा गागा मंडी जि. संगरूर (पंजाब)

श्रावण ५ (जय दुर्गे)

विक्रमी सं. २०२१ — शिमला से

श्री मान् माननीय पूज्य स्वामी जी
श्री चरणों में सादर प्रणाम स्वीकार हो अत्र
कुशलं तत्रास्तु यहाँ छोटा शिमला
में आपकी कृपा से कुशल है और
कुसुम्वटी के आशादार भी सपरिवार
कुशल हैं सभी की ओर से श्री चरणों में
प्रणाम आगे समाचार है कि मेरा मन
यहां से बहुत उदास है अतः कृपा कर
मेरे योग्य कोई स्थान ढूँढन की अवश्य
कृपा करें सर कोरी कहीं पे की नौकरी
मिल जाये तब तो अति श्रेष्ठ है यदि
ऐसी ना मिल सके तो चाहे बरहे से हो

INDIA भारत 6 nP

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

नालागढ़ में सभी सज्जनों को
सादर नमस्कार श्री सन्त
रामजी को विशेषता से
मेरे योग्य सेवा हो तो। लिखे
दास ब्रह्मानन्द शर्मा
सनातन धर्म सभा
धेरी शिमला पंजाब

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP भारत ६ न.पै.

...GARH

सेवा में श्री ब्रह्मचारी जी
मारफत सन्त राम शर्मा
रीडर रेस॰ डी॰ ओ॰
खास नालागढ़ पंजाब

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

हमारा पता।

पं. रामेशंकर आचार्य
हनुमान मंदिर के पास
मकान नं. के ७३ सेंटर रेल्वे
पो. मुकाम अजनी नागपुर
जि० नागपुर (बा. प्रान्त)

पोस्ट कार्ड
साथ का कूपन जवाब के लिए
केवल पता

POSTAGE
5 N.P. INDIA ५ न.पै.

श्री पं. गोविंद मिश्र चौबेजी
जयपुर (राजस्थान)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

१४-१२-५८
नागपुर

सादर हरि: स्मरणम्

श्री मान आदरणीय पंडितजी प्रणाम्

आपके आदेशानुसार वृतीय पत्र आपकी सेवामे प्रेषित करता हूं कृपया आत्माविकास व प्रति श्रीयुत शीघ्र भेजें गे

प्रतीक्षावी

पं. रवि शंकर आचार्य
अजनी नागपुर
भ्रमिक प्रान्त
मकान नं. के ७३

[illegible] मान मोदी रैदास
सन्देश रखना

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGango

का स्वास्थ्य कैसा है कृपया लिखें
राज कुमार भी सपरिवार सकुशल
हैं। कृपाण जी के साहित्य को देख
कर बड़ी ही प्रसन्नता हुई है। सीता
पुर में परशुराम जयन्ती का कार्य
क्रम बहुत ही प्राचीन है। कार्ड श्री
नित्यानंद जी का सपरिवार (आप लोगों
के चरणों में प्रणाम स्वीकृत हो,
इच्छा आपके चरणों के दर्शनों की है
अभी कब तक आप वहां ठहरेंगे
कृपया लिखें- विशेष सब कुशल
है। पुन: २ आप के चरणों में प्रणाम-

पं० श्री नित्यानन्द दत्त जी ४११ श्रीनिवासपुरी
चरण सेवक
सुखदेव पाण्डेय

सेवा में:-

पं० श्री गोविन्द जी मिश्र
(राज पण्डित)
श्री स्वाध्याय सदन
चौबुर्जी, भरतपुर
भरतपुर
राजस्थान
RAJSTHAN

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ श्रीः ॥

देहली
१२-१०-६३ ई०

अनन्त श्री विभूषित पूज्य प्रातः स्मरणीय महाराज जी एवं पूज्य पाद पं० श्री गोविन्द जी के चरण कमलों में हम लोगों का साष्टांग प्रणाम स्वीकृत हो। आपलोगों के आशीर्वाद एवं परमात्मा की दया से हम सबलोग आनन्द से हैं। श्री नरवू जी का पत्र आया था ३-४ मी जय शंकर जी की शादी होगी। श्री अवस्थी जी सीतापुर गये थे, पूज्य कृपाण जी से मिले थे उनकी लिखी हुई पुस्तक भी एक लाये हैं, उसका शीर्षक है "परशुराम" संकलित पद्य भी हैं जो बहुत ही सुन्दर हैं; पुनः दूसरा ग्रन्थ भी उनका पूर्ण होगया है, उसे लेकर स्वयं श्री कृपाण जी दिसम्बर में देहली आने वाले हैं और उस ग्रन्थ को प्रकाशित करेंगे, आपके दर्शन की सब लोगों को इच्छा है, हम लोग भी अपने कार्य करते जारहे हैं जो कुछ भी

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

समय प्रपंच से मिलती है स्वाध्याय करते हुये आपको स्मरण किया करते हैं। आप

دسمبر بعد سے ۲ روپے فی کس منی آرڈر کر دیں -

آپ کا

Hans Rai
Rohtak

ex assistant Registrar
Cop Societies
Ram Gali Patiala

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
10 P. INDIA 10 P.

Pt. Sata Shanker

بخدمت پنڈت جٹا شنکر جی

مقام سوہانہ - ڈاکخانہ خاص - تحصیل کھرڑ - ضلع روپڑ

Sohana P.office
Tahsil Kharar, Rupar Distt.
Sh. Jatā Shankar ji

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

از [illegible]

17.7.72

آدرنیہ شردھیہ جی - جے رگھوناتھ جی مہاراج کی

چند دن ہوئے شری 108 سوامی جی مہاراج کا جنم اتسو کا اتسو منایا گیا

انکا کریا بہت بڑھیا - آپکو اس اتسو کے اوسر پر بدھائی دیتا ہوں - درشنوں

کی اِچھا بہت اچھا تھی - لیکن سواستھ ٹھیک نہ ہونے کا کارن

مجبور ہوں Blood Pressure کی ادھکتا کے کارن اس لئے

ہر حاضر نہیں ہو سکونگا - شری 108 سوامی جی مہاراج سے کشما یاچنا

کرتا ہوں - آپکو میری اور سے جنم مہوتسو کی کوٹی کوٹی

بدھائی ہو - اور شری چرنوں میں ہمارے پرنام عرض کر دیں

شری چندر جی [illegible] کے [illegible] دیوی گئی ہے - [illegible]

کہ [illegible] ہیں - [illegible] بہت سکھوں

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

दीर्घायु तथा आरोग्यता की शुभ कामना अवश्य करता हूं। कार्य वश जैसे भी हो सका समय रहते अवश्य दर्शन करूंगा। इस मंगल मय समय में बधाई के पात्र श्री जटा शंकर जी तथा अन्य बन्धु जनों को जय शंकर।

विनीत- राम रत्न शर्मा कौशिक
घनौली —

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
INDIA

GHANAULI
7.7.72

Shri Jata Shankar Sharma
V. Sohana
Post SOHANA
Near Chandi Garh
(Punjab)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

धनौलीत:

7-7-72

श्रद्धेय परमकृपामय श्री १०८ स्वामी जी महाराज नमस्कार। पत्र मिला। बहुत २ धन्यवाद। इस उदार अनुकम्पा के लिये जो आप ने इस परिवार व कुटीर पर ठहर कर ~~[illegible]~~ की। इस से सारा परिवार ~~सनाथ~~ कृतकृत्य हो गया। सविनय प्रार्थना है कि मेरी हाज़री 15 जुलाई को होने तथा के कारण मैं विशेष कार्यवश 12/7 को दिल्ली चला जाऊंगा। जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर मार्कण्डेय के समान

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

कृपा करें। आपसे प्रार्थना है
कि जब समय मिले यहाँ प्रेम
दर्शन देने की दया कर
कृपा करें। श्री सीतारामजी
बाबू साहब को नमस्कार
और बच्चों को प्यार।

आपका चरणानुरागी
सेवक राम सिंह

सेवा में,
श्रीमान श्री महाराज जी
to Shri Sita Ram ji
B/66 Nanak Pura
(Moti Bagh II)
New Delhi

पिन PIN

भारत INDIA 15

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ श्री: Address

C/o Engineer Engir
MRM Divn No X
C/o Post Master
RUPAIDIHA
Distt BAHRAICH
(U.P.)

परम पूज्यनीय श्री गुरुदेव महाराज जी
सादर चरण वन्दना

निवेदन है कि हम नेपालगंज 15.2.80 को शाम 6 बजे पहुंच गये यहाँ रहने तथा खाने का ठीक प्रबन्ध है। जलवायु कुछ ठन्डी है। मैं कुशल हूं। आशा है परमेश्वर की कृपा से आप ठीक होंगे। [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

के बारे में लिखने की

पत्र प्राप्त हो गया। मैं 8.8.80
को जयपुर जा रहा हूँ और 17.8.80
को दिल्ली आ रहा हूँ। पहले तो
आने की कोशिश करूंगा। आपके
दर्शन बहुत दिनों से नहीं
हुए। अतः शीघ्रातिशीघ्र दर्शन
करने की इच्छा है। मेरा श्री माई
शील राज जी को नमस्ते आपका शिष्य
राजनाथ

Q.M.S.

To Honorable
Shri Maharaj Ji
C/o Shri Sita Ram Ji
B-66 Moti Bagh
NANAK PURA
NEW DELHI
NEW DELHI

पिन PIN

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

राम सिंह

ॐ श्री:

अहमदाबाद
2.8.80.

परम पूजनीय श्री गुरुदेव महाराज
चरणों वन्दे -

निवेदन है कि मुझे घर से ज्ञात हुआ है कि आप इस समय दिल्ली पधारे हैं और सैक्टर 3 में [illegible] जाने की आपने कृपा की। मैं दौरे पर होने के कारण गुरुपूर्णिमा पर आपका पुनीत पूजन करने में असमर्थ रहा परन्तु मैं दिल्ली से आपका चित्र ले आया था अतः यहीं पर गुरु पूजा 27.7.80. को की। मुझे आशा है कि आपका ईश्वर की कृपा से स्वास्थ्य

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड

केवल पता



18 JUN
1955

श्री विभूषित
"श्री जी"

नाम श्री मान् पं० बाबूराम शर्मा जी

पता माल रोड कोठी नं० २०

डाकखाना दिल्ली

ज़िला दिल्ली

Mr
Gopal
Secy
Railway
Opposite

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्रीः।

अनन्त श्री विभूषित "श्री जी" के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास गोविन्द के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशलमस्तु। आज श्री ह. दे. जी तथा पुजारी बालकृष्ण जी के पत्र आये हैं, श्री त्रिवेदी जी ने लिखा है कि वसन्त पंचमी को सेठ चरण दास जी की कुमारी स्वदेश का वाग्दान है अतः वह मुझे बुला रहे हैं और यह भी लिखा है कि श्री बड़े पु. जी को लेते आओ तो कार्यालय का मु. भी हो इसी दिन हो जावे तो अच्छा है। इन दिनों मुझे यहां बच्ची का एक विवाह कराना है, और चतुर्वेदी की कथा एक करती है चूड़ामणि जी अकेले रहने में हिचकते हैं उस दिन लगन भी कोई ठीक नहीं जचती है समझ में नहीं आता है क्या किया जाय श्री त्रिवेदी जी कुछ दिन वहां ठहर जांय तो ठीक है वह लल्ला-गागा गुरुवार को सपरिवार जा रहे हैं जैसी आज्ञा हो। बालकृष्ण जी किसी आवश्यक कार्य से आपको वृन्दावन बुला रहे हैं उनका पत्र जिसमें देहली का पता लिख दिया है। श्री चूड़ामणि जी सादर साष्टांग प्रणाम कह रहे हैं। श्री जज साहब को सादर जय शंकर [illegible] और [illegible] में भी सब को यथोचित जय शंकर। गोविन्दः

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री:।

अनन्त श्री विभूषण पूज्यपाद श्री आचार्य-चरणोंमें दासकोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत: कुशल मस्तु। श्री ह-दे-श. त्रि. के पत्रसे ज्ञात हुआ है कि अभी मंगलमूर्त्ति वहीं विराज रहे हैं। आपका
गोविन्द:
१८-१-५४

पुनश्च—
देहली से श्री राजकुमार जी साष्टांग प्रणाम निवेदन लिखा है। गोविन्द:

पोस्ट कार्ड

केवल पता

POSTAGE 9 Ps INDIA 9 पा

सेवामें
"श्री श्री"
c/o
नाम श्री लाला कस्तूरीलाल जी आनन्द
पता मैडीको इन्डस्ट्रीज
डाकखाना स्टेशन रोड माटुंगा
ज़िला बम्बई

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ श्री ॥

श्रद्धेय श्री, श्री हरिभाऊ उपाध्याय जी को
चरणस्पर्श स्वीकार हो। अतः उदयपुर
से तो कोई आया नहीं परन्तु उनके
रिश्तेदार कोटे से सुगनचंद जी कोठारी
आये थे और यह यहां १ रोज ठहरे थे
लड़की को भी देख गये थे। और यह
कह गये थे कि मैं उदयपुर लिख दूंगा।
परन्तु उदयपुर से अभी तक कोई पत्र
उनका नहीं मिला। मैं भी २ पत्र दे
चुका हूं उसका भी कोई जवाब नहीं
मिला है। अतः अब कुछ करना
चाहिये अतः अब कुछ आप आज्ञा
प्रदान करें तब आवें। आज्ञा दें
मालूम दें। आगे आने वाले अगला
पत्र [illegible] की आवश्यकता ही क्या है।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

दिया जावे। ज्यादा [illegible]

श्री चरणों में प्रणाम
निवेदन है कि श्री
श्री गोविन्द जी की मैं रोज
सेवा करता हूँ विवरण प्राप्त हुआ
नित्य नेम करूँगा /
कृपा युक्ति बतायें रहें /
क्षेम.

शुभम्!

आपका
शर्मा /

POST CARD

सेवा में
श्री १०८ " श्री श्री महा०
द्वारा श्री रत्नानन्द जी
११० पांडी नगर
अजमेर
(राजस्थान)

POSTAGE
INDIA

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

देहली
२५/३/५८.

श्री स्वामी [illegible]

[illegible] ही दिया [illegible] हो गया [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का ... पता
THE ANNEXED ... FOR THE ADDRESS ONLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA

Shri Pandit गोविन्द जी मिश्र
Govind Ji Misra
Chonburja चौबुर्जी
Near Ganga Mandir,
Bharatpur city
(Rajasthan)

...पत्र ...का ... के ...
... बताइयेगा —
... बिल्कुल रूप से
... इयेगा — ...

भवदीय—

कैलाश चन्द्र मिश्र
33 हेवलॉक स्क्वायर
गोल पोस्ट ऑफिस
के पास
नई दिल्ली

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

SRC
H.C.C.

Delhi-
26-4-62

श्री पं गोविन्द जी

सादर नमस्कार, आगे आपका पत्र प्राप्त हुआ- पढ़कर प्रसन्नता हुई। आगे आपने जो मंगल गंगा के सम्बन्ध में लिखा सो ठीक है- यहां कुछ १०-१२ दिन से वर्षा की तबियत कुछ ज्यादा खराब चल रही है। आज भी ठीक नहीं है। कल रात को ज्यादा खराब हालत हो गई थी- दवाई चल रही है- आशा है एक आध दिन में ठीक हो जायगी- फरजू जी से भी यह कह दीजियेगा- मैं ठीक हूं धीरे धीरे [illegible] इसकी आशा है।-

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

हो जी। आपकी आज्ञानुसार
कनागतों से एक रोजाना शुरू कर
दिया है। और जो मेरे लायक
कार्य हो सो लिखना जी। पत्र
का उत्तर शीघ्र देना जी।
ज्यादा शुभ।

हरकृष्ण

पोस्ट कार्ड
केवल पता

Pt. Govind Datt ...
Chaubuja (चौबुर्जा)
Bharatpur
(Rajasthan)

BHARATPUR 24 ... 10 AM

INDIA 5 N.P. POSTAGE

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

देहली
२१-११-५८

श्रीमान पूज्य गुरूजी
चरण स्पर्श,

सेवा में, निवेदन है कि यहां पर सब लोग कुशल से हैं आशा करता हूं कि वहां पर सब लोग कुशल पूर्वक से होंगे माताजी तो गंगाजी गई हुई हैं आगे आप कलकत्ते शादी में जा रहे हैं या नहीं लिखना।
श्री माताजी, चाचीजी को चरण स्पर्श और बच्चों को प्यार मालूम

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पण्डित जी का कोई पत्र
नहीं आया है तथा मैं
भी अभी तक नहीं लिख
सका हूं।

विशेष;

कृपा बनाये रखें।

सेवा कार्य से सूचित
करें।

आपका कृपा भाजन

पोस्ट कार्ड
साथ का कार्ड जवाब के लिए
केवल पता

सेवा में
श्री श्री महाराज
c/o श्री जयपाल कालरा
अल्फा इंजीनियरिंग वर्क्स
स्टेशन रोड भाँडूप
पो. भाँडूप, बम्बई-80
Bombay No. HO.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

देहली
१५।६।५८

पूज्य श्री जी महाराज;

सादर साष्टांग नमस्कार।

आपका कृपा पत्र प्राप्त हुआ- धन्यवाद। पत्रोत्तर में अकारण ही विलम्ब हुआ- क्षमा करें। पुस्तकें आपकी आज्ञानुसार सोमवार को ही राज कुमार के पास पहुंचा दी थीं। उसी दिन हमारी इच्छा कुछ मुरब्बा बेलगिरी बाजार से और लेकर उसी डिब्बे में रख देने की थी [illegible] कारण ऐसा न कर सके - अस्तु।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

आशा है इधर का भी प्रोग्राम बनायेंगे ताकि हम लोगों को भी दर्शन होते रहें। सम्भवतः आपने सुना होगा कि श्री जगदीश चन्द्र जी "सम्राट" अब इस संसार में नहीं रहे। योग्य सेवा से लिखना

निवेदक
ADDRESS जगदीश खन्ना आगरा

KHANNA TRADERS
KRISHNA SHOE MARKET HING MANDI
AGRA-3

25-8-80

श्री श्री श्री जी

श्री सीतारामजी -
B. ६६ मोतीबाग
साउथ न. 2

पिन PIN N. DELHI

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री:

आगरा
23.8.80

आराध्य चरण पूज्य श्री "श्रीजी" महाराज

आपके युगल चरणारविन्दों में कोटिशः प्रणाम। बहुत दिनों से श्री चरणों का आगरा पदार्पण नहीं हुआ और इधर उधर से पूछने पर भी कुछ मालूम नहीं हो सका तो फिर श्रीमान गोविन्द जी शर्मा भरतपुर वालों से आपके देहली आने के बारे में ज्ञात हुआ। आशा करता हूं कि आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ होंगे। क्या श्री चरणों ने अब देहली में ही स्थायी रूप से रहने का विचार बना लिया है.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अब सभी लड़कियों का विवाह कर दिया है। लड़का M.B.B.S कर रहा है। एक दो वर्ष तक अपने कर्तव्य से निश्चिन्त हो जाऊंगा। मेरे योग्य कोई सेवा हो वे तो लिखें। मैं पञ्चरत्नावली का नित्यपाठ करता हूं। अब आपके ग्रन्थ पढ़ने पर विचित्र रसानुभूति होती है। दिल्ली आना हुआ तो अवश्य दर्शन करूंगा।

निवेदक,
जगन्नाथ खन्ना

KHANNA TRADERS
Krishna Shoe Market
Hing-Mandi Agra-3

सेवा में,
श्री "श्री" अम्बाराज जी
Shri SITARAM JI
No. B-66 MOTI BAGH II
SOUTH-
N. DELHI.

पिन PIN

15 भारत INDIA

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री

आगरा
19.9.80

महामहिम प्रातः स्मरणीय
आचार्य-चरण जी

कोटिशः प्रणाम। आपका कृपामय पत्र यथा समय मिल गया था। उत्तर में कुछ विलम्ब हुआ जिसके लिए क्षमा याचना करता हूं। यह जान कर कि आप का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता, चिन्ता हुई। भगवान विश्वनाथ जी से प्रार्थना है कि वह आपको शीघ्र स्वास्थ्य प्रदान करें। यदि उचित जान पड़े तो Institute of Medical Sciences से दिखा लेवें। मैं ने "शिवसूत्र" पर इन दिनों आचार्य "रजनीश" का व्याख्या ग्रन्थ पढ़ा है। लगभग 84 सूत्र हैं। क्या शिव सूत्र के कुल इतने ही सूत्र हैं? इन सूत्रों पर यदि कोई संस्कृत की टीका उपलब्ध हो तो लिखें।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

तो ॥ तो. 27-11-76 को आपके

दिल्ली से लेकर चलूंगे

यदि केवल समय पर ही

पहुँच जाओ तो धनाली के स

उनके सेवक जग मात्र है

आप कृपया मेरा प्रणाम

गुँडा और चरणों तक

पहुँचा देंगे की कृपा अवश्य करें

मेरा बहुत २ नमस्कार कहें

आपको हेतु

रामरतन

संगीत अध्यापक। गोविन्दपुरी

18-11-76 दिल्ली

Redirect

पोस्ट कार्ड

POST CARD

जवाबी

REPLY

केवल पता

ADDRESS ONLY

भारत

INDIA

15

A 72 Jan Colony

Jaipur

श्रीजी महाराज मारफत

~~राज पंडितश्री गोविन्द जी~~

श्री पं. दुर्गादत्तजी शर्मा

~~निकट चौबुर्जा, भरतपुर~~

ए. ७२ जनता कॉलोनी

जयपुर पिन PIN राजस्थान

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

दिल्ली.
18-11-76

आदरणीय
पंडितजी नमस्कार। (रामरतनश्री)

निवेदन है की स्वामीजी महाराज आजकल आपकी तरफ आये हुऐ हैं ऐसा श्री बाबू रतनलालजी से दिल्ली मैं मुझे पता लगा है मैं तीन चार साल से विचित्र स्थिति मैं उनसे मिल नहीं सका यदि आप को कहीं पर भी दर्शन हों तो विनम्र मेरा निवेदन करदें की मेरे लड़के धर्मपाल शर्मा का विवाह ता, ६ दिसंबर का निश्चय हुआ है जिस मैं आपका आशिर्वाद सारे परिवार तथा स्वर्गीय के महान कल्याण कारी सिद्ध होगा साथ ही आप वार्तामें लाजाबके

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

तो आपको पकाशित [illegible] अनुकूल
उपक्रम किया जायेगा यदि आप दिल्ली हों

[illegible] मोजे।

[illegible]

आपका [illegible]

स्थानीय
पोस्ट कार्ड
जवाबी
केवल पता

POSTAGE
3 N.P. INDIA 3 नए पैसे

सवाई

श्री पं. गोविन्दजी मिश्र
चौबुर्जा
भरतपुर
BHARTPUR

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ

३/१५६६ चांदनी चौक
दिल्ली
२१।२।५८

२-९-६-३८ [illegible]

श्रीयुत पंडितजी
प्रणाम।

श्री गणेश की कृपा से हम सब सानन्द हैं। मैं आपका [illegible] आशा है [illegible] कार्य [illegible] आया है। ५-७ दिन [illegible] [illegible] का विचार हो रहा है। श्री [illegible] आजकल कहां [illegible] रहे हैं?

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

का आय पान का दौर। अभिनन्दन ग्रन्थ मई के प्रथम सप्ताह में प्रकाश में आयेगा। उससे पूर्व सम्भावना नहीं। ग्रन्थ ३ खण्डों में है। १ संस्कृत २ हिन्दी ३. अंग्रेजी। [illegible] का लगभग १५०० पृष्ठों का यह ग्रन्थ है। आचार्य श्री की प्रतियाँ अपने पास रखूँगा। [illegible] या जहाँ भी वे चाहें भिजवाने की व्यवस्था करूँगा। उन्हें मेरा प्रणाम कहें।

भवदीय.

च. मा. [illegible].

॥ श्री ॥

[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

जवाबी
REPLY

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत
INDIA
10

BHARATPUR
11.4.65
DELY

श्री गोविन्द [illegible]
चौबुर्जा
भरतपुर
(राजस्थान)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ श्री ॥

आदरणीय मिश्र गोविन्द जी,

बी. १६० श्रीनिवासपुरी
नई दिल्ली २४.

सादर अभिवादन

आचार्यश्री की ओर से आपका पत्र मिला। वस्तुत: २-४-६७ के
अभिनन्दन समारोह के लिये आचार्यश्री को तलाश किया। पदों [illegible]
में वे नहीं थे। अकस्मात् श्री राजकुमार महोदय ने बताया आपके पैर के संबंध में
और आचार्यश्री के वहाँ जाने के संबंध में। दुःखी हुआ। ~~[illegible]~~ समयाभाव,
अभिनन्दन समारोह की अनेकानेक व्यस्तताओं के कारण सूचित भी नहीं
कर सका। ~~[illegible]~~ अभिनन्दन-समारोह राष्ट्रपति-भवन में हुआ। लगभग ४५ मिनट का
कार्यक्रम। सम्पादकमण्डल की ओर से कविराज जी ने संस्कृत में संदेश पढ़ा गया।
संयोजन समिति की ओर से श्री अक्षयकुमार जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया।
अभिनन्दन-ग्रन्थ का समर्पण राष्ट्रपति द्वारा, और फिर अन्त में 'गीतगोविन्दं'
(संस्कृत [illegible] 'गीतगोविन्दम्'
को नाट्यकलाकेन्द्र की लड़कियों ने प्रस्तुत किया था। अत्यन्त मोहक कार्यक्रम
था।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

शाहजहाँपुर गये हुए हैं। यहाँ का
[illegible]ता पिता जी के काम छोड़ दिया
है। अखबार बाहर हो रहे हैं। गौरी
शंकर का अभी कुछ पता नहि लगा है।
माता जी बीमार ही चल रही हैं माल
[illegible] का कीराया १००० रु. मासी [illegible]
ज्यादा की बुखार हो आता है। और कोई
सेवा हो लिखें। अगर शंकर जी, भाभी
जी व बच्चों को राम राम कहियों को शुभ प्रणाम।
आपका [illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत INDIA 10 पै

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible] | परमार्थ निकेतन
[illegible] | स्वर्गाश्रम
६।१।६०

परम पूज्य स्वामी जी को पुण्डरी के का सादर-दण्ड वत् प्रणाम।

आपका ता० ३।१।६० का लिखा पत्र आज मिला समाचार जाना और समाचार यह है कि पूज्य पिता जी करीब दो माह से शाहजहाँपुर में हैं। पिता जी का २ तारीख का प्रोग्राम यहाँ आने का था परन्तु नक्सो बलाने से इस कारण पिता जी ने अपना प्रोग्राम स्थगित कर दिया। पिता जी पहले वहाँ जाय के फिर [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

के लिये यहाँ आयेंगे यहाँ से

आपको खांसी है यह लिखा है।
उपचार करता ही प्रायः स्वास्थ्य है।
मेरे कानों में अभी तक विकार चल
रहा है। और सब कुशल मंगल है
सीताराम जी की कन्या का विवाह ३१ जन
वरी को है वह था गया ६-१-७१ को।
शेष आपके मिलने पर। सब मिलने
वालों की ओर से प्रणाम। आनन्द

आपका चरण सेवक
[illegible] शर्मा
[illegible] दिल्ली

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY
भारत
INDIA
10 P

MOVE [illegible]
USE AIR M[illegible]

नई दिल्ली [illegible]
1 JAN
15 [illegible]
1971
NEW DE[illegible]

सेवामें
श्री १००८ 'श्री. जी.
c/o आ. श्रीनाथजी [illegible]
आयुर्वैदिक हौस्पिटल
श्री कृष्ण जन्मभूमि
मथुरा MATHURA

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री

[illegible] नई देहली

श्री १००८ परम श्रद्धास्पद गुरुजी सादर कोटिशः
प्रणाम

शमत्र तत्रास्तु। छिनराज जी से पूर्ण समाचार मिला। गजैसिंह सीताराम आदि से आपकी कुशलता कहदी। ब्रह्मचारि कृपानन्द जी पीपरिया में है ऐसा छिनराज जी व गजैसिंह जी से पता चला था। वैद्यजी के पास गया था परन्तु उनसे पता चला कि अभी तक कोई प्रबन्ध नहीं है श्री कृपानन्द जी भी नहीं आये पूर्णरूप से मैं कुछ नहीं कह सकता। मुझे वैसी ही बातें प्रतीत होती हैं। वैसे सारी बातें आपको ही हुई होंगी
गोपालदत्त जोशी. छिनराज जी सपरिवार तथा मैं हम सब प्रयाग काशी गयाजी आपकी
[illegible] कृपा से यात्रा कर आये सब कुशल हैं। दर्शनों की लालसा लगी है

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

पातकी का श्री उद्धार करें

श्री पुरी - भगवान् -

श्री देसराज की ओर

नमस्कार ?

आप का दास [illegible]

देवी दास - आउल हौस

मकान [illegible]

[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

10 पै. INDIA 10 पै.

[illegible] में

श्री॰ जी

c/o के॰ फुल आनंद

C॰ 3. H.H. 5

फरीदाबाद 213[illegible] 1214

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ 17.3.70

जालन्धर

श्री पूज्यपाद श्री १०८ स्वामी जी? सादर साष्टांग प्रणाम?

आप का आशीर्वादात्मक पत्र मिला। अतः अनेक गलों में सविनय निवेदन है - कि त्राहि मां पाहि मां कोई समाचार विवर्जितम्। नमस्कारश्च देवशी.

कुम्भरात मंगलसागर ॥

आपजी ने लिखा था - कोई जोधा

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

दर्शन देंगे। ता १० हु अ जैसे

पोस्ट कार्ड
POST CARD

POSTAGE INDIA

Shri V. D. Bakaya,
Office Superintendent,
Hindustan Housing Factory,
Bhogal, Jangpura, New Delhi

C/o Raina's News Agency, Jammu 19/2/63

My dear brother

Namaskar. This is for the first time that I write you. Do please write all about Mahatma Ji & if a parcel of silk is received from Srinagar. I have instructed Srinagar people to send

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

you a silk parcel of 4½ yds by
1¼ yds. for 2 shirts for Mahatma
Ji & if at all by mistake it
is on my name c/o of you
you can produce this p.c. in
what I authorize you to
have the parcel. The parcel
will be send to you by G.
Shambhoo Nath, Proprietor, Shambhoo
Silk House, Hari Singh High Street,
Srinagar, Kashmir. Kindly
pay my Dandvat Padi Pranams
to Mahatma Ji. Namaskars & love
to all respectively.

Yours affly
Brahmachari
[illegible]

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
भारत
6 न.पै.

NEW DELHI-1
1965
25 FEB

To

Sh. Ji Care

Sh. V-D Bakshi

Hindustan 33A

Jang N Delhi

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

Jammu
5/22-2-65

Sh 108 Swami ji Maharaj,

Charan Bande!

You have not in communicat with me from three years, I was ill during these days and ~~or~~ therefore could not write to you.

I request that you should visit Jammu at an early date and write me about your health.

Yours
Lachmi Chand
Retired friends
Qr No 113
Roulet Bk
[illegible]

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

फाल्गुण मेंप्रक्षप दर्शन देने की कृपा करें। घर में श्रद्धा माता जी तथा सभी को प्रणाम।

दास :—

नन्द किशोर चौ.

श्यामगली

प्रोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP
६ नए
भारत

BHARATPUR

श्री पं. गोविंद मिश्र जी
चौबे जी
भरतपुर
(राजस्थान)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ ज्वालामुखी

११-१२-६६

६ मार्ग. २०२१.

श्रीमन् परमपूज्य पंडितजी!

सादर प्रणाम।

अत्र तत्रास्तु। कई दिनसे
पूज्य श्री आचार्य जी का
पता नहीं कि कहां है
यदि भरतपुर में ही हों तो
श्री आ० से चरण वंदना
को तथा कहें कि आपने
मुझे ज्वालामुखी दर्शन
देने के लिये कहा था सो अब
क्या निश्चय किया है याद

लिखें आगामी शिवरात्र्युत्सव में यहां पर पधार सकें तो

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA भारत 6 nP

श्री मा० ... जी मीह्न
भौगुरी, भरतपुर
(राजस्थान)

शादी २४ माघ 5 - 2 - 65 की है
उससे पेहले पहलें दर्शनाभिलाषी हूं
कृपया आपको ज्ञात होतो उत्तर देवा
कृतार्थ करना बच्चेके विवाह में सम्मिलित
होनेके आपसे आग्रह इसलिये नही कर रहा
कि आपको आने जाने मे कष्ट होगा स्कोदर
की बात है आजकल के विवाहों मे आने
[illegible]
तो अति प्रसन्नता होगी आपका वेप्यपे-चानन

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

17-7-65

श्री परमप्रिय गोविन्द जी मीश्र

लहरामठीसे वैध्य पंचाननजी की नमस्कार

मैं कुशलसे हूं आपका पत्र मिला था कि श्री पुज्य चरण इधर ही पंजाब मे कंही है अभितक मेरे को पता ही नही चला कि कहां है आपको मालुम हुआ हो तो कृपया सुचित करना मनमें कुछ शंका सी है श्री चरणो में निवेदन करके ही मन को शान्ती मिल सकेगी अत: मन मे स्मरण करके भी घबरा आया हुं कि क्या बात है अबकी वर्ष मे तो पक्की आशा थी कि शादी मे जरूर करना होगी ... हो तो निवेदन करदेना मै लड़की ...

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible] 3/12 [illegible]
Delhi Junction Station
[illegible] Kalkamail [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पोस्ट कार्ड

केवल पता

श्री [illegible]

नाम C/o Bhagwati Shankar Trivedi

पता Jain Library near Himachal [illegible]

डाकखाना near Sabzimundi Ghantaghar

ज़िला DELHI

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

Rupar
1/12/53.

प्रातः स्मरणीय
प्रिय स्वामीजी

एक युग से आप के दर्शनों को हृदय तरस रहा है। भाई जैराम के पत्र से मालूम हुआ आप दिल्ली आए हुए हैं। इधर मैं भी छोटे भाई के विवाह पर रोपड़ आया हुआ था। 2/12 की रात को कालका मेल से चल कर 3/12 की सुबह के 6 बजे मैं दिल्ली जंक्शन पहुंच रहा हूं। उसी गाड़ी से [illegible] कलकत्ता जा रहा हूं।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

President Brahman Sabha Delhi
on 3.5.64.

I am also fixing the programme
of Tyagi ji here.

We all, Vaid ji, Ballan Lal ji
all send our regards to Swami
ji. Please do the needful &
send me the report at once.

Yours
Nand Dutt

25.5.64

पोस्ट कार्ड
POST CARD

जवाब के लिए संलग्न कार्ड केवल पते के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
ADDRESS ONLY

Nand Kishore Vaid
Jwala Mukhi
Distt. Kangra

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

Respected Nand Kishore Ji
Jai Shanker.

Since Mahatma Ji have left Delhi & reached your place, you have not given any information about Maharaj Ji. We are anxious here about Swamiji's welfare. All is all here. On 20.4.64 in an important function of Bhagwan Shri Ram Navmi in Srinivaspuri I have presented the books & Satotra of Bhagwan Shri Prakash Ram to Shri Acharya Karpatriji who was not only pleased but appreciated our work.

Please send me the report & celebrate the annual function of Bhagwan Shri Prakash Ram on 14.5.64.

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

I am also meeting Shri Ram Tele Wala The

मेरा पहले पत्र पर
जो है मेरी समझ
में पार नहीं आता
(सिरफ आदि[illegible]
मध्य से [illegible]
[illegible] गायत्री
मंत्र [illegible] सिरफ मंत्र
पाठ कर ली [illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP
भारत

To
Swami ji Maharaj
C/o
No B-D-941
Vinay Nagar
New Delhi

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ

श्री श्री श्री १०८ स्वामी जी

महाराज श्री सविनय प्रेम को

का प्रणाम समाचार यह है

यहाँ कुशल है आपकी कुशल

ता जी (शिव भगवान से चाह

ता हूँ कृपा निधी आपकी

पर श्री श्री संजीवनी

दर्शन में पुस्तक पर

जो कि [illegible] मन्त्र

[illegible] के [illegible]

मंत्र यहाँ [illegible]

(सफ फल मंत्र [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP
भारत

AIR PORT
SORTING
28 DEC
7 -PM
964
NEW DELHI

[illegible]

Nity a Nand

G 491
Srinivaspuri
New Delhi 14

Pt Madan Mohan Vaid
Ex Chairman Municipal
Committee
NALAGARH
Distt. AMBALA
"Panjab"

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

28/12/64

پوجیہ شری جی مہاراج جے شنکر

مورخہ 26 12/64 بروز سنیچروار کو پتر آپ کا [illegible] کے

حاصل ہوگیا ہے۔ آج 151 کاپیاں پریکو سمبھو [illegible]

کر دی تھی۔ وشیدی کے نام پر۔ ویسے پہلے بھی لکھ دیا گیا

تھا 66 [illegible] شری بھگتی پرشاد کے نام پر 10 یا

15 کاپیاں پریکو سمبھو کی ارسال کی تھیں۔

آپ کی خبروں کی [illegible] ہم سب [illegible] خوش ہیں [illegible] بھی

ہم سب اچھے ہو گئے تھے۔ ماسٹر جی وشید جی پانڈے جی

آوشی جی [illegible] شرما جی ہے۔ [illegible]

نقل ہے۔ پانڈے جی نے بات چیت کے دوران میں وشید

جی سے پیپر Paper کی بات چیت کی تھی۔ وشیدی

نے پانڈے جی سے کہا ہے کہ صلاح تو اچھی ہے۔ لیکن محنت

بہت کرنی پڑے گی۔ [illegible] جی نے [illegible] آنے پر کچھ وچار

کریں گے۔ وشیدی پانڈے جی۔ پنڈت [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

क्योंकि बहुत देर से आप के दर्शन का अवसर नहीं मिला था॥ यहाँ देहली पहुँचने पर अपनी सूचना आवश्य देने की कृपा करें॥ बाकी सब भगवान की दया से कुशल है॥

आप का सेवक
किशोरी लाल मुख्य:
79, मान नगर

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत INDIA 10 P

Shri Laxmi dhar ji Angiras
C/o Pt Tara Shankar ji
Village & P.O. Sohana
Distt Gurgaon
P.O. Sohana (Haryana)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ

देहली
जून ३०, ६९

पूज्य ऋषि स्वामी जी

सादर प्रणाम

आज आनन्द साहिब ने फून पर आप का सन्देश सुनाया " २ जुलाई को आप के जन्म दिवस उत्सव पर आपको हार्दिक शुभ कामनायें भेंट करता हूँ। भगवान यह शुभ अवसर बार बार प्रदान करें "

गुरु पूर्णिमा ९ जुलाई को है उस से पहले आप के दर्शन की अभिलाषा करते हैं। आज थोड़े दिन पहिले मैं ने पं० दामोदर जी से आप का प्रोग्राम पूछा था

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

चिन्ता न करें उनसे काम होजायगा।
समझलें, मेरे योग सेवा लिखते
रहें। माता जी व सबसे प्रणाम।

आपका
द्वारका
मारफत
सर्व मंगला ट्रेडिंग कम्पनी
५८-६१ नई सड़क (देहली)

Shri Govind Ji Mishra
Chaubeji
Bharatpur
Rajasthan

पोस्ट कार्ड
INDIA POSTAGE 5 NP
BHARATPUR
LATE FEE

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्रीरामजी दिल्ली

21/1/59

सिद्ध श्री पूज्यपाद बाबाजी व ~~सोमव~~ भैया
गोविन्दजी को हमारा प्रणाम पहुँचे।
हम वहाँ से आ गये हैं कारण कि वहाँ पानी
की ~~नल~~ निकल जाने के कारण कुछ होने
सका और आपकी सेवा में भी न पहुँच
सका जैसा कि मैं ने आपसे प्रार्थना किया
था कि मैं पहुँचने में ८,१० दिन
का प्रोग्राम लेना से
अवश्य लग जायेगे इसके लिये क्षमा
चाहता हूँ। आप इस विषय में कृपा
कर सब जानकारी कर रखें यह काम
तो करना ही है, अगले बार में सोच कर
कारखाने का प्रेस का प्रयोग किस
भाँति है काली की कौन जाति आपके पास
हैं सो कृपा कर साफ २ लिखें, सेवा में
[illegible] आपने

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अवश्य हो गया है [illegible] श्री.. केदार के

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

15.5.72

INDIA 10

Shri Bhagva Dharya ji
Maharaj
C/o
Shri K.K. Anand
F 183
ManSarovar Garden
New Delhi

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री:- कालका
२५।५।१२

श्री १००८ विभूषित श्री जी परम श्रद्धेय महाराज जी के चरण कमलों में हमारी सबकी तरफ से कोटि२ प्रणाम स्वीकार होवे। अत्र कुशलं तत्रास्तु। आगे समाचार यह है कि २३ अप्रैल सन १९१२ को प्रातः ७ बजकर १२ मिनट पर नानक में पूरनचन्द के पुत्र उत्पन्न हुआ है। ये सब आपके आशीर्वाद का ही फल है और सब प्रकार से कुशल है पत्र तो मैं आपको पहले ही लिखता मगर मुझे आपका पता मालूम नहीं था सो किसी तरह पं. [illegible] जी नाथ द्वारा आपका पता लगा है तब मैं आपके पास पत्र लिख पा रहा हूँ। आपको बहुत२ बधाई होवे

शुभम्

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

प्रस्तुत सर' ।

उन लोगों को अभी तक लिख रहा हूँ। दिल्ली में शीत प्रतिवर्ष की तरह ही है।

भवदीय कृपाकांक्षी

प्रताप

पोस्ट कार्ड POST CARD

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

लाजपतनगर
नई देहली
२६-१२-५४

श्री पूज्यपाद श्री
महात्मा जी !
प्रणाम.

श्री श्रीचरणों का पत्र
अभी मिला, यहां सभी
प्रायशः सकुशल हैं। केदारना-
थजी का पता यह है

'स्वतन्त्रा हिन्दस्टाइल एण्ड
वीविंग फैक्टरी खज़ाना-
गेट, मधुकोली के मन्दिर
के सामने सर्कुलर रोड

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

वह इस विद्या के सम्बन्ध में हमें समझाया करते हैं
लेकिन सब कुछ कहने सुनने के बाद वह चाबी
श्री गुरुदेव के हाथ में ही बता देते हैं।
वह महात्मा बहुत सिद्ध प्रतीत होते हैं।
चाबी हर जगह से पता चलता है आप
के पास ही है ताला खोल दीजिये. अपने आने
के प्रोग्राम से शीघ्र सूचित करें फिर पता
नहीं कहीं की बदली हो जावे। इस काम को कृपया
शीघ्र कर देवें. श्री कृष्णा कुमारी के लिए वर का
भी पता आपने नहीं बताया. वह भी बता देवें.
लीलावती और बच्चों की ओर से प्रणाम. हरिओम
आपका आज्ञाकारी शिष्य ... वाला

Shree 108 Shree Guru Dev Ji
C/o Pt. Govind Ji Mudgal
Chowk Khera
BHARAT PUR
भरतपुर

POST CARD
ADDRESS ONLY
INDIA 9 PS

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पटियाला.
१८.२.५२

श्री श्री १०८ श्री. पूज्य गुरुदेव जी। इस दास की श्री चरणों में प्रणाम।

मैं ने श्री चरणों में दो तीन पत्र आप के पत्र आने के बाद दिये परन्तु उन का मुझे कोई उत्तर न मिला प्रतीक्षा में ही समय व्यतीत हो रहा है। आशा तो दिला दी गई. लेकिन पूर्ती का समय गोप्य ही रखा जा रहा है। मैं ने यह जान लिया है कि जड़ चेतन ग्रन्थी आप की अनुग्रह से ही खुल सकेगी अन्यथा नहीं. आप की लेखनी द्वारा श्री आत्मविलास के पन्नों पर यह अङ्कित है कि इस के अधिकारी सब हैं. क्या उन सब में मेरा नाम नहीं है. या आप की मुझ पर अभी अनुकम्पा नहीं है। इस बात की सान्त्वना देकर कृतार्थ करें. आप की एक चीज मेरे पास है उस के लिए क्या आज्ञा है क्या उसे मैं गोविन्द जी की मारफत आप के पास भेज दूं:

यहां पटियाले में श्री स्वामी राम तीर्थ जी के शिष्य स्वामी हरि तीर्थ जी ४० साल से रह रहे

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

[illegible] के साथ चला जाता है. उन के सिद्धान्त आप वाले ही हैं. रोजाना

डा० अनन्त कालिकाप्रसाद जी
C/o श्री विद्यासागर दत्त G-491
श्री निवासपुरी ~~न्यू देहली~~
New Delhi. 14

रहेगा। लीलावति की हालत अब खराब रहने लग गई है. जब मेरी शक्ति की यह दशा है तो मैं तो शव पहिले ही हूं- मुझे शिव ही रहने दें. आप ने मुझे फिर A-R बना कर लिख भेज दिया है। मैं ने यह 23-1-66 को आकर चार्ज ले लिया है मकान मिल गया है किराया 45/- रुपये है और 25/- बिजली के पड़ेंगे 50/- दे जायेंगे. तनख्वाह दिसम्बर की नहीं मिली अब भी तनख्वाह शीघ्र मिलने की आशा नहीं है. अच्छा, जो आप की इच्छा। लीलावति उषा

A.R. कार्यालय हसनपुर...

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

भगवत श्री विभूषित "श्री जी" सिरसा जि० हिसार
हिरण्य को ... अब सिरसा 27-1-66

से साष्टांग प्रणाम स्वीकार करें तथा जयशङ्कर कबूल करोगे. समाचार भूत, भविष्यत, वर्तमान सब आप को विदित ही हैं. इन समाचारों को पत्र द्वारा आप तक पहुंचाना सूर्य को दीपक दिखाने के सदृश है. आप ने मेरा कल्याण करने में कोई कसर नहीं छोड़ी. मेरी हर मुसीबत में आप का कृपा हस्त मुझ पर रहा और भविष्य में भी आप की कृपा अवश्य मुझ पर रहेगी। यह आशा रखता हूं. सब कुछ होने के उपरान्त आप ने अपनी आत्मत्व रमणीयता का परिचय पूर्ण रूप से मुझ नहीं दिया है. यही कारण है कि मुझ में जीव भाव की इन दिनों सुदृढ़ता होती जा रही है. मैं आप की लीलाओं को समझने में कतई असमर्थ हो गया हूं. मैं इन दिनों [illegible] हो गया [illegible] इसे शीघ्र दूर करें - वरना मेरा पार [illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पोस्ट कार्ड POST CARD
जवाबी REPLY
केवल पता ADDRESS ONLY

INDIA भारत 6 nP

श्रीमान कान्ति भूषण जी
c/o श्री विद्यासागर दत्त G-491
श्री निवासपुरी नई दिल्ली
New Delhi 14

रहेगा। लीलावति की हालत अब खराब रहने
लग गई है. जब मेरी शक्ति की यह दशा है तो
मैं तो शव पहिले ही हूं- मुझे शिव ही रहने दें।
आप ने मुझे फिर A.R. बना कर लिख भेज दिया
मैं ने यहां 23-1-66 को आकर चार्ज ले लिया है
मकान मिल गया है किराया 45/- रुपये है और 5/-
बिजली के पड़ेंगे 50/- हो जायेंगे. तनख्वाह दिल्ली
नहीं मिली अब भी तनख्वाह शीघ्र मिलने की आशा
नहीं है. अच्छा तो आप भी [illegible]
रहना. ... की ... आपका हार्दिक शान्ति
A.R. कार्यरीतिक ... लिखें ...

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

मेरे लायक सेवा लिखें।

अरदेव स्नेह

आपका

पंजीवा राम शर्मा

ग्रा० अलवर पुर

पो० ल॰ १८३

पोस्ट कार्ड

साथ का कार्ड जवाब के लिए

केवल पता

BHARAT

POSTAGE

5 N.P. INDIA

मु० भरत पुर राजस्थान

चौबेजी

मारफत मिश्रा गोविन्द शर्मा श्री

श्री स्वामी शालग्राम भवाचार्यजी

महाराज को मिले।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री

आलमपुर
दिनांक १४-३-५६

पूज्य स्वामी जी ! चरण स्पर्श !!

पत्र आप जी का कल ही हस्तगत हुआ और पढ़कर मन अति हर्षित हुआ। आगे समाचार यह है कि जो आपने कुटिया बारे में पूछा है कि किस तरह है।

मैंने कुटिया रखने में आज से छमास पूर्व बालमीकि उन [illegible] से मैं अब तक वहाँ ही रहता हूँ। घर में केवल भोजन खाने के लिये ही जाता हूँ।

C-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangot

श्री   पूना
                    दि० १९-२-५८

पूजनीय श्री स्वामीजी
साष्टांग नमस्कार -

आपका दि- ११ फरवरी का पत्र प्राप्त हुवा. आपके घुटनेका घाव अब ठीक होगा यह आशा करते है. श्री पारखेजीनेभी आपका पत्र पढा आप यज्ञपे जरूर आवे ऐसी इच्छा उन्होंने प्रकट की है. आनेका कार्यक्रम आप अवश्य निश्चित किजीये. आपके उपस्थितीसे सबको बहुत आनंद होगा.

श्री पारखेजीके आज्ञानुसार आज आपको २००/- मनी आर्डर से भेजे है. किसी को अपने साथ लेकर आप अवश्य आजाईये. इसमेंसे कोई दिक्कत आवे ऐसा संभव नहि. कृपया तार दिजिये

आपका कृपाभिलाषी
विश्वनाथ सावळापूरकर

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ

श्रीनगरतः
२०-७-६५

तत्रभवन्तो हि देवस्वरूपाः परमपूज्याः श्रीदेशिकवराः
सादरं साष्टाङ्गपातञ्च प्रणम्यन्ते। प्रणम्य चेदं विज्ञाप्यन्ते-
यत् पण्डितश्रीनाथशास्त्रिलिखितं श्रीमत्कोमलकरा-
ङ्कितञ्च पत्रं यथासमयमध्यगामि। श्रीमतां कुशलं
वृत्तञ्चावेदि। सत्यं यच्छ्रीमतोभव दर्शनं प्रत्यक्षमन्व
भावि श्रीमच्चरणानुरेणुनान्तेवासिनानेन। इतः
प्रागपि मया भवतां वृत्तपरिज्ञानाय यत्र तत्र (इन्द्र-
प्रस्थ जयपुर भरतपुरेषु) पत्राणि लिखि[illegible]।
दुरदृष्टवशात् कुतोऽपि किमप्याश्वासकारं प्रतिव-
चनं नाधिगतम्। प्रकृतं पत्रमवाप्य मम महान्
तोषो जातः। यच्छ्रीमन्तः स्वयमनुमातुं प्रक्ष्यन्ति।
तदानीं निर्गलं धारावाहितया प्रवहद्भिरानन्दाश्रु-
भिः पत्रपृष्ठे लिखितः मषीस्यासकत्वेन प्रणष्टः
प्रतिवचनप्राप्तिसंङ्कतः कृच्छ्रेणैव पठितः। किञ्चैत-
दर्थमाभीक्ष्ण्येन प्रचोदितानां वल्लजिन्नाथमहोद-
यानामृणानि शोद्धुमपारयन्नेवास्मि। तथा भवा-
दृशां सतां संसर्गस्यापि त एव महानुभावा निदानं
सन्ति। अथ सर्वदा मया चैतदेव काम्यते
यद्विहङ्गमवदुड्डीय श्रीमच्चरणाम्भोजान्तिकमे
त्य तदीयैः पावनै रजोभिरात्मानं पावयिष्ये।
किं भूयोऽपि भवतां दर्शनं स्यादिति सर्वदा
मामकीनं चेतः चिन्तया समाकुलमवतिष्ठते।
अवर्णनीया हि श्रीमददर्शनजनिता मामकीना
दशा। अस्तु पञ्चस्तव्या द्वितीयो भाग अद्यत्वे
तत्र्यराजकीयमुद्रणालये सम्मुद्राप्यते।
मासाभ्यन्तरे मुद्रणकार्यं समाप्तिमेष्यति।
[illegible] श्रीदुर्वासो रचितं शिवमहिम्नस्तोत्रम-
पि मुद्रितं भविष्यतीति मे वितर्कः।
विषयेऽस्मिन् श्रीमद्भिः प्रत्यक्षीकृतस्य श्री
दुर्वासो मुनिवरस्य चित्रमुपक्रमे प्रकाशन
स्यास्यालङ्कारतां धास्यति चेत्तस्य प्राप्ति
प्राप्तिः समये स्यात्। एतर्हि काश्मीरिक-
वासुदेवप्रणीतो वेदान्तविषयकश्चित्तप्रदीपा-
ख्यो ग्रन्थः पञ्चस्तव्या सममेव सम्मुद्राप्यते।
समये २ तत्तत्प्रदेशमाश्रितवद्भिरपि येन
केनापि स्वभक्तजनेन द्वारावश्यमेव स्मा-
रणीयोऽयमपस्मदभक्तः (परिवर्तनीयम्)

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

मदीयौ पत्रप्राप्तिसंकेतनावधस्तान्निर्दिष्टौ स्तः। ययोरेकं गृहस्यापरं कार्यालयस्येति।

(दीनानाथयक्ष सुपुत्र बुद्धदेव ज्यो० अलीकदल बुलबुल लङ्कर श्रीनगर (काश्मीर) पोस्ट आफिस रणवीरगंज)

(दीनानाथ यक्ष c/o रिसर्च एण्ड पब्लिकेशन्स डिपार्टमेंट लालमण्डी श्रीनगर (काश्मीर)

इति बद्धाञ्जलिपुटो यक्षदीनानाथः सादरं विनिवेदयति॥

तत्रभवन्तः श्रीनाथशास्त्रिणः सादरमभिवाद्य विनिवेद्यन्ते यन्मम स्वान्तमनिशं श्रीमतः स्मरणं करोति। किञ्च काश्मीरिकायुर्वेदलेखकानां तदीयकृतिनिर्देशपुरःसरं ज्ञानस्य मम परमावश्यकता वर्तते वेदवसरस्तर्हि सविवरणं तत् पत्रारूढं कृत्वा प्रहेयं महाननुग्रहः स्यादिति। मार्तण्डमाहात्म्यविषये किं कृतं भवद्भिरिति निवेदयति श्रीमतामनुचरः यक्षदीनानाथः

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

यहाँ काटें To open cut here →

To

Shri Amrit Vāgbhavachāryaji Mahāraj
c/o Dr S. N. Shastri Ayurvedacharya
Mulchand Khairati Ram Hospital Lajpat Nagar
New Delhi 14

7/1/65

fold — पहला मोड़

← तीसरा मोड़ Third fold →

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :– Sender's name and address :–

Dina Nath yachh
c/o Budhdev yach
Ali Kadal B.B. Lanker
Srinagar

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

Office Memo.

भरतपुर
ता: १८.३.४६

श्री परम गुरु पादकाभ्यो: नमः

मुझे बहुत खेद है कि मैं आप के दर्शन नहीं कर सका। यह मन ऐसी बदकिस्मती है। जब मैं स्वर्गाश्रम तक पहुँच गया था तो अब पता लगा कि आप यहाँ से चले हुये थे। मुझे मौका मिलते ही इस समय आप के दर्शन करने आऊँगे क्यों अब मुझे पता मालूम है। मेरी अभी हालत अच्छी तरह सम्भली नहीं है। यहाँ की परिस्थिती ठीक नहीं है और न रास्ता ठीक है वरना मैं आप से अर्ज करता कि आप यहाँ पधारें।

मेरी यह जिन्दगी केवल आप ही की कृपा से है नहीं तो कहीं अब तक कहीं का कहीं होता। मेरी यह बात समझ के परे है कि जब आप मुझ पर इतनी कृपा रखते हैं तो मुझे दुख किस कारण भोगने पड़ते हैं। मैं इस समय केवल आप ही के चरणों की कृपा से मौत के मुंह में से निकला हूँ। मगर मेरी यह समझ में नहीं आता कि मैं मौत के मुंह में पहुँचा ही क्यों।

अब मेरी यह हालत है कि मेरा मन किसी काम को नहीं करता है बस चुप बैठा रहता हूँ। अब जो आज्ञा है सो करूँ।

[illegible]
आपका दासानुदास
[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ भरतपुर ॥ ॥ श्रीरामजी ॥ ॥ कोठी मुह जार बाग ॥

॥ सेवामें ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ता: १४ — ८ — ४६ — ॥

श्रीमान् पूज्य पिताजी श्री बाबा महाराज के /

चरण कमलों में बेबी सतनाम कुमार की /

बहोत २ डण्डोत मालुम हो / आगे यहाँ पर आपकी क्रिपा से /
सब अच्छी तरह से है / आपकी कुशलता श्री भगवान से सदैव
शुभ चहाती हूँ / दोनों बच्चे आपके चरणों में डन्डोत अर्ज करते
हैं / श्री रानजी महाराज भी आपके चरण कमलों में डन्डोत अर्ज
करते है / बाबा महाराज ये आपकी क्रिपा है / की जो श्री /
रानजी महाराज दुनियाँ में मौजूद हैं / नहीं कोई ये नहीं कहता
था की रानजी महाराज इस दुनियाँ में हैं / महाराज आपकी
लीला बड़ी अपरम्पार हैं / श्री रानजी महाराज ने आपकी आज्ञा
का पालन न करने की वजह से ये सब दुःख भोगे हैं /
बाबा महाराज मुझे बहोत उम्मेद थी की आप पतझी तीजों के
संग भरतपुर पधारेंगे मगर खैर महाराज आपकी
इच्छा हैं / मगर बाबा महाराज आपके दर्शनों की बहोत
मन में हैं / अगर आपकी आज्ञा होय तो हम यहीं आकर
और आपके दर्शन करें आपके इरादा कब तक
[illegible] रहे हैं / बाबा महाराज जो आपने

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

बड़ें कुँवर सहाब को सात बर्ष तक सोम्वार की सोम्वार
बामन जीमाने को कहा था। और मानसा की मावस कांसे
की भी थाली नमई थी। सो आपकी क्रीपा से बड़ें
कुँवर सहाब ६ बर्ष के होगये हैं। अब थाली कांसे की
कब तक दि जावेंगी और कब तक बामन जिमायाँ
जायगा। और ज्यादा क्रिपा लिखु थोड़े को ज्यादा
समझ कर गलती को माफ करना जी।

(। खतका जबाब जल्दि देना जी)

आपकी आज्ञाकारी
बेटी
सतनाम कुमारी

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

Office Memo.

भरतपुर
ता: १८.७.४८

श्री परम गुरु पादकाभ्यो: नमः

मुझे बहुत खेद है कि मैं आप के दर्शन नहीं कर सका। यह मेरी बदकिस्मती है। जब मैं स्वर्ग आश्रम तक पहुँच गया था तो अब पता लगा कि आप पास ही ठहरे हुये थे। मुझे मौका मिलते ही हुए अब, आप के दर्शन करने आवेंगे क्यों अब मुझे पता मालूम है।
मेरी अभी हालत अच्छी तरह सम्भली नहीं है। यहाँ की परिस्थिती ठीक नहीं है और न रास्ता ठीक है वरना मैं आप से अर्ज करता कि आप यहाँ पधारें।

मेरी यह जिन्दगी केवल आप ही की कृपा से है नहीं तो कहीं अब तक कहीं का कहीं होता। मेरी यह बात समझ के परे है कि जब आप मुझ पर इतनी कृपा रखते हैं तो मुझे दुख किस कारण भोगने पड़ते हैं। मैं इस समय केवल आप ही के चरणों की कृपा से मौत के मुँह में से निकला हूँ। मगर मेरी यह समझ में नहीं आता कि मैं मौत के मुँह में पहुचा ही क्यों।

अब मेरी यह हालत है कि मेरा मन किसी काम को नहीं करता है बस चुप बैठा रहता हूँ। अब जो आज्ञा हो सो करूं।

आपका दासानुदास
नगर ...

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

...: शृंगगिरिः
4.2.80

पूज्यपादेषु महात्माहितसंपन्नेषु
भगवद्रूपेषु श्रीमदमृतवाग्भवाचार्य-
वर्येषु परश्शतप्रणामपूर्वकं विज्ञापयति
गोपालकृष्णमूर्ति शास्त्री (आन्ध्रदेशीयः)

श्रीमतामनुग्रहेण वयं सर्वे सकुटुम्बं
कुशलिनः ज्येष्ठमासे शृंगगिरिं
समागतोऽस्मि. आन्ध्रदेशे स्वग्रामे
समीपे च * यत्र विवाहादिकं समाप्य
अत्र आगतोऽस्मि. श्रीजगद्गुरवोऽपि
रामेश्वरादियात्रां समाप्य ज्येष्ठ-
मासे शृंगगिरिं समागताः

व्यासपूजा (आषाढपूर्णिमा) काले
श्रीमन्तः स्वे हस्ती स्थानमागमिष्यन्ति
इत्यादिक्रमेण एतावत्कालं पत्रलेखने
विलम्बो जातः क्षन्तव्यः.

श्रीजगद्गुरुसन्निधौ प्रातःकाले
ब्रह्मसूत्रभाष्ये तृतीयाध्याये
पाठः प्रचलति. मध्याह्ने न्याय-
शास्त्रे विचारः प्रचलति.

मत्पुत्रः विना उद्योगं, परीक्षा
मत्वा गृहे आगतः तदीयपरिस्थित्या
मनःक्लेशः - वर्षाधिक्यात् क्लेशः
अन्यच्च मनोव्याकुलस्थानानि
बहूनि आपतन्ति. स्वदेशे भूसंवि-
धिशासनेन नूतनसमया भूविषये
विवादादिना मानसिकचिन्ता वर्धते.
ईदृशपरिस्थितौ यथाशक्ति भगवदनु-
संधानं करोमि. तृप्ति नास्ति.

यथावत् भवदुपदिष्टभगवत्स्व-
प्रवेशोपाये निर्विघ्नं प्रवेशास्थैर्यं
भूयादिति श्रीचरणान् प्रार्थये.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री शिवाय गुरवे नमः   शृंगगिरिः
4. 2. 80

पूज्यपादेषु महामहिमसंपन्नेषु
भगवद्रूपेषु श्रीमदमृतवाग्भवाचार्य-
वर्येषु परश्शतप्रणामपूर्वकं विज्ञापयति
गोपालकृष्णमूर्ति शास्त्री (आन्ध्रदेशीयः)

श्रीमतामनुग्रहेण वयं सर्वे सकुटुम्बं
कुशलिनः ज्येष्ठमासे शृंगगिरिं
समागतोऽस्मि. आन्ध्रदेशे स्वग्रामे
समीपेन * यज्ञं विवाहादिकं समाप्य
अत्र आगतोऽस्मि. श्रीजगद्गुरवोऽपि
रामेश्वरयात्रां समाप्य ज्येष्ठ-
मासे शृंगगिरिं समागताः

व्यासपूजा (आषाढपूर्णिमा) काले
श्रीमन्तः डेहली स्थानमागमिष्यन्ति
इत्याशाक्रमेण एतावत्कालं पत्रलेखने
विलम्बो जातः क्षन्तव्यः

श्रीजगद्गुरुसन्निध्ये प्रातःकाले
ब्रह्मसूत्रभाष्ये तृतीयाध्याये
पादः प्रचलति - मध्याह्ने न्याय-
शास्त्रे विचारः प्रचलति.

मत्पुत्रः विना उद्योगं, परीक्षा
मदत्वा गृहे आगतः तदीयपरिस्थित्या
मनःक्लेशः - वर्षाधिक्यात् कृशः
अत्रत्य मनोज्ञकुलस्थानानि
वृष्टि आपतन्ति. स्वदेशे तु सर्वं-
त्र शोषणेन नूतनसस्या भूमि प्रये
विवाहादिना मानसिकचिन्ता वर्धते.
ईदृश परिस्थितौ यथाशक्ति भगवदनु-
संधानं करोमि. तृप्तिर्नास्ति.

यथावत् भवदुपदिष्टभगवत्तत्त्व-
प्रवेशोपाये निर्विघ्नं प्रवेशः स्यात्-
भूयादिति श्रीचरणान् प्रार्थये:

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

सीताराम तवर जी महोदयस्य
सन्ननमस्काराः।
अत्रीय पत्रिका जामान्
चैत्रितादिषम: सर्वे श्रेयः मूर्च्छयाः।
आशिषः। तेषां सौहार्दं सर्वथा
स्मरामि।
यथावकाशं आशीर्वदेषयन्तु
भवदुपदिष्टमार्गे प्रवेश्यः स्थिरता न
आनन्दाविर्भावपूर्वं यथास्यात्
तथा अनुगृह्णन्तु इति प्रार्थये।
इति सप्रणामं
गोपालकृष्णमूर्तिशास्त्री
c/o Private Secretary of Sri Mutt
Saradapeetham.
Sringeri - Kadur.
Karnataka State

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

INDIA 80

भारत 25 INDIA 25

To,
Sri Amrita Vagbhava
Acharyajee
c/o Sita Rama Tanwar
B-66 Nanakpura
(South Moti Bagh)
New Delhi

पिन PIN 110021

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

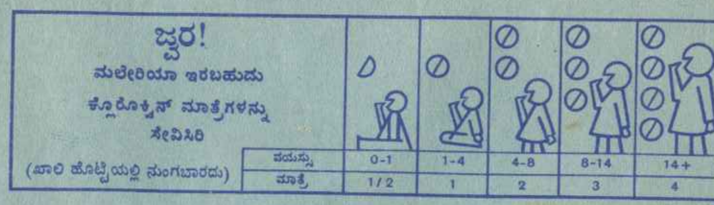
इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

गोपालकृष्णमूर्ति शास्त्री
शृङ्गेरि: कर्नाटकराज्य।

4/2/80

पिन PIN



पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्रीनगरतः   २७-१२-७१

श्रीमतां परमशिवरसास्वादक्षीबाणां महामान-नीयानां त्रिभुवनोपकरणीकृतकायानां त्रिकप्रग-हनावगाहनैः विशदीकृतान्तःकरणानां योगि-प्रवराणां परमपूज्यानां देशिकमहोदयानां चरणानु-रणेषु स्वान्तेवासिनः प्रणामाञ्जलयः समुल्लसन्तु ।

प्रणतिततीनामनन्तरमिदमावेद्यते यच्छ्रीम-मतंके पत्र श्यामलप्रदेशादाधिगतं समयेन, वृतञ्चावगतम्। एतर्हि दुष्कर्मजन्मा देवप्र-कोपो नितरां समेधते। पाकस्थानीयानि बमवर्षकाणि विमानानि द्विकृत्वोऽह्नि रात्रौ च अग्निगोलकानि प्रक्षिपन्ति स्म। येनात्रत्या जनता नितरां त्रस्यति स्म, साध्वसेन च वेपते स्म। केवलं श्रीमतां सतामनुग्रहमन्तरा न किमप्यालम्बन कारि ।

एतर्हि श्रीमतां सतामाविर्भाव एव भीतभीता-जनताः समाश्वसितुं त्रातुञ्च प्रभवति। अनुश्रूयते च छम्बसिक्टरे स्थिता भारतीया-सेना ईषदूना रिपुगौरवमहमानेव लक्ष्यते। पञ्चषष्टितमे हायनेऽपि प्रदेशेऽस्मिन्नेव भारतीया चमूः हतोत्साहा दृश्यत। केवलं श्रीमतामनुग्रहदृगेवाश्वासनजनि-का। अत्रत्या यवनाः शत्रुविमानानि दर्शं दर्शं नितरां प्रसीदन्ति स्म। स्वसद्मना-मट्टालिकासु वेगेनारोहं २ मोमुद्यन्ते स्म। येषामेकतमेन गृहवलभीमारुह्य विद्यु-ल्लतासंदर्शनेन यमसदनातिथित्वमवापि-स्वप्रातिवेश्मिकानां कतिपयैः गृहपटलैः सार्धमेव। पूज्यमहोदयास्तु यथा-पूर्वमेव प्रत्नपुस्तकानां मुद्रणप्रकाशना-दिकर्मणि नितरामुदासते।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

किञ्च राष्ट्रलोकस्य सञ्जीवनीभाष्यं द्रष्टुं
समुत्कण्ठेत (मामकीनं) चेतः कामयेत
च श्रीमद्दर्शनामन्दानन्दासन्दोहम्।
लिखितेष्वपि बहुषु पत्रेषु जयपुरतः
न किमपि प्रत्युत्तरादिकमधिगतं,-
यत्तु केवलं श्रीमतां गतिविधिं ज्ञातुमेव
मुख्योऽभिसन्धिः। [illegible] यत्
समये समये स्मर्यमाणोऽयं श्रीमद्भिरनु-
गृह्येत। काश्मीरे प्वरिष्ठादिदुर्ग्रहाणां
प्रभाव उत्तरोत्तरं वर्धमानः परिदृश्यते।
श्रीमतामेवानुग्रहदृग् यं शमयितुं
प्रभवति—
इति भवदनुग्रहं कामय-
माना यक्षाभिजनः दीना-
नाथः प्रार्थयते।

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

POSTAGE DUE
10 PAISA.

भारत
15 P INDIA 15 P

Shri
To ✻ Dvarika Nath Pandit
~~Shri His Holiness Acarya Amrta~~
Vāgbhavaji c/o ✻ Dvarika nath
Pandit Acctt state Bank
Quarter No F/167/3 Rajouri
Garden New Delhi 27 P.O New Delhi

तीसरा मोड़ Third fold

27/12/71

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—
If not delivered to proper addressee then
may be returned to Dina Nath Yachh c/o
Near Police Station Rajbag
Upper Javahernagar
Srinagar Kashmir

NEW DELHI-27
1-1-72

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

पहला मोड़ First fold

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

मुद्रणाय २३-९-६२

श्रीनगर २२-९-६२

श्रीमन्तो विविधविद्यावगाहनीकृतमानसाः परमपूज्याः

श्रीदेशिकप्रवराः साञ्जलिबन्धमावेद्यन्ते यच्छ्रीमतां
सुकोमलकराङ्कितं पत्रमितः पूर्वं यथासमयं समागतमा-
सीत्। यत्तु परिस्थितिवशादशान्तचित्ततया श्रीमदनु-
ग्राह्येण झटिति समुत्तरितुं नाशकि। किञ्चोपस्थि-
तायां विपदि पर्याकुलीक्रियमाणा काश्मीरिकी हिन्दु-
जनता नितरां दुनोतीति नास्ति तिरोहितं
श्रीमताम्। श्रीमद्भिरतीतपत्रे स्वात्मीयचित्रप्रेषणस्य
प्रतिज्ञानं कृतमिति दृष्ट्वा नितरामनुग्राह्यस्यास्य
स्वान्तं प्रसीदति। श्रीमदनुग्राह्येणानेन तद्विषये
वाराणसेयतान्त्रिकसम्मेलनस्य सामूहिकचित्रान्तर्गतं
श्रीमतां चित्रं ततो निर्धारयितुं व्यवस्था कृतासीत्।
परमधुना श्रीमत्पत्रमाश्वासकारि संवृत्तम्। आत्मविला-
साख्यो ग्रन्थः श्रीबख्शीजानकीनाथमहोदयेन नीतोऽ-
स्ति किमसौ प्रत्यावर्तयति न वेति मानसं नूनं संशेते।

श्रीमतां ग्रन्थास्तु जनस्यास्यासवः सन्ति।
इतश्च महेश्वरनाथोऽपि तदर्थं समुत्कण्ठते
किञ्च ग्रन्थस्यास्य द्वित्राः प्रतयश्चेदुपलभ्येरन्
तर्हि जनोऽयं कतिपयजनकृतकोलीनाद्विमुक्तः
स्यात्। पंचस्तव्या द्वितीयो भागोऽचिरेणैव
प्राकाश्यमेष्यति। श्रीमद्दिदृक्षोत्कलिकाकुलं
चेतः सदावतिष्ठते। समये २ श्रीमद्भिरवश्यं
जनोऽयं स्मरणादिनानुग्रहीतव्यः

इति परमादरयाति

यक्षदीनानाथः

श्रीशास्त्रिमहोदयाः!

भवतां किमपि पत्रादिकं नाद्यावधि दृष्टिपथ-
मवतीर्णम्। न चापि श्रीमन्तः स्वा~~...~~ वकाशे
माद्दशान् वराकान् स्मरन्ति। इतः प्रागपि
मया निवेदितमासीत् यदहं काश्मीरिकाणां
चिकित्साशास्त्रप्रणेतॄणां विषये नितान्तं जिज्ञा-
सुरस्मि सत्यवसरे तेषां कतिपुरःसरं विस्तारसूचना-
प्रदानेनानुग्राह्योऽयमिति

प्रार्थ्यसे
दीनानाथ।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

पहले यहां काट कर खोलिये To open cut here →

अन्तर्देशीय पत्र

INLAND LETTER

POSTAGE

10 nP INDIA १० न.पै.

22/9/65

Shri Amritavāgbhavacharyaji Maharaj

c/o

Dr Shri Nath Shastri Ayurvedacharya

Mulchand Khairati Ram Hospital

Lajpatnagar New Delhi

P. O. Lajpat Nagar New Delhi

← पहला मोड़ First fold →

← तीसरा मोड़ Third fold →

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—

22/9/65

दीनानाथ यक्ष

c/o

रिसर्च पब्लिकेशन डिपार्टमेंट

श्रीनगर लालमण्डी.

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

जयतु जगन्मंगलम् हेरम्बम
माता पुत्रं कृपासे तारय दुर्गे
अपवर्ग दाइनी ॥

श्री श्री श्री मद्भूत वागमनाचार्य जी को अवधूतेन्द्र सरस्वति का ओं नमो नारायण। श्री आचार्य जी आपको जल्दी पत्र का जबाब नहीं दे सका। १५, २० दिन से दर्द नहीं आरहा है, परसों ठण्डा जल जल्दी पीनेसे थोडा दर्द का लक्षण मालूम पड़ा, हमको दुमंजिलामें रखे थे अभी सीढ़ियां उतरना मना है। एक महिना ऐसे ही [illegible]लेगा।

कंची कामकोटि स्वामी जी को १०० पुस्तक सिकिंदाबाद में बालकृष्ण को पत्र लिखकर समर्पित करा दिये गये। श्री परशु राम स्तोत्र शृंगेरी स्वामी जी को और कामकोटि स्वामी जी को पिठवाये थे। ५०, ५०,

यहां पर साथमें रामदास है आपके श्री चरणो में साष्टांग दण्डप्रणाम रहे हैं। B.S.P. शास्त्रीजी आपको दण्ड प्रणाम रहे हैं, करीब दो महिनेसे गोपाल कृष्ण जी से मिलना नहीं हुआ, पता नहीं वे अपना गावं में है या कहीं अन्यत्र गये हैं। आप की कृपासे श्री आत्मविलास की प्रसंग से समय व्यतीत हो रहा है हमको उस ग्रन्थ से बहुत बहुत आनंद हो रहा है। और श्री भागवत एकादश स्कंद भी जहां २ आप इशारा दिये हैं नित्य देख रहा हूं १३ अध्याय देखते ही आप सामने आ जाते हैं। बराबर ऐसा ध्यान देखता रहता हूं। आपके शिष्योंको और विठि. बकशी जी को सपरिवार शायनाचार्य रामरतन मिश्रा सप्रेम नारायण स्मरण।
इति शं।
आपका अभी दिल्ली में ही रहना होगा
उपायका
स्वामी अवधूतेन्द्र सरस्वति
14.5.68. तेनालि

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

श्रीदभूत वामवाचार्य जी

C/o V. D. Baxchy ji
No. 33 - H. H. Factory colony
Jangpura
New Delhi-14

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता:- Sender's name and address:-

Swami
Avadhutendra Saraswathi
Sadhnagranthmandali
Tenali -(A.P) S.E.Rly

11/5/68

JANGPURA
16.5.68
NEW DELHI-14

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

14.5.68

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

जयपुर.
7.12.81

परम श्रद्धेय बाबा महाराज,

सादर जयशंकर.

अत्र कुशलं तत्रास्तु.

आज कल रात ६ बजे मैं यहाँ सकुशल पहुँच गया हूँ सो चिन्ता न करें। यहाँ सभी को काफी निराशा हुई यह जानकर कि आप नहीं आ पाये। स्वास्थ्य की कमजोरी के बारे में जानकर दुःख भी हुआ। आशा है अब आपको पूर्ण विश्राम लाभ होगा। ईश्वर से आपको पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना हम सभी करते हैं।

पं. श्री गोविन्द जी कल भरतपुर लौट जायेंगे। देखो फिर कब सब का मिलन होता है। ईश्वर इच्छा सर्वोपरि है।

यहाँ बैंक में मालूम करने पर निम्न विवरण प्राप्त हुआ है:—

(1) आज की तारीख में सेवाश्रम के बचत खाते में कुल रकम - रु० ११५५६/02.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

व्याज के

(1) 12.4.80 से 30.6.80 तक = 333.12
(2) 1.7.80 से 12.12.80 तक = 768.75
(3) 1.1.81 से 30.6.81 तक 768.75
(4) 1.7.81 से 31.12.81 तक 768.75

2639.37

ये केस [illegible] में देय होगी. → (4)

मैंने पं. श्री गोविन्द जी से कुछ [illegible] श्री [illegible] जी के [illegible] [illegible] का [illegible] श्री गोविन्द जी का [illegible] श्री सीताराम जी, श्री [illegible] जी, श्री [illegible] जी तथा अन्य सभी प्रेमी जनों को [illegible] [illegible] [illegible]

पहला मोड़ FIRST FOLD

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

परम श्रद्धेय श्री श्री 1008 श्री [illegible]
पं0 श्री सीताराम जी [illegible]
B-66, मोतीबाग-II
NEW DELHI

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

S.R. [illegible]
B-314, Janta Colony
JAIPUR

7/11/81

पिन PIN

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

१८, कल्याणसोसाइटी, बड़ौदा ५
अकोटा रोड
(आर. सी. पटेल एस्टेट के सामने)
बड़ोदा - ५, ३९०००५

मार्च १९८१

प्रसादरणीय महाराज जी

सादर प्रणाम।

कुछ दिन पहले अलीगढ़ गया था। बनवारी के विवाह के सम्बन्ध में। रावत जी वहाँ पधारे थे तथा उनसे आपका कुशल क्षेम ज्ञात हुआ। आजकल पत्नी अलीगढ़ में ही है तथा मार्च के अन्तिम सप्ताह अर्थात् २५ ता. के बाद आने की सम्भावना है। अब क्योंकि आवास की यथोचित व्यवस्था हो गई है, अतः आप भी कुछ दिन के लिये पधारें। यहाँ देहली की अपेक्षा तो गर्मी अत्यधिक कम होगी। मैंने देशपाण्डेय जी को पत्र लिखा था कि वे मार्च के अन्तिम सप्ताह में आवें, आपसे भेंट की सम्भावना है, उन्हें भी मार्च मास में कुछ व्याख्यानों के लिये आना है, परन्तु अभी तक कुछ उत्तर नहीं आया। कदाचित् न आ सकें। परन्तु निश्चित अनिर्णय भी नहीं है।

जहाँ तक आपके गुरु ग्यारहि की व्यवस्था है, यहीं ठीक हो सकेगी, कृपया आप पत्र द्वारा सूचित करें कि क्या आपका आना ~~[illegible]~~ २५ मार्च के बाद किसी भी दिन आना सम्भव है। यदि कुछ निश्चित संकेत ८ ता. वाले तक मिल सका तो अवश्य ही दो टिकट यहीं से [illegible] ताकि आप और (राजधानी) दिल्ली से

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

से आ सकें। मैं लगभग ८ मार्च १० ता० को यहाँ से तंजौर जा रहा हूँ तथा २४ तक लौट आऊँगा। तभी आप आने की कृपा करें। अथवा जैसी सुविधा हो। कृपया सूचित करें ताकि मैं तदनुरूप ही यहाँ से रिजर्वेशन करवा ऊँ। यहाँ अनेक व्यक्तियों की आपसे मिलने की अतीव इच्छा है, यथा डा० भगवानदास जोशी महोदय, जो यहाँ के निदेशक हैं। श्री श्रीरंगाचार्य जी, जो यहाँ पर बहुधा अध्ययन के लिये आते हैं तथा अध्यात्म में अतीव रूचि लेते हैं। तथा अन्य और कुछ पड़ोसी सज्जन भी। आने पर सबसे भेंट हो सकेगी। कृपया पत्रोत्तर शीघ्र दें।

भवदीय कृपाकांक्षी,

[signature]

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

25 INDIA 25

परमादरणीय महाराज जी
द्वारा श्री सीताराम जी
B-66
नानकपुरा (साउथ मोतीबाग)
नई दिल्ली

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

डा० ब्रह्मदत्त, जनरल एडीटर,
ओरियण्टल इन्स्टीट्यूट, तिलकरोड
बड़ौदा-2
पिन PIN 390,002

2/3/81

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

बसन्त भवन,
आदर्शनगर, अजमेर
३०·५·६५

परम पूज्य श्री आचार्य महोदय,

सादर प्रणाम।

आदरणीय पं. बलजिन्नाथजी के पत्र से ज्ञात हुआ
श्री आत्मविलास और श्री सिद्धमहारहस्य नामक
रत्नों की प्रेस कापी तैयार करने के लिए संस्कृतज्ञ
की आवश्यकता है। उन्होंने मुझे लिखा था कि
...य हो तो आप पूज्यपाद आचार्यश्री को इस सम्बन्ध में
...देकर अजमेर या फरीदाबाद, जैसा आपको और
...चार्यश्री को अनुकूल हो, प्रेस कापी तैयार कर दें।

उक्त सम्बन्ध में सादर निवेदन है कि यह तो
...भाग्य है कि मैं प्रेस कापी तैयार करने बहाने
...आचार्य-चरणों के निकट रहने का सुअवसर पाऊँगा,
...गृहस्थी के उत्तरदायित्व के कारण फरीदाबाद रुक
...क कार्य कर सकना संभव नहीं है। कारण यह है
...र यहाँ निवास अजमेर शहर से ३ मील दूर नयी
...ी (आदर्शनगर) में है जहाँ परिवार का अकेला
...संभव नहीं है। और कोई देखरेख करने वाला भी

अतः मेरी प्रार्थना है कि यदि पूज्य आचार्य-चरणों
...जमेर पधार कर मेरे यहाँ रुकना अनुकूल हो तो
...ने आप को अतिशय अनुगृहीत मानूँगा और
...न खुलने तक अधिक से अधिक समय
लगा कर उक्त ग्रन्थ-रत्नों की प्रेस कापी तैयार करने
का प्रयत्न करूँगा। यदि पारिवारिक देखरेख करने के
लिए मेरी उपस्थिति यहाँ अनिवार्य नहीं होती तो मैं
स्वयं फरीदाबाद आ जाता।

जलवायु की दृष्टि से भी अजमेर इन दिनों
में, अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, विशेष गर्म नहीं
है और आदर्श नगर भी स्वच्छ एवं शान्त स्थान है।
अतः मेरी प्रार्थना स्वीकार कर आप यहाँ पधार जाएँ
मैं कृतार्थ होऊँगा।

मेरे सम्बन्ध में संभवतः पंडितजी श्री बल-
जिन्नाथजी ने कभी उल्लेख किया हो। यों स्वयं
मैं पूज्य श्रीचरणों के दर्शन भरतपुर में पं. गोविन्दजी
मिश्र के घर पर दो बार करने का सौभाग्य पा चुका
हूँ और आचार्य-श्री की कृपा-प्रेरणा से ही ६२ में कश्मीर
गया था जहाँ श्रद्धेय पं. बलजिन्नाथजी का अनुग्रह
पाकर मैं शैवशास्त्र-सम्बन्धी अपने अध्ययन कार्य
में सफल हुआ हूँ। मेरा शोध-प्रबन्ध "काश्मीर शैवदर्शन
और कामायनी" वाराणसी से छप गया है।

अतः पूज्य आचार्य-चरणों का पुनः सामीप्य-लाभ
करने की उत्कंठा है और साथ ग्रन्थ-रत्नों की प्रेस
कापी वाला कार्य भी हो जाएगा, इसी विचार से
यह पत्र पूज्य चरणों को भेज रहा हूँ। कृपा कर
सूचित करायें कि यदि यहाँ पधारना आपके लिए
अनुकूल हो तो किस तिथि पर पधारेंगे। मैं
यहाँ स्टेशन पर उसी के अनुसार आ जाऊँगा। पत्र
ऊपर लिखे पते दिलायें।

आपका श्रद्धालु भक्त
भँवरलाल जोशी

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

बसन्त भवन,
आदर्शनगर, अजमेर
३०.५.६९

परम पूज्य श्री आचार्य महोदय,

सादर प्रणाम।

आदरणीय पं. बलजिन्नाथ जी के पत्र से ज्ञात हुआ है कि श्री आत्मविलास और श्री सिद्ध महारहस्य नामक ग्रन्थ-रत्नों की प्रेस कापी तैयार करने के लिए संस्कृतज्ञ लेखक की आवश्यकता है। उन्होंने मुझे लिखा था कि यदि समय हो तो आप पूज्यपाद आचार्यश्री को इस सम्बन्ध में पत्र देकर अजमेर या फरीदाबाद में, जैसा आपको और पूज्य आचार्यश्री को अनुकूल हो, प्रेस कापी तैयार कर दें।

उक्त सम्बन्ध में सादर निवेदन है कि यह तो मेरा सौभाग्य है कि मैं प्रेस कापी तैयार करने के बहाने पूज्य आचार्य-चरणों के निकट रहने का सुअवसर पाऊँगा, परन्तु गृहस्थी के उत्तरदायित्व के कारण फरीदाबाद रुक कर उक्त कार्य कर सकना संभव नहीं है। कारण यह है कि मेरा यहाँ निवास अजमेर शहर से ३ मील दूर नयी कॉलोनी (आदर्शनगर) में है जहाँ परिवार का अकेला रहना संभव नहीं है। और कोई देखरेख करने वाला भी नहीं है।

अतः मेरी प्रार्थना है कि यदि पूज्य आचार्यचरणों को अजमेर पधार कर मेरे यहाँ रुकना अनुकूल हो तो मैं अपने आप को अतिशय अनुगृहीत मानूँगा और कालेज खुलने तक अधिक से अधिक समय लगा कर उक्त ग्रन्थ-रत्नों की प्रेस कापी तैयार करने का प्रयत्न करूँगा। यदि पारिवारिक देखरेख करने के लिए मेरी उपस्थिति यहाँ अनिवार्य नहीं होती तो मैं स्वयं फरीदाबाद आ जाता।

जलवायु की दृष्टि से भी अजमेर इन दिनों में, अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, विशेष गर्म नहीं है और आदर्श नगर भी स्वच्छ एवं शान्त स्थान है। अतः मेरी प्रार्थना स्वीकार कर आप यहाँ पधार जाएँ मैं कृतार्थ होऊँगा।

मेरे सम्बन्ध में संभवतः पंडितजी श्री बलजिन्नाथ जी ने कभी उल्लेख किया हो। यों स्वयं मैं पूज्य श्रीचरणों के दर्शन भरतपुर में पं. गोविन्द जी मिश्र के घर पर दो बार करने का सौभाग्य पा चुका हूँ और आचार्यश्री की कृपा-प्रेरणा से ही ६२ में कश्मीर गया था जहाँ श्रद्धेय पं. बलजिन्नाथ जी का अनुग्रह पाकर मैं शैवशास्त्र-सम्बन्धी अपने अध्ययन कार्य में सफल हुआ हूँ। मेरा शोध-प्रबन्ध "काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी" वाराणसी से छप गया है।

अतः पूज्य आचार्य-चरणों का पुनः सामीप्य-लाभ करने की उत्कंठा है और साथ ग्रन्थ-रत्नों की प्रेस कापी वाला कार्य भी हो जाएगा, इसी विचार से यह पत्र पूज्य चरणों को भेज रहा हूँ। कृपा कर सूचित करायें कि यदि यहाँ पधारना आपके लिए अनुकूल हो तो किस तिथि पर पधारेंगे। मैं यहाँ स्टेशन पर उसी के अनुसार आ जाऊँगा। पत्र ऊपर लिखे पते दिलायें।

आपका श्रद्धालु भक्त
भँवरलाल जोशी

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 15 P.

पूज्य श्रीमद् अमृतवाग्भव जी महाराज
c/o. श्री कस्तूरीलाल जी आनन्द
आनन्द भवन C-3, N.H.5,
P.O. फरीदाबाद,
Faridabad Township
(Haryana)

तीसरा मोड़ Third fold

पहला मोड़ First fold

दूसरा मोड़ Second fold

प्रेषक का नाम और पता :— Sender's name and address :—

30/3/65

भँवरलाल जोशी
बसन्त भवन,
आदर्शनगर, अजमेर (राज॰)

इस पत्र के भीतर कुछ न रखें ... ENCLOSURES ALLOWED

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

सालीया - अनन्तनाग
काश्मीर
12 - 9 - 62

पुज्यपाद श्री स्वामीजी महाराज

साष्टांग परनाम आपकी जय हो

दया करके अपनी कुशल लीखें - आप ने म्हारां माला गायत्री मंतर के करने को अगया दी थी - मगर प्रारथना है कै मैं ऐसा करने में असमरथ हूं - सिरफ एक माला करता हूं

दया करके अपनी अगया लखें -

अपनी शरीर के बारे में जलदी लखें ताकी फीकर दूर हो

आप का दास
काशीनाथ रैना सालीया

پوجیہ پاد شری سوامی جی مہاراج

ساشٹانگ ڈنڈوت - دیا کر کے اپنی خیریت سے مطلع کریں - آنجناب نے سیوک کو ہر روز بارہ مالائیں گائتری جپ کرنے کو آگیا دی تھی - مگر سیوک اس بارے میں اسمرتھ ہے - صرف ایک مالا روز کرتا ہے - اس لئے [illegible]

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

CABLES: "LAKHOJI"
BHARATPUR.

DR. R. C. GUPTA & CO.

DIRECT IMPORTERS, CONTRACTORS & REGISTERED DEALERS

BHARATPUR

(INDIA)

Ref. No. ....

श्री:।

DATE १९ — २-५२ 194

अनन्त श्री पूज्य पाद परब्रह्म परमात्म स्वरूप श्री बाबा महाराज के पुनीत पाद पद्मों में दासानुदास के कोटिशः प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वतः कुशल मस्तु। अपराध क्षमा हों इन दिनों श्री पुरोहितजी को अधिक परिश्रम करना पड़ा अतः अनवकाश के कारण वह नहीं मिल सके अब तारीख १३-२-५२ को यह पत्र उनसे लिखवा कर आपकी सेवार्पित है विज्ञप्ति पुनः लिखूंगा इस सम्बन्ध में कोई चिन्ता की बात नहीं है बात यही है अन्यवास्थितता के कारण ही यह सब अपराध होते रहते हैं कृपया क्षमा करें। श्री जयराम जी की ५०) की मनी आर्डर आया था ~~.........~~ उसको धन्यवाद सहित

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्री चम्पालाल जी को पत्र लिखा रखा है इस समय नहीं मिलने से इस पत्र के साथ न भेज-सका क्षमा करें [illegible] मैंने वासन्त को पता दिया है। शेष श्रीकृष्ण कृपा॥

आपका दासानुदास:

गोविन्द

ता० २० - २ - ५२

"श्री" "श्री"

श्री परमपूज्य [illegible] मेरे भी अरब [illegible] साष्टांग दण्डवत है स्वीकृत हो। आपकी [illegible]

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ

P. Parmanand
M. A.
Retired Accountant General
Phone — 160

BASANT BAGH,
SRINAGAR, KASHMIR.

Camp Jammu (Tawi) 18-3-1963

पूज्य स्वामी जी महाराज,

पाद प्रणाम्। मैं १०-३-६३ रविवार को धर्मार्थ विभाग के कार्य के सम्बन्ध में जम्मू आया हूं। प. टीकालाल खजांची से आप के दिल्ली में होने का पता लगा। उन से यह सुनकर भी बड़ा खेद हुआ, कि आप गत वर्ष दो मास श्रीनगर में थे, और मुझे पूज्य पाद के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त न हुआ।

मेरे जीवन का एक ही ध्येय अर्थात संस्कृत भाषा का प्रचार सफल नहीं हुआ। दस वर्ष से शारदा पीठ चल रहा है। अपना सर्वस्व लगाकर बड़ा विशाल चार मंजला भवन और एक हाल बनवाये। वाराणसी से साहित्याचार्य, व्याकरणाचार्य भी लाये, उनको पर्याप्त वेतन, अन्य सुविधाएं देकर भी कुछ न बना। कारण यही था, कि वह संस्कृत के प्रति अनुराग हीन थे। इन तीन व्यक्तियों में से एक ही का कार्य थोड़ा सन्तोष जनक था, मगर पिछले अगस्त मास में, उसके मस्तिष्क में कुछ विकृति हो गई, और उस ने अपने वृद्ध माता, पिता, धर्मपत्नी और दो बच्चों को त्यागकर २५ वर्ष की अवस्था में संयास ले लिया। उसका वैराग्य कृत्रिम ही है, और मस्तिष्क की विकृति के दूर होने पर उसको अपने किये पर पश्चाताप ही होगा। अस्तु। शेष दो व्यक्तियों को वापिस ही जाना पड़ा, क्योंकि उन में न योग्यता थी, न संस्कृत का प्रेम। परिणाम यह है, कि जब कई वर्षों के बाद, हिंद सर्कार से संस्कृत के लिये सहायता की हमारी प्रार्थना सफल होने वाली थी, हमको संस्कृत विभाग को, अध्यापकों के अभाव के कारण स्थगित करना पड़ा। यह है शारदा पीठ की इस समय की दशा।

मैं ने पिछले दस वर्ष से किसी के सामने धन की भिक्षा के लिये अपना हाथ नहीं फैलाया। केवल योग्य अध्यापकों के अनवेषण में ही लगा रहा। मुझे पुरा विश्वास था, कि योग्य अध्यापकों के द्वारा संस्कृत का प्रचार होने पर शारदा पीठ की ख्याति बढ़ जायेगी और धन फिर स्वयं आजाएगा। मगर इस कार्य में भी सफलता नहीं हुई।

इस समय हमारे पास ४५० छात्राएं हैं। ग्रीष्म काल में परीक्षाओं के परिणाम निकलने पर संख्या और बढ़ जाएगी। २५० छात्राएं यवन धर्मानुयायी हैं, सब के सब हिन्दी पढ़ती हैं। और संस्कृत शिक्षा पाने के लिये उत्सुक हैं।

पाकिस्तान भी कश्मीर के पीछे लगा है, मगर हमारी हिन्दू जाति ने ही, इस देश को पहले से पाकिस्तान बनाया है। आर्य संस्कृति का पूरा लोप हुआ है। कन्याओं को भी संस्कृत पढ़ने से रोका जाता है। दूसरे शंकराचार्य का कब जन्म होगा, जो संस्कृत के प्रति इस बढ़ती हुई अरुचि का नाश करेगा।

दो वर्ष पहले भी मैं ने श्रीनगर में पूज्य पाद से इस विषय में प्रार्थना की थी, मगर अब तक मेरी इस प्रार्थना का कोई परिणाम नहीं निकला। कृपया आप इस धर्मभ्रष्ट देश को आगे पतन से बचावें, और जयपुर [illegible] से, त्याग भावना वाले

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

योग्य अध्यापकों को यहां संस्कृत संस्कृति की रक्षा और प्रचार के लिये प्रेरित करें। उनकी यहां पर अच्छी सेवा की जायेगी। पूज्य पाद के आदेश का कौन उल्लङ्घन कर सकता है।। आशा है, कि इस शुभ कार्य में शीघ्रातिशीघ्र मेरी सहायता होगी, ताकि मेरा कुछ देर जीवित रहना निष्फल न हो। संस्कृत प्रचार के अतिरिक्त इस संसार में मेरा और कोई संकल्प नहीं है।।

मैं एक दो दिन में श्रीनगर वापिस जा रहा हूं।

हिंदी में पत्र व्यवहार करने का अभ्यास नहीं। ४३वें वर्ष में हिंदी और संस्कृत सीखने का अभ्यास आरम्भ किया।

पत्रोत्तर से अनुगृहीत करें, ताकि मेरा इस कार्य में उत्साह नष्ट न होजाये।

पूज्य पाद का सेवक

परमानन्द

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

लखनऊ
२६.६.६३

परमादरणीय आचार्य जी,

सादर चरणवन्दन।

आपके दर्शन का पुण्य प्राप्त कर हम दोनों सकुशल १८ तारीख की प्रातः लखनऊ आ गए। आपसे जैसा कि मैंने संकेत किया था एक समस्या को लेकर ही उलझे थे अतः पूर्व लिख पाने का, इच्छा रहते हुए भी, अवकाश न मिला।

आपके लिए हमारे द्वारा की गई प्रशंसा-निन्दा का अर्थ क्या। फिर भी शैवशास्त्र में इतने सुलझे चिन्तन और निराकुल अनुभूति मैंने जीवन में सिर्फ दूसरी बार ही देखी। एक बार पूज्य कविराज जी के चरणों में और दुबारा आपके चरणों में। मैं इस आशीर्वाद की प्रार्थना करना चाहूंगा कि यह सौभाग्य मेरा हमेशा बना रहे। यह बात एकमात्र आपकी कृपा से = "गुरुतः" ही संभव है।

यहाँ आने पर मैंने अपने विभागाध्यक्ष से आपके दर्शन की बात कही थी। वे भी बहुत उत्सुक हैं। और उन्होंने मुझसे अनुरोध किया है कि मैं उनकी ओर से आपसे निवेदन एवं आग्रह करूँ कि आप लखनऊ अवश्य आएँ। अब आप कृपया लखनऊ आने का कार्यक्रम अवश्य बनाएँ। कृपया आप सूचित करें तो वहाँ से आने की व्यवस्था हो जाएगी। हम लोग इस निर्णय के लिए अत्यन्त आभारी होंगे।

पुस्तकों के लिए मैंने श्री गोविन्द मिश्र जी को कल लिखा है। आशा है समय पर मिल जाएंगी। श्री बख्शी जी से कृपया मेरा स्नेहवन्दन कहिए।

शेष कुशल है। आशा है. आप प्रसन्न एवं निरामय होंगे।

सादर,

आशीर्वादकाम

[illegible]

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE INDIA १० नये

27.6.63 12 5PM

H.H. Acharya Amrit Vagbhava Ji
c/o Shri Govind ~~Pt. Shri V.B. Bakshi~~
Jee Miharaj ~~Office Superintendent~~
Cholwija ~~Hindustan Housing Factory~~
P.O. Bharatpur ~~Okhla, Jungpura, New Delhi~~
(Rajasthan)

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—

Navjivan Rastogi
Raja Bazar,
Lucknow

26/6/63

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

पहले यहां पर खोलिये To open cut here

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

॥ श्रीः ॥ ५ जयपूर रोड

पूजनीय आचार्यजी के चरणों में
सादर प्रणाम।

आप का आशीर्वाद पत्र मिला। बहुत प्रसन्नता तथा धन्यता मुझे और मेरे पतिदेवजी को मालुम हुई। चिरंजीव जयंत सरकारद्वारा आयोजित भारत यात्रा पर है। आप के अवितथ आशीर्वाद उस के भावी यश के लिये शुभ चिह्न ही है ऐसी हम दोनो दृढ श्रद्धा रखते है।

दिल्ली मे चिरंजीव जयंत का पुनरागमन ता. ५ मार्च से ता. १८ मार्च तक होगा। फिर एप्रील मे यदि 'पद्मभूषण' पदवी प्रदान करने का समारोह होगा ऐसी की संभवना है तो उस के साथ हम दोनो भी दिल्ली आयेंगे और आप के दर्शन करेंगे।

भगवान की कृपा से यहाँ सब कुशल है। आप के कुशल की कामना हम दोनों करते है।

शुभ कामनाओं के साथ हम है
आप के
सौ. सु. नारलीकर तथा । वि. वा. नारलीकर

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ता. क.

आप के ग्रन्थ हमें मिल गये। प्रकाशक के पते पर धन्यवादों के साथ प्राप्ति का पत्र भेजा था। आशा है कि वह पत्र आप को मिल गया होगा।

सौ. सु. ना.

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

पूज्य श्री अमृतवाग्भवाचार्य
c/o एस. के. दास
एजन्ट स्टेट बैंक ऑफ़ इन्डिया
कानपूर

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—

सौ. सु. नारळीकर
जयपूर रोड
अजमेर

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

To open cut here

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

विष्णु वासुदेव नारलीकर,
अध्यक्ष,
राजस्थान जन सेवा आयोग,

७ जयपुर रोड़,
अजमेर

दिनांक २५ सितम्बर, १९६४

आचार्य अमृतवाग्भव,
~~मोस्पुरा,~~ चौबुर्जा,
भरतपुर (राज०)

महोदय,

मैं आपके आशीर्वाद [illegible]र शुभकामनाओं के पत्र के लिये आभारी हूं। हम आपके पत्र को रेका[illegible]र रखेंगे ताकि डा० जयन्त, जो आगामी फरवरी में भारत आने वाले [illegible] भारत आने पर उसमें लिखे श्लोक को पढ़ सकेंगे। आप उन सभी म[illegible]भावों को भी जो डा० जयन्त की मातुश्री और मेरे नाम आपके भेजे बध[illegible] पत्र में साथ हैं, मेरी ओर से धन्यवाद दीजियेगा।

सादर,

आपका,
वि० वा० नारलीकर
(वि० वा० नारलीकर)

यहाँ काट कर खोलिये To open cut here →

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE
10 nP INDIA १० नपै

आचार्य अमृतवाग्भव,

~~[illegible]~~ चौबुर्जा,

भरतपुर (राजस्थान)

पहला मोड़ First fold

दूसरा मोड़ Second fold

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :– Sender's name and address :–

BHARATPUR

वि० वा० नारलीकर,

७ जयपुर रोड़, अजमेर

25/9/65

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

L. 2 No. 181/59 ESTD. 1936 Phone : 25025

Kesarapalli Anjaneyulu, Umma Janardana Rao,

TOBACCO MERCHANTS & COMMISSION AGENTS.

36, VARADHAMUTHIAPPEN STREET, MADRAS-1.

కేసరపల్లి ఆంజనేయులు, ఉమ్మా జనార్ధనరావు,

పొగాకు వ్యాపారము అండు కమీషన్ ఏజంట్లు

36, వరదాముత్తియప్పన్ వీధి, మదరాసు-1.

अवधूतेन्द्र
सरस्वती स्वामी · वासुदेव । Dated 20-4-1973

प्रभो, शम्भो हीनं विहित ~~शरण~~ त्वच्चरणयोः

महामहिम श्री अमृत वाग्भवाचार्य चरणों में

ओं नमो नारायण । अभी इस समय में रैल

में बैठकर लिख रहा हूं करीब दो घंटे से आप ही

मेरे हृदय में विराज रहे हैं, इस समय ठीक ३

बजे रात हुआ । वासुदेवा महानुभाव

शम्भो दया दृष्ट्या पश्यन् - - - - - - - - -

वासुदेव, वासुदेव वासुदेव,

केवलानंद रूपा वासुदेव सच्चिदानंदा ~~शम्भो~~

शम्भो, परमशिवा, वासुदेव । वासुदेव

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

दूरभाष : ५६५७०७

डा० मोहनलाल श्रीवास्तव
एम०ए० पीएच०डी०

५१/१, न्यू मार्कीट (चिबटी)
करोलबाग, नई दिल्ली-५.

४ जुलाई, १९७३

पूज्य आचार्य अमृतवाग्भव के जन्म दिन
के उपलक्ष में
मोहनलाल श्रीवास्तव का अभिवादन

शङ्कर अमृत जीवन
अभिनव वाक मनोहर,
धवल अमल स्वर गङ्ग
विलसति नाद सहोदर।

पूर्ण सरस शुक्लाङ्कित
नित्य सुखद प्रिय सावन,
सुलभ सुयोग सुहावन
शत प्रणाम मन भावन!

मोहनलाल श्रीवास्तव

पूज्यवर्य,

दोनों रचनायें आपको समर्पित हैं। आपके पावन जन्म-दिन पर भगवान शंकर से प्रार्थना है कि आपको सुदीर्घ, सुयोग जीवन दें। आप मेरे ऊपर ममता और कृपा की दृष्टि रखकर, अपना शिशु सेवक समझकर सुधारें।

आपको समर्पित
मोहनलाल श्रीवास्तव

अक्षत, कुमकुम, तुलसीदल - आपके लिये

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

दूरभाष :

डा० मोहनलाल श्रीवास्तव
एम०ए० पीएच०डी०

५१/१, न्यू मार्कीट (लिबर्टी)
करोलबाग, नई दिल्ली-५.

मेरे मानस का चन्दन बन सूख न जाये, शेष साधना।

कुछ ही शब्द समझ पाया हूँ,
बस उनमें ही खो जाता हूँ,
जब भी भाव जगे उनसे मिलूँ
क्या जाने क्यों सो जाता हूँ,
गीत तुम्हें जो प्रिय है प्रियतम
स्वर उसका गुनगुना रहा मन;
रूठ न जाना शेष कामना — १

छनती किरन धरा को चूमे
मेरा मन सावन सा झूमे,
दूर कहीं सागर के तट पर
सीपी के उर मोती चूमे,
जाने क्यों गति सी आयी है
भरती आँख, सिहर जाता तन
दूर न जाना शेष वासना — २

मेरे मानस का — — — —

मोहनलाल श्रीवास्तव

इस ओर

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

K. Rajababaiah, B.A., B.Ed.,
HEADMASTER,
Zilla Parishad High School.
MEMBER,
Board of Secondary Education, Andhra Pradesh.
MEMBER,
Academic Council, Andhra University.

STATION ....

Date ....

Sree, Sree, Sree. Acharya Swamiji Vari
Divya Pad Padma Sannidhi. With most
respectful Pranams your Pada Dhuli one Mrs.
K. Satyavathi respectfully wishes to put a few
words. Reverend Sir. Ever since I had the blessed
opportunity to meet you at Hyderabad I was al-
ways wishing to meet you again and listen to your
great instructions. Sree Sree Avadhutendra Swamy
was affected by an infarct in his heart on
the 6th inst. and consequently is suffering from
a very acute pain the chest and extreme
degree of weakness. I am ashamed to say that
in spite of our care he has not yet improved
physically to any great extent, He will take
another 3 months to be on his legs. At present
all his programmes are cancelled & he can
think of any only after 4 months.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

But the mental cheer he is experiencing is remarkable. I have not for once noticed any word of pain but only Vasudeva & Hare Rama. He goes on thinking ~~the~~ i.e. experiencing the Drug, Druggist, Disease and the laid one as Atma Vilas. He does not feel ill at all. We only are forcing drugs & rest on him and we feel the necessity of his body to this poor country. All of the attendants are amazed at his cheerfulness. He is day & night thinking only of Atma and Vilas. May your majesty bless us also with such cheer and determined mind.

Pray sir is it possible for him to recover if he goes on at this rate. I remain.

Sir,

with greatest respects.

and Pranams -

your servant.

K. Satyavathi.

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

K. Rajababaiah, B.A., B.Ed.,
HEADMASTER,
Zilla Parishad High School.
MEMBER,
Board of Secondary Education, Andhra Pradesh.
MEMBER,
Academic Council, Andhra University.

STATION..........

Date..........

Om Namo Narayana to the holy feet of
Sree, Sree Sree Pujya Pada Acharyaji.
Very happy to receive your holy blessings
through your letter. Ever since I had the
blessed opportunity to see you and
be instructed by you I was and am always
only thinking and experiencing only the one
sloka from your Athma Vilas. namely
Atmanam Swvilasena Visvarupena Bhasayan
I pray that you may bless me that I should for
ever and always experience only his Vilas. For the
present being unable to write I am sending my
word through the doctor (attendent). Your Jai Sankar
was duely conveyed to Ramadasji, B.P.S. Sastriji
and the Doctor. Sree Gopala Krishna Sastriji is away
So your Jai Sankar will be conveyed on his

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

arrival.

you have intructed ~~that~~ Parasurama Stotra to be translated into Telugu where in the Sloka should be in Nagarlipi. Here even the Sanskrit Pandits are more accoustomed with andhra lipi and Sree B. P. Sastriji has advised the Sloka to be Andhra lipi and Tatparya in andhra. So we are doing it accordingly. But if you instruct that it should be Nagari we shall do it accordingly. We shall try to send you ~~the~~ books by

Parasurama Jayanthi. I, Ramadas, B. P. S Sastri & the lady Doctor send our respected Pranams to your holy feet.

I remain.
Sir.
For Sree Avadhutendrai

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

भारतेन्दु शर्मा 'अडराज' — श्री — मार्तण्ड (मटन)
कश्मीर
१६-८-६०

आदरणीय पूज्य श्री गुरुजी महाराज, के चरण कमलो मे सादर
प्रणाम।

आदरणीय गुरुजी मैं आज दोपहर को श्रीनगर
से अनन्तनाग होता हुआ यहाँ मार्तण्ड (मटन) आ गया हूँ और
कल यहाँ से पहलगाँव चला जाऊँगा। यहाँ आज शाम को
'छड़ी' भी पहुँची है और उसके साथ साधुओं की
बहुत कम है लगभग 400-500 होंगे और इतने ही पुलिस के सिपाही
सुरक्षा के लिये है यहाँ पर पहिले एक सप्ताह से यहाँ दंगे
हो रहे है इस कारण यहाँ यात्रियों का आगमन कम है
आगे समाचार यह है कि मैं मटन
मे डा० जीयालालजी होतचन्दर साहब के घर ठहरा हूँ और
इनका आदर-सत्कार बहुत उत्तम है
गुरुजी आपके आशीर्वाद से
अभी तक किसी प्रकार का यात्रा मे कष्ट नहीं हुआ है और
आगे भी नहीं होगा।
श्री सीतारामजी व पं० जी के परिवार तथा
अन्य सभी को 'जयशंकर' सात हो

आपका।
भारतेन्दु शर्मा

जीयालाल जी की इच्छा है कि वो अपनी
दुकान आषाढ या कार्तिक मे बन्द करना
चाहते है इसलिये सारी बाजार की हालत
लिख ~~आपको~~ आप मन्त्र देखकर
लिखें कौन सा दिन अच्छा
रहेगा।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्रीमान पूज्यपाद प्रातः स्मरणीय
चरन कमल के में दास
को दण्डवत पादप्रणाम आशा है
आप कुशल पूर्वक होंगे।
दास ने पुराना पता पर पत्र लिखा
था, शायद आप को मिल होगा
मैं ने उस में निवेदन किया था
कि दास को दुकान सदा के वास्ते
बन्द करना है अतएव कोई अच्छा
दिन असौज मास अथवा कार्तिक
मास में देखें, और उस के
अनुसार दास को सूचित
करें
आप चरणों का
दास जियालाल

प०
सीता राम
जी को नमस्कार

P.O- Martand
Via- Anantnag
(Kashmir)

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 25 25

सेवा में
पूज्य श्री गुरुजी
C/o श्री सीताराम जी
B-66 साऊथ मोती बाग
South Moti Bagh, नई दिल्ली-21
New Delhi- पिन PIN 110021

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

18/8/8

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—
भारतेन्दु शर्मा "अनुराग"
मार्तण्ड (मटन)
कश्मीर
पिन PIN 192125

बुखार!
हो सकता है मलेरिया ही हो!
क्लोरोक्विन गोलियां लें
(गोलियां खाली पेट न लें)

उम्र (वर्ष)	0-1	1-4	4-8	8-14	14+
गोलियां	1/2	1	2	3	4

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

मार्तण्ड शर्मा अनुराग ॐ श्री नगर (कश्मीर)
15-8-1980

आदरणीय पूज्य श्री गुरु जी महाराज,

चरण कमलों मे सादर प्रणाम। आशा है आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा। और अभी आप मोती बाग मे ही निवास कर कर रहे होंगे।

आगे शुभ समाचार यह है कि आज छः दिनों की भाग-दौड़ के पश्चात श्री पँ. बलजीत नाथ जी के दर्शन हो गये हैं और मैंने आपके द्वारा दिया गया पत्र उन्हें दे दिया है। यह पत्र मैं पं. जी घर मे बैठ कर लिख रहा हूँ इस समय रात के 9.15 से कुछ ज्यादा समय हो गया है।

महाराज जी। 'पं. जी' को तलाश करने में छः दिन और कितना घूमना पड़ा यह तो मैं दिल्ली वापस आने पर ही विस्तार पूर्वक बताऊँगा। इस पत्र मैं कुछ विवरण दे रहा हूँ

गुरु जी, जंमू मे तलास करने और दो दिन के बाद श्री नगर का पता मिला। परन्तु यहाँ आने पर पता चला कि जो पता दिया गया था वो गलत है। फिर खोज करते-करते पं. जी के गाँव का पता मिला जिसका नाम 'कुलगांव' है 'कुलगांव' जाने के लिए खुलगांव, सी~~पयाग~~ और सीपयाग से 22 कि.मी. पैदल यात्रा करके कुलगांव पहुँचा वहाँ पता चला कि पं. जी वापस श्री नगर चले गये। तो श्रीनगर का पता श्री जानकी नाथ जी ने दिया और कुलगांव से अवगत नाग।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

होता हुआ अब श्रीनगर में पामपोश कॉलोनी के पं०जी
के घर 8 बजे पहुँच गया हूँ।

गुरु जी यह तो मेरी दैनिक यात्रा
का विवरण है।

श्री सीतारामजी तथा परिवार के अन्य सभी
सदस्यों तथा पंडित के परिवार के सदस्यों और अन्य सभी
को 'जयशंकर' ज्ञात हो।

आपके आशीर्वाद से यात्रा
आनन्द-पूर्वक चल रही है।

आपका
भारतेन्दु शर्मा 'अनुराग'

पहला मोड़ FIRST FOLD

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 25

सेवा में
पूज्य श्री आदरणीय गुरु जी
पं० श्री सीताराम जी
B-66 साउथ मोती बाग
नई दिल्ली-21, नयी दिल्ली
पिन PIN 110021

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—
भारतेन्दु शर्मा
श्री नगर - कश्मीर
पिन PIN

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

श्रीनगर (कश्मीर)
30 अगस्त, 1980

श्री

मातेश्वरी गंगा अनुरागी

आदरणीय पूज्य 'श्री' गुरुजी चरण कमलों में सादर प्रणाम।

आशा है आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा। कल भाई साहब (देव) का पत्र प्राप्त हुआ था उसमें आपके दिल्ली ही में निवास करने का समाचार प्राप्त हुआ।

पूज्य गुरुजी आपके आशीर्वाद से मैं श्री 'अमरनाथ जी' के दर्शन करके लगभग एक सप्ताह पूर्व ही यहाँ सकुशल वापस आ गया हूँ। भगवान श्री अमरनाथ जी के दर्शन करके मन को बहुत ही शान्ति एवं प्रसन्नता हुई कि प्रभु के दरबार में निर्विघ्न पहुँच गया। वहाँ पर बड़े आराम से पूजा की। 'गंगाजल', बेलपत्र, धतूरे का फल एवं अन्य पुष्पों को अर्पित किया। परशाद भी चढ़ाया, [illegible] वालों ने जो खूब [illegible] की मलाई तथा रोली, मोली आदि भी अर्पित की। आपकी तरफ से भगवान 'श्री अमरनाथ जी' को प्रणाम निवेदन किया। उसके पश्चात अन्य सभी घर के सदस्यों, इष्ट मित्रों और अन्य सभी की तरफ से भी प्रणाम निवेदन किया। आते समय, वहाँ से 'सोनद मठ' 'अमरगंगा' जल और परशाद अपने साथ लाया हूँ जो दिल्ली आने पर आपको दूँगा।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

गुरुजी, आते समय मैं 'बालताल' के मार्ग से वापस आया था।
तो आप जानते ही हैं कि मेरी पहले सोची हुई बात कभी
पूरी नहीं होती है। इसलिए भगवान श्री अमरनाथ जी के दर्शन भी
समय से पूर्व ही हो गये। जैसी प्रभु इच्छा।
आर्थिक कठिनाई के कारण मैं बीच में
पत्र नहीं लिख सका। इसके लिए क्षमा चाहता हूँ। अब एक सप्ताह
अन्दर दिल्ली पहुँच जाऊँगा।
यहाँ पण्डित जी की सुपुत्री की तरफ से आपको प्रणाम
कहो। श्री सीतारामजी एवं पण्डितजी (C-22) के घर के सभी सदस्यों
या अन्य सभी को 'जयशंकर' स्वीकार हो।

आपका अनुराग
भारतेन्दु शर्मा

कुछ गलत लिख दिया। अनजाने में
तो क्षमा करें।

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

सेवा में,
पू. श्री गुरुजी
आदरणीय पण्डित श्री सीतारामजी
C/o ... B-76 साउथ मोती बाग
नई दिल्ली-21
NEW-DELHI
पिन PIN 110021

30/8/87

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—
भारतेन्दु शर्मा (अनुराग)
श्रीनगर (कश्मीर)
पिन PIN 190015

पहला मोड़ FIRST FOLD
दूसरा मोड़ SECOND FOLD
तीसरा मोड़ THIRD FOLD
खोलने के लिए यहाँ काटिए TO OPEN CUT HERE

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

भारतेन्दु शर्मा 'अनुराग'

ॐ

मटीपुरा
श्रीनगर-कश्मीर
16/8/80

आदरणीय पूज्य श्री 'गुरुजी' महाराज,

चरणकमलों में सादर प्रणाम। आशा है आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा। आपके आशीर्वाद से मैं भी ठीक हूँ।

आगे समाचार यह है कि मैं कल (15/8/80) 'क्षीर भवानी' मन्दिर दर्शन करने गया जो तुलमुल्ला में है। बहुत ही शान्त और अच्छा है मेरा मन तो यहां रहने को कर रहा है इसीलिए मैं श्री अमरनाथ जी की यात्रा के बाद 10-15 दिन यहां रहना चाहता हूँ अगर आपकी आज्ञा हो तो रहने का प्रबन्ध आराम से हो जायेगा। यह पता कर लिया है।

और आज (16/8/80) मैं श्री शंकराचार्य मठ तथा हरिपर्वत पर भगवती सारिका माँ के दर्शन करने भी गया। सारिका भगवती का स्थान सिद्ध पीठ है और कल (17/8/80) सरकारी बस में झीलों की सैर करने जाना है तथा परसों (18/8/80) को बारामूला में भगवती शैलपुत्री देवी के दर्शन करने जाना है तथा (19/8/80) को श्रीनगर शहर के मन्दिरों के दर्शन करने हैं तथा 20/8/80 को मैं यहाँ से चल पड़ूंगा। यह सारा कार्यक्रम भ्रमण के लिए पं० श्री बलजिन्न नाथ जी का बनाया हुआ है।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

गुरुजी, इससे पहले लिखे पत्र भी
आपको प्राप्त हो गये होंगे
आपकी कृपा से
'श्री अमरनाथजी' की यात्रा कुशल-
पूर्वक होगी ऐसी मेरी धारणा है और
आपका आशीर्वाद भी है सत्य
श्री सीतारामजी तथा
पं० जी के घर के सभी सदस्यों
और अन्य सभी को 'जयशंकर'
ज्ञात हो

आपका
भारतेन्दु शर्मा
पुनः-
यहां पं० जी श्री लडकों ने आपको प्रणाम
लिखवाया है मैं इन्हीं के घर ठहरा हूं

मुनशीपुरा-श्रीनगर

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

SRINAGAR G.P.O. 190001
18 AUG 1989

जनता की ...
COMMUNITY DEV...
ONLY HOPE OF MASSES

भारत INDIA 25 25

सेवा में
पूज्य श्री आदरणीय गुरुजी
द्वारा :- श्री सीतारामजी
B-66 सालग्राम मोती बाग
नई दिल्ली - 21
NEW-DELHI पिन PIN 110021

तीसरा मोड़ THIRD FOLD
दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—
16/8/89
भारतेन्दु शर्मा अनुराग
नई पुरा - श्रीनगर 190015
काश्मीर
पिन PIN 190015

C/o श्री भूषण लालजी पण्डिता
फॉरेस्ट रेन्जर
जामपोश कालोनी नौ...

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

मार्तेन्दु शर्मा अनुराग — श्री — श्रीनगर (कश्मीर)
30 अगस्त, 1980

आदरणीय पूज्य 'श्री' गुरुजी

चरण कमलों में सादर प्रणाम!

आशा है आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा। कल भाई साहब (रवि) का पत्र प्राप्त हुआ था उसमें आपके दिल्ली ही में निवास करने का समाचार प्राप्त हुआ।

पूज्य गुरुजी आपके आशीर्वाद से मैं श्री 'अमरनाथ जी' के दर्शन करके लगभग एक सप्ताह पूर्व ही यहां सकुशल वापस आ गया हूँ।

भगवान श्री अमरनाथ जी के दर्शन करके मन को बहुत ही शान्ति एवं प्रसन्नता हुई कि प्रभु के दरबार में निर्विघ्न पहुँच गया। वहाँ पर बड़े आराम से पूजा की। 'गंगा' जल, बेलपत्र, धतूरे का फल एवं अन्य पुष्पों को अर्पित किया। परशाद भी चढ़ाया। राष्ट्रपति भवन वालों ने जो धूप दी थी वो जलाई तथा रोली, मोली आदि भी अर्पित की। आपकी तरफ से भगवान 'श्री अमरनाथजी' को प्रणाम निवेदन किया। उसके पश्चात अन्य सभी घर के सदस्यों, इष्ट मित्रों और अन्य सभी की तरफ से भी प्रणाम निवेदन किया। आते समय, वहां से 'सफेद भस्म' अमरगंगा जल और परशाद अपने साथ लाया हूँ जो दिल्ली आने पर आपको दूंगा।

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

गुरुजी, आते समय मैं 'बालताल' के मार्ग से वापस आया था
जैसे आप जानते ही हैं कि मेरी पहले सोची हुई बात कभी
[पू]री नहीं होती है इसलिए भगवान श्री अमरनाथजी के दर्शन भी
[स]मय से पूर्व ही हो गये। जैसी प्रभुइच्छा।

आर्थिक कठिनाई के कारण मैं बीच में
[प]त्र नहीं लिख सका। इसके लिए क्षमा चाहता हूँ अब एक सप्ताह
अन्दर ऋषिकेश पहुँच जाऊँगा।
[illegible]वहो

यहाँ पण्डितजी की रुपजी की तरफ से आपको प्रणाम
श्री सीतारामजी एवं पण्डितजी (C-22) के घर के सभी सदस्यों
तथा अन्य सभी को 'जयशंकर' स्वीकार हो।
[कु]छ गलत लिख दिया
[हो] तो क्षमा करें। अनजान हूँ

आपका
भारतेन्दु शर्मा 'अनुराग'

पहला मोड़ FIRST FOLD

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

सेवा में,
आदरणीय पूज्य श्री श्री गुरुजी
C/o पं. श्री सीतारामजी
B-66 साऊथ मोती बाग
नई दिल्ली-21
NEW-DELHI
पिन PIN 110021

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—
भारतेन्दु शर्मा 'अनुराग'
पिन PIN [illegible]

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

भारतेन्दु शर्मा 'अनुराग' ॐ बनीहाल

11/8/70

आदरणीय पूज्य श्री गुरु जी महाराज,

के चरण कमलों में सादर प्रणाम।

आशा है आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा।

आगे समाचार यह है कि यहाँ पं. बलजिन नहीं मिले और ना ही उनके कश्मीर का पता ही मिल सका है परन्तु मैं फिर भी प्रभु के नाम के सहारे आगे की यात्रा कर रहा हूँ शायद श्रीनगर में उनका पता चल जाय। विद्यापीठ से से कुछ सहायता मिलि है [illegible] के की यात्रा अच्छी रही हो आगे भी भगवान अच्छी करेंगे। ऐसी आशा है

ठाकुर साहब के घर के सभी सदस्यों और पं. जी (सी-22) वालों के घर के सभी सदस्यों को जय शंकर कहें

आपका।

भारतेन्दु शर्मा 'अनुराग'

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

25 INDIA 25

To

श्री युक्त पूजनीय गुरूजी महाराज

पं० श्री सीताराम जी

B-66 साउथ मोती बाग

नई दिल्ली -21

पिन PIN 110021

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

मार्तण्ड शर्मा

बनीहाल- श्रीनगर

कश्मीर

पिन PIN

खोलने के लिये यहाँ काटिए TO OPEN CUT HERE

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

जयपुर
२१-२-८१

परम श्रद्धेय बाबा महाराज,

सादर जयशंकर

अत्र कुशलम् तत्रास्तु

आगे मैं दि० १५-२-८१ को सकुशल पहुँच गया था सो आप चिन्ता न करें। यहाँ आकर मैंने एक पत्र पं. श्री बलभद्रनाथ जी तथा एक पत्र श्री गोविन्द जी को भेजा है। उनके उत्तर की प्रतीक्षा है।

यहाँ आकर खाते के बारे में ज्ञात किया तो स्थिति इस प्रकार है —

(1) १५०००) की फिक्सड डिपोजिट जो कि अप्रैल १९८० को की थी। बैंक नियमानुसार हर छठे माह — यानी 30 जून और 31 दिसम्बर को ब्याज देय है। इस प्रकार 30 जून तथा 31 दिसम्बर १९८० तक का ब्याज लगभग ९००) है जो आप यहाँ से नकद अथवा चैक या डिमाण्ड ड्राफ्ट द्वारा भेजा जा सकता है।

(2) पं. श्री गोविन्द जी के खाते से कुल ९३००) मिले है जो कि बचत खाते में ही चल रहे हैं। कोई प्रकाशन कार्य हाथ में लें इस कारण इसमें से कोई रकम फिक्सड डिपोजिट में नहीं डाली है। अब सोच रहे हैं कि इसमें से ५०००) की २ साल की फिक्सड डिपोजिट करा दें। ताकि ब्याज अधिक मिल सके। शेष राशि तथा और राशि जो नये सदस्यों। प्रकाशन

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

से प्राप्त हो उससे प्रकाशन कार्य पर व्यय का भुगतान किया जाय।

मैं सम्भवतः अगले हफ्ते — 23 से 28 फरवरी — दिल्ली आने का विचार कर रहा हूँ। सम्भवतः 24-25 तारीख को आऊँ। जब भी आऊँगा आते ही आपके दर्शन कर जयपुर आने का कार्यक्रम निश्चित करूँगा।

श्री सीताराम जी से सादर नमस्कार निवेदन करें। यहाँ पर श्री दुर्गादत्त जी, श्री गिरिजाशरण जी, और बच्चे आपको सादर नमस्कार निवेदन करते हैं।

शेष कुशल। सादर —

आपका

[illegible]

पहला मोड़ FIRST FOLD

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

[illegible]

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

[illegible]

पिन PIN

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

ॐ नमः शिवाय

मोतीबाग साऊथ
नई दिल्ली 110021
15.2.79

आदरणीय पूज्यपाद श्री जी,
चरणस्पर्श।

आशा है आप स्वस्थ एवं आनन्द पूर्वक से विराज रहे होंगे। यहाँ भी 10-12 दिनों से ठंड हो रही है। पापा-मम्मी 5-6 दिन पहले दक्षिण भारत की यात्रा कर वापस आ गये हैं।

'महाराज' जी आज तक मोहन से मेरा मन ठीक नहीं चल रहा है और बैचेनी-सी रहने लगी है आजकल मन कहीं भाग जाने को करता है रात भर नींद नहीं आती है और काम में भी दिल नहीं लगता अगर यही हालत रहे तो मैं पागल हो जाऊंगा। और सोचता हूँ

आशा है अन्य सभी आनन्द से होंगे।

आपका
भारत
S/o श्री भवानी शंकर त्रिवेदि

CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri

भरतेन्दु शर्मा
बी-306 साऊथ मोती बाग
नई दिल्ली 110021

पहला मोड़ FIRST FOLD

उसे खोलने के लिए यहाँ काटिए TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



To,
श्री पूज्यपाद गो० जी महाराज
पं० हरि राम जी शर्मा
जालागढ़
हिमाचल-प्रदेश.

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

भरत
B-306 South Moti Bagh

पिन PIN 110021

खुराक		
उम्र (वर्ष)	गोलियां	
0-1	1/2	
1-4	1	
4-8	2	
8-14	3	
14 -	4	
एक खुराक काफी		

बुखार!
हो सकता है मलेरिया ही हो!
क्लोरोक्विन गोलियां लें
(गोलियां खाली पेट न लें)



CC-0. Sri Radha Krishna Samsthan, Delhi. Digitized by eGangotri